22- AUG- COR- MAIN- Pg- 1 FULL PAGE_Layout 1 8/22/2026 9:13 PM Page 1

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 23 अगस्त 2026

KP GROUP Quality Since 1965

नया दशन पैक

30% EXTRA

KP GROUP Quality Since 1965

CELEBRATING 60 YEARS

राजश्री

पान मसाला

NO TOBACCO, NO NICOTINE

No Tobacco, No Nicotine

Not recommended for minors

Chewing of pan masala is injurious to health

तरकश

संजय के दीक्षित

50 लाख की पूजा का असर!

2 अगस्त के इसी स्तंभ में जिक्र हुआ था कि एक कलेक्टर ने आगे सब कुछ ठीक रहे, इसलिए कामख्या में विशेष अनुष्ठान कराया है। इसके लिए उन्हें पंडित को 50 लाख रुपए देने पड़े थे। ये पैसे जिले के कुछ ठेकेदारों और सप्लायरों ने चंदा कर जुटाया। बहरहाल, 18 अगस्त की आईएएस लिस्ट के बाद सूबे के कई कलेक्टर कामख्या के उस पंडित जी का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं, जो चाहते हैं कि कलेक्टरी का सफर उनका आगे भी कंटिन्यू रहे। दरअसल, जिस कलेक्टर ने आधा करोड़ का स्पेशल अनुष्ठान कराया, उसका चमत्कारिक असर दिखा। वरना, जिस तरह जिले में उन्होंने दुःसाहसी और ब्लाइंड फैसले किए, उससे उन्हें भी भरोसा नहीं रहा होगा कि उनका अच्छा होगा।

कलेक्टर बैक टू रायपुर

चीफ सिकेट्री विकास शील ने कलेक्टरों की कई वीडियो कांफ्रेंसिंग में कई अफसरों को चेताया था कि बिना इजाजत मुख्यालय न छोड़ें। इसके बाद भी कुछ कलेक्टर आदतों से बाज नहीं आए। इसका नतीजा यह हुआ कि एक कलेक्टर की छुट्टी हो गई। बताते हैं...जिला छोड़ बार-बार रायपुर भाग आने से मुख्य सचिव बेहद खफा थे। उन्होंने दो टूक कह दिया था...फलां कलेक्टर ठीक नहीं। अब सीएस का फारमान था, सो नोटशीट चली। मगर, चूकि प्रभावशाली जिले से जुड़ा मामला था, लिहाजा उसे क्लियर होने में तीन-चार दिन का वक्त जरूर लगा। लेकिन, जीएडी ने अल्टीमेटली आदेश निकाल दिया। अलबत्ता, लिस्ट में कलेक्टर का नाम देख लोग चौंके। क्योंकि, किसी को अंदेशा नहीं था कि कलेक्टर साब को कोई रायपुर भी बुला सकता है। लोग तो उनके बारे में ये कहते थे, जब आना होगा...वे अपने मन से आएंगे।

बड़ी डील, बड़ा झटका

नगरीय प्रशासन के कुछ अधिकारियों ने दुर्ग नगर निगम में विभागीय अधिकारी को कमिश्नर बनाने पूरी स्ट्रेटजी तैयार कर ली थी। विभागीय मंत्री से प्रशासकीय अनुमोदन भी हो गया था। सिर्फ आदेश निकलना बाकी था कि सौदेबाजी की बात लीक हो गई। और सिकेट्री अर्बन एडमिनिस्ट्रेशन आर. शंगीता ने नोटशीट समन्वय में भेज दी। अब समन्वय में क्यों और कैसे भेजी, ये बात फिर कभी। अभी सिर्फ इतना कि आईएएस सुमित अग्रवाल के हटने के बाद दुर्ग निगम कमिश्नर का पद खाली था। बताते हैं, नगरीय प्रशासन संचालनालय में कोई डिप्टी डायरेक्टर हैं, उन्हें कमिश्नर बनाने पूरा खेल किया गया। डिप्टी डायरेक्टर पिछली सरकार में पूरे पांच साल पाटन और कुम्हारी नगरीय निकाय में सीएमओ रहे। इसके बावजूद...सबसे बड़ा रुपैया। हालांकि, नगरीय प्रशासन के माफियाओं ने आखिरी प्रयास इस रूप में किया कि दुर्ग निगम कर्मचारी संघ भी आगे आ गया। संघ भी नहीं चाहता था कि कोई आईएएस या एसएएस कमिश्नर बन जाए। सो, डायरेक्टेट पहुंच कर वेतन लटकने से लेकर तमाम तरह की बातें हुई। मगर सिस्टम ने खेल को समझते हुए फिर से आईएएस को दुर्ग नगर निगम में बिठा कर पोस्टिंग के खेल पर ब्रेक लगा दिया।

विभागीय अफसरों पर ब्रेक

रायपुर, बिलासपुर और भिलाई जैसे बड़े नगरीय निकायों में कमिश्नर के पद पर आईएएस बिठाने का काम छत्तीसगढ़ के फर्स्ट सीएम अजीत जोगी ने शुरू किया था। रायपुर में उन्होंने सोनमणि बोरा को कमिश्नर बनाया था तो बिलासपुर में डॉ0 एसके राजू को। मगर छोटे निगमों में विभागीय अधिकारियों को कमिश्नर बनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी रहा। पिछली सरकार में इस पर ब्रेक लगाने का काम किया डिप्टी सिकेट्री टू सीएम सौम्या चौरसिया ने। तब नगरीय प्रशासन से आदेश निकला कि नगर निगमों में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी ही आयुक्त बनाए जाएंगे। उसके बाद फिर विभागीय अधिकारियों को कम-से-कम नगर निगमों में आयुक्त बनने का कोई मौका नहीं मिला। मगर सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद पता नहीं किन लोगों ने विभाग के लोगों को मिसगाइड कर विभागीय अधिकारी को दुर्ग जैसे संभागीय मुख्यालय के नगर निगम में बिठाने का प्रपंच रच डाला, सरकार को इसकी जांच करा पनिश करना चाहिए।

कमिश्नर का रिकार्ड

नगरीय प्रशासन सचिव के लिए नाम पहले 2005 बैच के एक आईएएस अफसर का चला मगर लिस्ट निकलने के तीन-चार दिन पहले सोनमणि बोरा का नाम अचानक चर्चा में आ गया। और फिर उनके नाम पर मुहर भी लग गई। बहरहाल, इम्पॉर्टेंट यह है कि नए अर्बन सिकेट्री सोनमणि बोरा छत्तीसगढ़ के उन दो आईएएस अधिकारियों में शामिल हैं, जिन्हें दो नगर निगम में कमिश्नर रहने का अवसर मिला। बोरा अजीत जोगी शासन काल में पहले रायपुर में कमिश्नर रहे, फिर रमन सिंह सरकार में बिलासपुर के निगम कमिश्नर। सोनमणि के अलावा अवनीश शरण बिलासपुर और रायपुर निगम के कमिश्नर रहे हैं। सोनमणि के साथ खास बात यह है कि उन्होंने अधिकांश पोस्टिंग बिलासपुर में की है। बिलासपुर नगर निगम आयुक्त के साथ वे गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार रहे। बिलासपुर जिला पंचायत सीईओ। फिर कलेक्टर बिलासपुर और उसके बाद डिविजनल कमिश्नर बिलासपुर। जाहिर है, बोरा को लंबे समय बाद अच्छी पोस्टिंग मिली है। रमन सिंह की तीसरी पारी में भी उन्हें महिला बाल विकास जैसे विभाग मिलते रहे। कांग्रेस सरकार में वे सिकेट्री राजभवन रहे। इसके बाद वे सेंट्रल डेपुटेशन चले गए। बीजेपी की सरकार बनने के बाद वे लौटे तो महीने भर बिना विभाग के रहे। फिर ट्राईबल का दायित्व मिला। खैर, नया दायित्व मिलने के बाद पहली ही मीटिंग में सोनमणि ने तेवर दिखाया...रायपुर निगम के डिप्टी कमिश्नर हेल्थ की क्लास ले ली। आगे भी उनका ये तेवर जारी रहे, तो सूबे के लिए बढ़िया होगा।

गजब का सरप्राइज

बीजेपी ने नितिन नबीन की टीम बनाने में भी लोगों को खूब चौंकाया। खासकर, छत्तीसगढ़ में जिनके नामों की चर्चाएं रही...जो नितिन नबीन के करीबी रहे...उनमें से एक को भी मौका नहीं मिला, और जिनका दूर-दूर तक कोई अंदेशा नहीं था, उन्हें बड़ा ब्रेक मिल गया। जाहिर है, नितिन की टीम में छत्तीसगढ़ से तीन नेताओं को शामिल किया गया है। रुप कुमारी चौधरी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष, दीपक म्हस्के आईटी सेल के प्रमुख दीपक म्हस्के और डॉ. संदीप पाठक राष्ट्रीय मंत्री। खैर, रुप चौधरी तो नहीं मगर दीपक म्हस्के के नाम से बीजेपी के लोग भी चकित रह गए। दीपक सीजीएमएससी के चेयरमैन हैं, शायद उन्होंने भी नहीं सोचा होगा कि नेशनल लेवल का पद इस तरह चलकर आ जाएगा।

अंत में दो सवाल आपसे

1. चेयरमैन और सिंगल मेंबर मिल पीएससी चला रहे, वहां सदस्यों की भर्ती क्यों नहीं हो पा रही?

2. राजधानी रायपुर में वो कौन सा ऐसा समारोह था, जिसमें पूर्व मुख्य सचिवों समेत बड़े-बड़े लोगों के मोबाइल गेट पर रखवा लिए गए?

MARK OF EXCELLENCE

मार्क हॉस्पिटल में
उन्नत गैस्ट्रोएंटरोलॉजी सेवाएँ

लिवर, पेट एवं पाचन तंत्र से जुड़ी बीमारियों की आधुनिक जाँच, एंडोस्कोपी तथा विशेषज्ञ उपचार अब एक ही छत के नीचे।

- छाती में जलन व खट्टी डकार
- उल्टी, हिचकी, खून की उल्टी
- खाना निगलने में परेशानी
- कभी भी निगली वस्तु व आहार नली की समस्या
- दूरबीन द्वारा पेट व आँत की जांच
- दस्त में खून, लंबे समय से कब्ज़
- पीलिया, हेपेटाइटिस, लिवर सिरोसिस
- पेट की टी.बी., पेट में पानी पैंक्रियाज़ रोग का इलाज



प्रमुख सर्जरी

- अपेंडिक्स की सर्जरी
- पित्त की थैली की पथरी
- हर्निया का लेप्रोस्कोपिक विधि से सर्जरी
- आंतों की रुकावट का उपचार
- पेट एवं आंतों के ट्यूमर की सर्जरी
- लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
- पेट की आपातकालीन सर्जरी
- पेट की गांठ एवं सूजन का उपचार

- ✓ अनुभवी गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट
- ✓ आधुनिक एंडोस्कोपी सुविधा
- ✓ सटीक जाँच एवं प्रभावी उपचार
- ✓ लिवर एवं पाचन रोगों की सम्पूर्ण देखभाल

MARK HOSPITAL
SERVING - CARING - HEALING SINCE 2013
Tertiary Care - Super Speciality Hospital
NABH Accredited Hospital
Chantidih Road, Sarkanda, Bilaspur 495006 (C.G.)

24x7 SERVICES • CT SCAN • PATHOLOGY • PHARMACY • ICU
FOR AMBULANCE CALL:- 9691700486

Contact No:
07752-796230, 9039028850
Website: www.markhospital.com

AdPRAYAS

avinash
a relation for life

AVINASHONE

INAUGRATION

Club ONE

TODAY At 12:00 Noon

A CURATED WELLNESS SESSION

ROOTED
with
ANSHUKA PARWANI
Celebrity Yoga Instructor & Wellness Expert, Mumbai

12:30 PM	1:30 PM	3:30 PM
Rooted in Movement	Rooted in Breath	Rooted in Nourishment

Experience every corner of the club curated specially for you



Step Into Elevated Living with
PREMIUM
3 & 4 BHK
RESIDENCES
Ready For Possession.

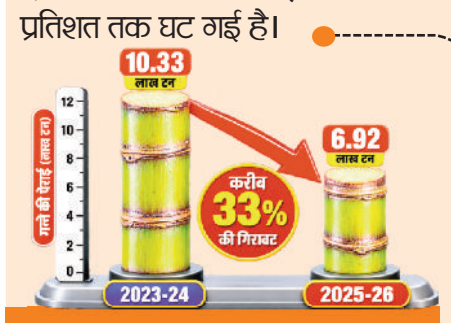
WWW.AVINASHGROUP.COM
9907588444
PCGRERA260721001237

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

छत्तीसगढ़ की चारों शक्कर मिलों में दो साल में गन्ने की पेराई करीब 33 प्रतिशत तक घट गई है।



10.33 लाख टन गन्ने की पेराई | घटकर महज 6.92 लाख टन रह गई

कवर्धा की दोनों शक्कर मिलों के पास भी बाजार में बेचने के लिए स्टॉक नहीं

गुड़ वालों ने गन्ना खींचा, शक्कर कारखानों से किसानों की दूरी, उत्पादन 33 फीसदी कम

गुड़ फैक्ट्रियां दे रहीं ज्यादा कीमत

जिले और प्रदेश में संचालित गुड़ फैक्ट्रियां कई बार शक्कर कारखानों की तुलना में अधिक कीमत पर किसानों से नगद गन्ना खरीद रही हैं। इससे मिलों तक पहुंचने वाला गन्ना कम हो रहा है। गन्ने की खरीदी में गुड़ फैक्ट्रियों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा शक्कर मिलों के लिए बड़ी चुनौती बन रही है। किसानों का गन्ने की खेती की ओर ⏭ शेष पेज 6 पर

महेश मिश्रा ⏭ कवर्धा

शक्कर की मिठास महंगी हो रही है, लेकिन प्रदेश की शक्कर मिलों के लिए गन्ना लगातार कड़वा होता जा रहा है। किसानों का गन्ने से ज्यादा दाम देने वाली गुड़ फैक्ट्रियों की ओर रुख और घटते रकबे का असर शक्कर कारखानों तक पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ की चारों शक्कर मिलों में दो साल में गन्ने की पेराई करीब 33 प्रतिशत तक घट गई है। वर्ष 2023-24 में जहां 10.33 लाख टन गन्ने की पेराई हुई थी, वहीं 2025-26 में यह घटकर महज 6.92 लाख टन रह गई। इसका असर सीधे तौर पर शक्कर की आपूर्ति पर पड़ रहा है।





अजय नारायण पाण्डेय ⏭ अम्बिकापुर

सरगुजा संभाग का एक मात्र मां महामाया शक्कर कारखाना लम्बे समय से वित्तीय संकट से जूझ रहा है। कारखाना में पर्याप्त गन्ने की आवक नहीं होने के कारण पिछले तीन सालों से उत्पादन लक्ष्य पूरा नहीं हो पा रहा है। बीते सत्र में कारखाना लक्ष्य का लगभग एक चौथाई शक्कर ही तैयार कर पाई है। अधिकारियों का कहना है कि गांव-गांव में संचालित गुड़ एवं खाड़सारी उद्योगों द्वारा अधिक कीमत में गन्ने की खरीदी करने एवं तत्काल राशि का भुगतान करने के कारण अधिकांश किसान अपना गन्ना निजी संस्थानों को बेच रहे हैं। शक्कर कारखाना द्वारा किसानों को काफी विलम्ब से गन्ने की राशि का भुगतान किया जा रहा है जिससे किसान शक्कर कारखाना से किनारा करते जा रहे हैं। कारखाना से किसानों की दूरी बढ़ने के कारण गन्ने के रकबे में भी भारी कमी आई है। सहकारी शक्कर कारखाने का लक्ष्य हर दिन 25 मीट्रिक टन गन्ना पेराई का है लेकिन इस बार 10-12 टन से अधिक गन्ना किसी दिन कारखाना तक नहीं पहुंचा जिसके कारण ⏭ शेष पेज 6 पर

जवां फूल चावल के दाम थोक में बढ़कर अब 115 रुपए



- शक्कर के दाम 40 से हो गए 70 रुपए किलो
- मिठाईयां 40 रुपए तक महंगी
- मोटा चावल 30 से 40 रुपए
- 22 की कनकी अब 30 रुपए
- मक्के के दाम 20 रुपए से हो गए अब 30 रुपए किलो

पतले चावलों के ऐतिहासिक दाम

पतले चावलों की कीमत में पहली बार ऐतिहासिक इजाफा हुआ है। मप्र सिवनी का काली मूंछ चावल बहुत ज्यादा पसंद किया जाता है। इसके दाम में दो माह में 15 रुपए तक का इजाफा हुआ है। कारोबारियों के मुताबिक इसके दाम दो माह पहले थोक में 45 सौ रुपए थे जो अब छह हजार हो गए हैं। चिल्हर में इसके दाम इस समय 65 सौ रुपए हैं। एचएमटी चावल के दाम पहले थोक में 45 से 48 रुपए थे इसके दाम थोक में 58 रुपए और चिल्हर में 62 से 65 रुपए हो गए हैं। अब्बा हुजूर चावल के दाम थोक में 57 रुपए से सीधे 73 से 74 रुपए और चिल्हर में 80 रुपए हो गए हैं। जय श्री राम चावल के दाम में 20 रुपए का इजाफा हुआ है। इसके दाम थोक में पहले 50 से 55 रुपए थे, जो अब 70 से 75 और चिल्हर में 75 से 80 रुपए हो गए हैं।

बीएससी द्वितीय वर्ष सेकेंड सेमेस्टर के पहले बीएससी फर्स्ट ईयर की प्लांट पैथोलॉजी का पेपर लीक किया

कीटशास्त्र के पर्चे की 'एंडोस्कोपी', पेपर लीक मामले में प्रोफेसर समेत 6 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में बीएससी द्वितीय वर्ष सेकेंड सेमेस्टर कीटशास्त्र प्रश्नपत्र लीक प्रकरण में पुलिस तथा क्राइम की टीम ने दुर्ग के एक निजी कॉलेज के प्रोफेसर समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल दो अन्य आरोपियों की पुलिस पतासाजी कर रही है। प्रोफेसर ने लीक पर्चे को छात्रों को 11 तथा 12 हजार रुपए में बिक्री करना कबूल किया है।



पेपर लीक कांड का मास्टर माइंड प्रोफेसर है। पकड़े जाने के बाद प्रोफेसर ने बीएससी फर्स्ट ईयर की प्लांट पैथोलॉजी के पेपर लीक करने का भी अपराध कबूल किया है। प्रोफेसर ने ऑपरेशन में काम आने वाले एंडोस्कोपी कैमरे की मदद से पर्चा लीक किया था।

पूरे मामले का खुलासा करते हुए डीसीपी क्राइम स्मृतिक राजनाला, डीसीपी सेंट्रल तारकेश्वर पटेल ने बताया कि पर्चा लीक प्रकरण में दुर्ग भारती एग्रीकल्चर कालेज के प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया, छात्र अजय नायक, त्रिदेव पटेल, नितिन पाण्डेय, अनुज मिंज, आदित्य साहू को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र लाने की जिम्मेदारी योगेश की थी। इस बात का फायदा उठाते हुए उसने कीटशास्त्र के प्रश्नपत्र के सेट कालेज में जमा करने के बजाय अपने घर ले आया। इसके बाद उसने प्रश्नपत्र लीक कर बेच दिया।

हरिभूमि फॉलोअप

एंडोस्कोपी कैमरे की मदद से पर्चा लीक

पेपर लीक करने का तरीका जानकर पुलिस समेत विश्वविद्यालय प्रबंधन चकित है। प्रश्नपत्र के बंडल को किसी तरह से नुकसान न हो और अंदर रखे प्रश्नों की जानकारी उसके पास आ जाए। इसके लिए प्रोफेसर ने मेडिकल स्टोर से ढाई हजार रुपए में एक एंडोस्कोपी कैमरा खरीदा। इसके बाद उसने उस कैमरे की मदद से प्रश्नपत्र के लिफाफे के साइड में एक छोटा-सा छेद कर कैमरा अंदर डालकर डिवाइस की मदद से अपने मोबाइल में कनेक्ट किया। इसके बाद उसने प्रश्नपत्र के एक-एक शब्द को स्कैन करते हुए कॉपी में नोट किया। पूरे प्रश्न को नोट करने में प्रोफेसर को तीन से चार घंटे का समय लगा।

अजय और उसके दो दोस्तों को बेचा पेपर

पुलिस पड़ताल में जो बातें सामने आई है, उसके मुताबिक अजय नायक तथा उसके दो दोस्तों को प्रोफेसर ने प्रश्नपत्र बेचे। अजय के माध्यम से त्रिदेव ने प्रश्नपत्र खरीदने के बाद उसे वाट्स एप के माध्यम से अपने अन्य दोस्तों के बीच वायरल कर दिया। वायरल प्रश्नपत्र वाट्स एप तथा ई-मेल के माध्यम से कृषि विश्वविद्यालय प्रबंधन तक पहुंचा।

जारी है जांच : साय



मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपी सहित छह लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और इसमें जांच जारी है। इसमें और भी जो लोग संलिप्त पाए जाएंगे, उन पर भी कार्रवाई होगी।

एम-टेक की पढ़ाई करने के बाद बना प्रोफेसर

योगेश मूल रूप से मध्यप्रदेश, जबलपुर का रहने वाला है। उसने एम-टेक की पढ़ाई की है। सरकारी नौकरी नहीं मिलने के बाद वह दुर्ग के निजी कालेज में प्राध्यापक की नौकरी करने लगा। योगेश वर्ष 2019 से भारती एग्रीकल्चर कॉलेज में प्रोफेसर है। एक वर्ष पूर्व से वह आईजीकेवी में उत्तरपुस्तिका जमा करने व प्रश्नपत्र लाने का कार्य कर रहा है। ⏭ शेष पेज 6 पर

शक्कर चढ़ी तो मिठाई महंगी, चावल मक्का ने भी बढ़ाई थाली की कीमत

राजकुमार ग्वालानी ⏭ रायपुर

महंगाई की मार चौतरफा पड़ रही है। शक्कर के साथ ही चावल और मक्के के दाम पर दिखने लगा है। शक्कर के दाम जहां पर पहली बार 40 रुपए से सीधे 70 रुपए तक पहुंच गए हैं, वहीं मोटा चावल अब 40 रुपए किलो हो गया है। कनकी, जिनके दाम हमेशा से बहुत कम रहते हैं, उसकी कीमत 30 रुपए हो गई है। पतले चावलों के दाम भी ऐतिहासिक हो गए हैं। चावलों की कीमत में 5 से 20 रुपए तक का इजाफा हो गया है। मक्के के दाम भी आमतौर पर 18 से 20 रहते हैं, लेकिन अब यह थोक में 26 ⏭ शेष पेज 6 पर

कनकी के दाम 8 रुपए तक बढ़े

एथेनाल के काम में आमतौर पर कनकी और मोटा चावल आता है। कनकी खाने वाले अब बहुत कम हो गए हैं, क्योंकि गरीबों को तो मुफ्त में चावल मिल जाता है। कनकी के दाम करीब चार साल पहले थोक में 20 रुपए और चिल्हर में 22 रुपए किलो थे, लेकिन अब इसके दाम थोक में 27 रुपए और चिल्हर में 30 रुपए किलो हो गए हैं। मोटा चावल भी जो पहले थोक में 28 और चिल्हर में 30 रुपए किलो था, वह थोक में 35 से 37 और चिल्हर में 40 रुपए किलो हो गया है।

मिठाईयां भी महंगी

शक्कर की कीमत बढ़ने का बड़ा असर अब मिठाईयों में भी देखने को मिल रहा है। मिठाईयों के दाम 40 रुपए किलो तक बढ़ा दिए गए हैं। जो काजू कतली पहले 1080 रुपए और 1120 रुपए किलो थी, उसको 1120 और 1160 रुपए कर दिया गया है। इसी तरह से खोवे की मिठाईयों के दाम 600 से 640 और 640 से 680 ⏭ शेष पेज 6 पर

मक्का पहली बार इतना महंगा

एथेनाल बनाने के काम में मक्का भी आता है। दो-तीन साल पहले मक्के के दाम थोक में 18 रुपए और चिल्हर में 20 रुपए थे। लेकिन अब इसके दाम थोक में 26 से 28 और चिल्हर मे 30 रुपए किलो हो गए हैं। आने वाले समय में इसके दाम में और इजाफा हो सकता है।



बड़े उद्योग के साथ वन और खनिज संपदा के प्रोसेसिंग यूनिट से बदलेगी बस्तर की तस्वीर

बदलते बस्तर में विकास का रोडमैप पर हरिभूमि एवं आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के तीखे सवालों पर कलेक्टर आकाश छिकारा ने स्पष्ट की शासन और प्रशासन की मंशा





हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के तकनीक से उद्योग एवं व्यापार सम्मेलन में आज का दिन खास बन गया, जब 31 मार्च 2026 को नक्सलवाद के खात्मे के बाद बस्तर संभाग मुख्यालय में हुए व्यवसायिक कार्यक्रम में राज्य के तीन सफल उद्योगपतियों ने शिरकत कर आने वाले समय में इस अंचल के तेज विकास की न केवल बात की बल्कि स्थानीय व्यापारियों और उद्यमियों को जोखिम के साथ कड़ी मेहनत और ईमानदारी से समय के साथ बदलते परिवेश में आधुनिक तकनीक से जुड़कर व्यवसायिक लाभ लेने के गुर बताए। हरिभूमि एवं आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने समसामयिक तीखे सवालों और शासन प्रशासन की मंशा के साथ जमीनी हकीकत पर कलेक्टर आकाश छिकारा से परिचर्चा में संवाद कर चेम्बर के व्यापारियों के लिए उद्योग के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में किस तरह की सुविधाएं उपलब्ध हैं, इसे सामने लाने का प्रयास किया। उन्होंने तीनों सफल उद्योगपतियों के शुरुआती यात्रा से लेकर अब तक की उपलब्धियों को चिर-परिचित अंदाज में सवाल कर सम्मेलन को रोचक और उपस्थित लोगों के लिए उपयोगी बना दिया।

पहले सत्र में कलेक्टर से परिचर्चा में उन्होंने सवाल किया कि देश की उम्मीद बस्तर पर है। केंद्र सरकार बस्तर को सर्वाधिक समृद्ध आदिवासी संभाग बनाना चाहती ⏭ शेष पेज 6 पर

खास खबर

आवापल्ली में स्कूल भवन के ठेके से की शुरुआत

उद्योगपति रमेश अग्रवाल ने कहा कि बस्तर के बीजापुर जिले के गांव आवापल्ली में स्कूल भवन का एक ठेका मिला, जहां ईंट नहीं था, इसलिए ईंट भट्टा लगाना पड़ा। उस समय भट्टी में लकड़ी डालने का भी काम करना पड़ा। बारिश होने ⏭ शेष पेज 6 पर

जोरा माल लेना जोखिम भरा रहा

उद्योगपति विजय झंवर ने बताया कि बिना भवन देखे खण्डहर जैसे जोरा माल खरीदना जोखिम भरा रहा। लेकिन यह सोचकर कि जमीन के भाव में भवन मिल रहा है इसे खूबसुरत इमारत में बदलने का विचार आया। यही विचार सफलता में मील का पत्थर बना। डॉ. हिमांशु ⏭ शेष पेज 6 पर

आईएएस में दो बार फेल हुए अब 35 देशों में निर्यात

डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने उद्योगपति संजय जैन के विषय में कहा कि छोटे से गांव कुनकुरी से हैं, जो आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का क्षेत्र है। बार-बार फेल होने के बाद हिम्मत नहीं हारे और आगे बढ़ते गए। संजय जैन ने अपनी संघर्ष यात्रा में कहा कि व्यापार में वनोपज का वेल्यू एडिशन के साथ शिक्षा के क्षेत्र में अवसर मिला। ⏭ शेष पेज 6 पर

सेवा संकल्प अभियान की राष्ट्रीय टीम में ओपी चौधरी



रायपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम की पहली बैठक शनिवार को दिल्ली में हुई। इस बैठक में एक बड़ा फैसला सेवा संकल्प अभियान को लेकर किया गया। इसके लिए एक पांच सदस्यों की एक राष्ट्रीय टीम बनाई गई। टीम में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ⏭ शेष पेज 6 पर

स्कूल से लौट रहे तीन बच्चे घोंघा नदी में बहे

तखतपुर। ग्राम पंचायत समडील में स्कूल से छुट्टी के बाद घर लौट रहे तीन मासूम बच्चे घोंघा नदी पार करते समय अचानक तेज बहाव की चपेट में आकर बह गए। हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीणों और पुलिस प्रशासन ने नदी में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया।

घंटों मशक्कत के बाद एक बच्चे का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि दो अन्य बच्चों की तलाश अभी भी जारी है। जानकारी के अनुसार ग्राम समडील निवासी 7 वर्षीय अनमोल ⏭ शेष पेज 6 पर

एक का शव मिला, दो लापता



एसडीआरएफ की टीम करेगी तलाश

थाना प्रभारी अवनीश पासवान ने बताया कि तीनों बच्चे स्कूल से नदी पार कर घर जा रहे थे। नदी में पानी कम था, लेकिन बच्चे तेज बहाव की चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि एसडीआरएफ की टीम जल्द गांव पहुंचकर नदी में सर्च ऑपरेशन चलाएगी और लापता दोनों बच्चों की तलाश की जाएगी।

गांव में पसरा मातम

हादसे के बाद समडील गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीण भी नदी किनारे डटे हुए हैं और लापता दोनों बच्चों के सकुशल मिलने की उम्मीद लगाए हुए हैं। फिलहाल सभी की निगाहें एसडीआरएफ के सर्च ऑपरेशन पर टिकी हैं।

टाटीबंध फ्लाई ओवर के 126 करोड़ की रिकवरी के लिए बढ़ा दिया टेंडर

यह सरकारी दादागिरी है...जून में बंद होना था कुम्हारी नाका अब अगले साल तक, रोजाना 18 लाख रुपए की वसूली

कभी मेंटेनेंस, कभी ब्रिज के नाम पर वसूली, स्थानीय नेताओं का विरोध भी बेअसर

संदीप उपाध्याय ⏭ भिलाई

रायपुर से भिलाई को जोड़ने वाला कुम्हारी टोल प्लाजा साल 2006 में डीएस कंट्रक्शन दिल्ली के द्वारा बनाया गया था। इस कंपनी ने रायपुर से लेकर भिलाई तक एनएच की रोड बनाई थी और उसकी रिकवरी के लिए केंद्र सरकार ने उसे 10 लेन का टोल प्लाजा चलाने की अनुमति दी थी। शुरूआती दौर में उसने नेहरू नगर के पास भिलाई और ⏭ शेष पेज 6 पर

18 लाख प्रतिदिन पर मिला टेंडर

टेंडर कंपनी के डीजीएम फूलसिंह राठौर ने बताया कि टेंडर शर्त के मुताबिक उन्हें टोल प्लाजा से हर दिन 18 लाख रुपए की वसूली करके एनएचएआई को देना है। यानि की हर महीने 5 करोड़ 40 रुपए एनएचएआई कुम्हारी टोल प्लाजा से कमाई कर रहा है। उसके अतिरिक्त जो भी वसूली होती है उसे ठेका कंपनी अपने पास रखती है। ⏭ शेष पेज 6 पर



पहले से डबल रेट पर हो रही वसूली

कुम्हारी टोल प्लाजा के ऑपरेशन हेड दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि उनके पहले जिस कंपनी को टोल का टेंडर मिला था, उससे एनएचएआई के द्वारा छोटी गाड़ियों से 15 रुपए और बड़ी गाड़ियों से 80 रुपए की वसूली कराई जाती थी। इस टेंडर में यह दर बढ़ा दिया गया है। अब एनएचएआई के निर्देश पर उनके द्वारा छोटी गाड़ियों से 25 रुपए और ⏭ शेष पेज 6 पर

बाईपास कंप्लीट होने के बाद बंद हो सकता है प्लाजा

दुर्ग रायपुर बाईपास का निर्माण कार्य जारी है। उसके कंप्लीट होने के बाद कुम्हारी टोल को बंद करने का फैसला लिया जा सकता है। रही बात टोल रेट बढ़ाने की तो ये हर साल बढ़ता रहता है। उसी के मुताबिक ही टोल वसूली की जाती है।

-दिग्विजय सिंह, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एनएचएआई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले की ऐतिहासिक प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग किया। अब सवाल उठाए जा रहे हैं कि पीएम किन लोगों को 'दिमागी नक्सल' के नाम से पुकारना चाहते हैं और क्या सच में देश की शांति को इनसे किसी किस्म का खतरा है? क्या मोदी सरकार इस शब्द के माध्यम से अपनी आलोचना करने वाले लोगों पर शिकंजा कसना चाहती है और अभिव्यक्ति की आजादी छीनना चाहती है? जहां एक ओर एनडीए सरकार के प्रयासों से बंदूकधारी नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है, वहीं विपक्षी नेताओं द्वारा इस शब्दावली को स्वयं पर ओढ़ना उनकी वैचारिक दिशा पर सवाल खड़े करता है। यह शब्द जितना भारी है, इसके पीछे की राजनीति उतनी ही गहरी और मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली है। आज का युवा और उसके नए तरीके के आंदोलन वाक़ई व्यवस्था को असहज कर रहे हैं और इसी कारण येन-केन-प्रकारेण विरोध की हर आवाज़ को कुचलने की कोशिश की जा रही है। नक्सलवाद, अपने मूल रूप में, बंदूक और हिंसा के रास्ते सत्ता को उखाड़ फेंकने की एक विचारधारा रही है। लेकिन दिमागी नक्सल एक बिल्कुल नई गढ़ी हुई शब्दावली है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

अब हर शब्द के लिए बुना जाता है जाल



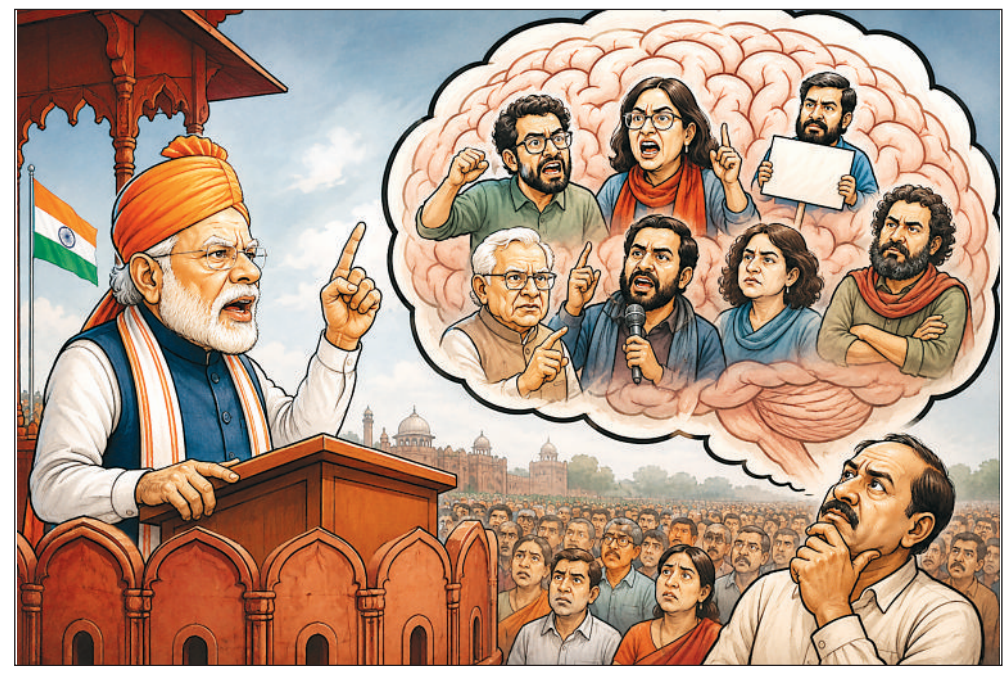
विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग किया तो इसने पूरे देश के राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक विमर्श में एक नई और गहरी बहस को जन्म दे दिया। यह मात्र एक राजनीतिक शब्दावली का प्रयोग नहीं था बल्कि भारतीय समाज के भीतर पनप रही एक अदृश्य, सूक्ष्म और कहीं अधिक जटिल चुनौती की ओर किया गया एक अत्यंत गंभीर इशारा था। दशकों से हमारे देश ने जंगलों, बीहड़ों और दुर्गम पहाड़ियों में पनपने वाले उस हथियारबंद नक्सलवाद का सामना किया है जिसने सीधे तौर पर बंदूक के दम पर भारतीय राज्य व्यवस्था और लोकतांत्रिक ढांचे को चुनौती दी थी। आज जब सशस्त्र नक्सलवाद अपने अंतिम दौर में है, तब एक नए प्रकार के खतरे ने समाज में अपनी जड़ें फैलानी शुरू कर दी हैं।

नक्सलवाद क्या था? नक्सलबाड़ी कहां थी? इस 'शब्द' की शुरुआत कहां से हुई? ये चारू मजूमदार, कानू सन्याल आदि कौन थे, इन प्रश्नों के उत्तर शायद उनके पास भी नहीं, जो आज प्रधानमंत्री के स्वाधीनता-दिवस सम्बोधन को लेकर लम्बे-चौड़े बयान दागने में व्यस्त हैं। अब कुछ लोगों को स्वयं को 'दिमागी नक्सल' कहलाने में भी गर्व हो रहा है। हमारे देश में अब किन्हीं भी शब्दों को लेकर बहस-मुबाहसा एक 'राष्ट्रीय हॉबी' बन चला है। भारत के स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर लाल किले की ऐतिहासिक प्राचीर से जब प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग किया तो इसने पूरे देश के राजनीतिक, सामाजिक और बौद्धिक विमर्श में एक नई और गहरी बहस को जन्म दे दिया। यह मात्र एक राजनीतिक शब्दावली का प्रयोग नहीं था बल्कि भारतीय समाज के भीतर पनप रही एक अदृश्य, सूक्ष्म और कहीं अधिक जटिल चुनौती की ओर किया गया एक अत्यंत गंभीर इशारा था। दशकों से हमारे देश ने जंगलों, बीहड़ों और दुर्गम पहाड़ियों में पनपने वाले उस हथियारबंद नक्सलवाद का सामना किया है जिसने सीधे तौर पर बंदूक के दम पर भारतीय राज्य व्यवस्था और लोकतांत्रिक ढांचे को चुनौती दी थी। हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाबलों के जवानों ने इस हिंसक वामपंथी उग्रवाद की कीमत अपनी जान देकर चुकाई है। आज, जब सुरक्षा बलों के अदम्य साहस, लगातार चलाए गए अभियानों और विकास की पहुंच के कारण वह हिंसक और सशस्त्र नक्सलवाद अपने अंतिम प्रहर की ओर बढ़ रहा है, तब एक नए प्रकार के खतरे ने समाज में अपनी जड़ें फैलानी शुरू कर दी हैं। प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य उसी नए खतरे के प्रति देश को आगाह करने का एक प्रयास था, जो बंदूकों से नहीं बल्कि संवाद, विचारों, लेखनी और विमर्श के माध्यम से हमारे समाज के ताने-बाने को भीतर से भेदने का प्रयास कर रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर सत्ता के शीर्ष पर बैठे प्रधानमंत्री किन लोगों को 'दिमागी नक्सल' के नाम से पुकारना चाहते हैं और इनका वास्तविक स्वरूप क्या है।



नकारात्मक 'नैरेटिव'

'दिमागी नक्सल' को यदि इसके गहरे अर्थों में समझा जाए तो यह शब्द, जिन्हें अक्सर वैचारिक नक्सली या 'अर्बन नक्सल' भी कहा जाता है, वे लोग हैं जो कभी प्रत्यक्ष रूप से हाथों में हथियार नहीं उठाते। ये लोग जंगलों में छिपकर पुलिस से मुठभेड़ नहीं करते बल्कि ये हमारे समाज के सबसे सुरक्षित और प्रतिष्ठित हिस्सों में रहते हैं। ये अक्सर समाज के प्रबुद्ध वर्गों- जैसे विश्वविद्यालयों के परिसरों, मानवाधिकार संगठनों, साहित्य, कला और मीडिया के क्षेत्रों-में एक सम्मानित चोले के भीतर छिपे हो सकते हैं। इनका मुख्य हथियार इनकी लेखनी, इनका प्रभावशाली भाषण, इनका अकादमिक शोध और संवाद की वह आकर्षक शैली है, जिसके जरिए ये बहुत ही चतुराई से स्थापित लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं, संवैधानिक संस्थाओं और राष्ट्रीय एकता के खिलाफ एक निरंतर नकारात्मक 'नैरेटिव' या विमर्श तैयार करते हैं। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के दृष्टिकोण से देखें तो इन दिमागी नक्सलियों का मुख्य लक्ष्य देश की युवा पीढ़ी, विशेषकर छात्रों के भावुक मस्तिष्कों को अपना निशाना बनाना है जो दुनिया को बदलने का आदर्शवादी सपना देखते हैं। ये वैचारिक तत्व समाज की वास्तविक समस्याओं को सुलझाने के बजाय युवाओं के भीतर अपने ही देश, संस्कृति और अपनी ही लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति नफरत, आक्रोश और गहरे अविश्वास के बीज बोते हैं।

न्यायपूर्ण व्यवस्था का निर्माण जरूरी

एक स्वस्थ, परिपक्व और विकासशील लोकतंत्र में सरकार से कड़े सवाल पूछना, उसकी जनविरोधी नीतियों की तीखी आलोचना करना और कमजोर तथा शोषित वर्गों के अधिकारों के लिए सड़क पर उतरकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराना कोई अपराध नहीं है बल्कि यह एक जागरूक नागरिक का परम कर्तव्य है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिए खड़े होने वाले हर व्यक्ति या विश्वविद्यालयों में बौद्धिक बहस करने वाले हर छात्र को संदेह की दृष्टि से देखना और उसे नक्सलवाद का चोला पहना देना स्वयं लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ हो सकता है। यदि असहमति को राष्ट्रद्रोह मान लिया गया तो समाज की सोचने-समझने की शक्ति क्षीण हो जाएगी और एक डर का माहौल पैदा होगा, जो अंततः देश के मानसिक और बौद्धिक विकास को ही पूरी तरह से अवरुद्ध कर देगा। इस पूरे विमर्श को एक बेहद संतुलित, तार्किक और मानवीय नजरिए से देखने की आवश्यकता है। हमें उन विघटनकारी ताकतों, छद्म विचारकों और विदेशी इशारों पर काम करने वाले उन तत्वों को पहचानकर कानून के दायरे में रोकना नितांत आवश्यक है जो हमारे युवाओं के भविष्य और देश की शांति के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। हमें एक ऐसी न्यायपूर्ण व्यवस्था का निर्माण करना होगा, जहां राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर किसी निर्दोष या सवाल पूछने वाले नागरिक का उत्पीड़न न हो और अभिव्यक्ति की आज़ादी के नाम पर कोई भी हमारे राष्ट्र की शांति को आग न लगा सके। यही वह संतुलन है जो भारत को भविष्य में एक सशक्त, सुरक्षित और सही अर्थों में एक विचारशील राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करेगा।

प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक खतरनाक

अब हम उस सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील सवाल पर आते हैं कि क्या सचमुच में देश की शांति, सुरक्षा और अखंडता को इन लोगों से किसी किस्म का कोई गंभीर खतरा है? इस प्रश्न को लेकर समाज में दो अलग-अलग और बेहद स्पष्ट दृष्टिकोण मौजूद हैं, जिन्हें समझे बिना इस विषय का पूरा सच नहीं जाना जा सकता। यदि हम राष्ट्रीय सुरक्षा और सरकार के नजरिए से इस खतरे का मूल्यांकन करें तो यह खतरा न केवल वास्तविक है, बल्कि किसी भी हथियारबंद विद्रोह से कहीं अधिक विनाशकारी है। किसी भी महान राष्ट्र की नींव केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं या सेना की ताकत पर नहीं टिकी होती बल्कि वह नींव उसके नागरिकों के आपसी प्रेम, सामंजस्य और अपनी न्याय व्यवस्था पर उनके अटूट विश्वास में निहित होती है। यदि कोई ऐसा संगठित और वैचारिक समूह निरंतर देश के विकास, उसकी सांस्कृतिक विरासत और उसकी लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ काम करता है तो वह बिना एक भी गोली चला, देश को भीतर से पूरी तरह खोखला कर सकता है। हमारे समाज में जाति, धर्म और भाषा की जो प्राकृतिक विविधताएं हैं, ये तत्व उन्हें खाई में बदलने का प्रयास करते हैं। युवाओं को गुमराह करके उन्हें अलगाववाद या अराजकता के अंधे कुएं में धकेलना किसी भी प्रत्यक्ष युद्ध से अधिक खतरनाक साबित हो सकता है।

सरकार की नीतियों से असहमति

यह एक धीमा जहर है जो समाज की नसों में इस तरह घोला जाता है कि बीमार होने वाले को अपनी बीमारी का अहसास तक नहीं होता। जब विदेशी मंचों पर देश की छवि को जानबूझकर धूमिल किया जाता है, जब विकास की हर परियोजना को पर्यावरण या अधिकारों के नाम पर रोकने की साजिश रची जाती है, तो निश्चित रूप से यह देश की शांति और आर्थिक सुरक्षा के लिए एक बहुत बड़ा और गंभीर खतरा बन जाता है। हालांकि, इस विमर्श का एक दूसरा और उतना ही महत्वपूर्ण तथा मानवीय पहलू भी है जो सीधे तौर पर हमारे जीवंत लोकतंत्र की सेहत और आम नागरिकों की स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ है। आलोचकों, स्वतंत्र विचारकों, पत्रकारों और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं की यह एक बहुत ही गहरी और वाजिब चिंता है कि 'दिमागी नक्सल' या 'अर्बन नक्सल' जैसे शब्दों की हमारे संविधान या दंड संहिता में कोई स्पष्ट कानूनी या अकादमिक परिभाषा मौजूद नहीं है। जब किसी अपराध या गतिविधि की कोई स्पष्ट सीमा रेखा नहीं होती तो इस बात का डर हमेशा और बहुत मजबूती से बना रहता है कि कहीं इस भारी-भरकम शब्द का इस्तेमाल सत्ता द्वारा उन तमाम लोकतांत्रिक आवाजों को डराने, धमकाने या कुचलने के लिए न किया जाए, जो केवल व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं या सरकार की नीतियों से तार्किक रूप से असहमत हैं।

चुनी हुई सरकार से सवाल करना नागरिक का अधिकार



बहस

चरणजीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच सत्ता प्राप्ति की चाहत में निरंतर एक संघर्ष और विमर्श चलता रहता है और चलता भी रहना चाहिए। इसी से लोकतंत्र की सेहत दुरुस्त रहती है क्योंकि इसी संघर्ष से चुनावी वादे और नैरेटिव का जन्म होता है। लोकतंत्र में अगर विपक्ष निष्क्रिय हो जाएगा तो सत्ता को राजशाही में बदलने से कोई नहीं रोक सकता। इधर सत्ता में बैठी हुई पार्टी भी अपनी सत्ता को बनाए रखने की कोशिश में नारे और नैरेटिव का खेल खेलती है। इसी नैरेटिव को गढ़ने की कोशिश में नए शब्द गढ़े जाते हैं। शब्दों की इसी शृंखला में कई वर्ष पहले 'अर्बन नक्सल' एक शब्द आया था। अब इसी अर्बन नक्सल को और थोड़ा परिष्कृत करके प्रधानमंत्री के द्वारा लाल किले की प्राचीर से एक नया शब्द 'दिमागी नक्सल' का प्रयोग हुआ। शब्द के प्रयोग के बाद उसकी व्याख्या शुरू हुई, वाद-विवाद हुए, अर्थ-अनर्थ निकाले गए। इस तरह एक शब्द को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई।

विपक्ष के लोगों ने 'दिमागी नक्सल' शब्द को अपनी परिभाषा दी है, जो भी सत्ता से सवाल पूछेगा उसको 'दिमागी नक्सल' बोला जाएगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था मत देने वाले हर व्यक्ति को यह अधिकार देती है कि वह अपनी चुनी हुई सरकार से सवाल करे। इन सवालों की प्रासंगिकता उस वक्त और बढ़ जाती है जब व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर परेशानियां निरंतर बढ़ने लगती हैं और उनके समाधान नहीं ढूंढे जाते हैं। देश में पिछले कई वर्षों से पेपर लीक एक बड़ी समस्या बनकर उभरा है। पेपर लीक के इन मामलों में कई रसूखदार लोग भी पकड़े गए, लेकिन समस्या खत्म होने के बजाए और बढ़ती गई। आखिर देश की युवा पीढ़ी का गुस्सा आग बनकर सड़कों पर उतरा जिसने हिंसा का रूप ले लिया। कई सुरक्षाकर्मी घायल हुए जो नहीं होने चाहिए थे। सरकार में शीर्ष पदों पर बैठे हुए लोगों के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग हुआ जो नहीं होना चाहिए था। इसी संदर्भ में सत्ता और विपक्ष दोनों तरफ से कुछ नए नैरेटिव गढ़े गए और नए शब्दों का भी प्रयोग हुआ, इसलिए सवाल भी दोनों तरफ उठते हैं। क्या सत्ता से सवाल पूछना अपराध है या सरकार के किसी कृत्य का विरोध करना गुनाह है या सवाल पूछने वालों को प्रभावहीन बताकर उनकी उपेक्षा करना उचित है। बहुत आवश्यक है कि लोकतंत्र में सागर की तरह हलचल होती रहनी चाहिए। दूसरी तरफ विपक्ष का भी यह धर्म है कि वह अपनी बंदूक समाज के किसी ऐसे वर्ग के कन्धों पर ना रखे, जो मासूम हो। जंतर-मंतर पर होने वाले छात्र आंदोलन के माध्यम से जो कुछ हुआ, वह विरोध कम संघर्ष अधिक था। शीर्ष पर बैठे लोगों के लिए जिस तरह के अपशब्दों का प्रयोग किया गया, वह किसी भी सभ्य समाज में जायज नहीं ठहराया जा सकता। शायद इसी को काउंटर करने के लिए प्रधानमंत्री को 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग करना पड़ा। 'अर्बन नक्सल' से दिमागी नक्सल तक की ये शाब्दिक यात्रा अनायास नहीं है। इसके पीछे भी बहुत सारे तर्क हैं। केवल जंतर-मंतर के आंदोलन से इसे जोड़ना ठीक नहीं होगा। भारत के बड़े भूभाग जिसमें बंगाल, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र तक नक्सलवाद का प्रभाव रहा है। इसमें छत्तीसगढ़ तो नक्सलवाद के केंद्र के रूप में उभरा है। लेकिन गृह मंत्रालय और भारतीय सशस्त्र बलों के अथक प्रयास के पश्चात देश के सभी हिस्सों से नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त हो चुका है। अब सरकार को चिंता इस बात की है कि इसी विचारधारा के शहरों में बैठे लोग कहीं फिर से युवाओं के मन में इस विचार का बीजारोपण न कर दें। इसी को लेकर सरकार की चिंताएं बहुत हद तक वाजिब भी हैं। यह मामला कितना संवेदनशील है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री को यह मुद्दा लाल किले के अपने भाषण से उठाना पड़ा ताकि देश के जनमानस को इस 'दिमागी नक्सलवाद' के ख़िलाफ़ आगाह किया जा सके। सरकारों के प्रति या उसकी नीतियों के प्रति लोगों का गुस्सा जायज हो सकता है, लेकिन एक सभ्य लोकतंत्र में विरोध के नाम पर किसी को भी हथियार उठाने या गाली देने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। अगर विरोध के नाम पर ये सब होता है तो निश्चित रूप से यह चिंता का विषय है। सत्ता और समाज के बीच जब भी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो समाज के चौथे पिलर 'न्याय पालिका' की भूमिका बहुत अहम हो जाती है। अपने हक के लिए संघर्ष करते लोगों पर किया जाने वाला बल प्रयोग अगर अनुचित है तो व्यवथा कायम करने वाले सुरक्षाकर्मियों पर पत्थर चलाना, उन्हें गाली देना भी पूर्णतया बहिष्कार करने योग्य है। जब दोनों पक्ष अपने को सही ठहराने लगें तो न्यायपालिका की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इस पूरी बहस का निष्कर्ष यही है कि सरकार को समझना चाहिए कि सरकार का विरोध देश का विरोध नहीं होता और विपक्ष को भी यह समझना चाहिए कि सरकार और देश के विरोध में खिंची हुई लक्ष्मण रेखा कभी अदृश्य न हो, न ही धुंधली पड़े। सरकारें आती हैं और चली जाती हैं, देश हमेशा रहता है। कोई सत्ता में हो या विपक्ष में देश का कानून और देश का सम्मान सर्वोपरि है। उसे किसी भी प्रकार की ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। सत्ता के लालच में कोई व्यक्ति या पार्टी अगर गलत कदम लेता है तो वह स्वीकार्य नहीं है। साथ ही सरकार को भी अपनी मर्यादा में समझनी चाहिए।

यह मामला कितना संवेदनशील है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री को यह मुद्दा लाल किले के अपने भाषण से उठाना पड़ा, ताकि देश के जनमानस को इस 'दिमागी नक्सलवाद' के ख़िलाफ़ आगाह किया जा सके।

चुप्पी को शब्द देने के लिए एक पत्र



विचार

डॉ. जवाहर सुरिसेट्टी

यह पत्र किसी राजनीतिक दल या विचारधारा के विरुद्ध नहीं, बल्कि एक पीढ़ी की चुप्पी को शब्द देने के लिए लिखा जा रहा है, उस पीढ़ी की चुप्पी, जो आपकी रैलियों में तालियां तो बजाती है, पर मन में सवाल लिए घर लौटती है।

भारत का जेन ज़ी- यह वह पीढ़ी है जिसने न विभाजन देखा, न आपातकाल। इसने देखा है इंटरनेट, वैश्विक अवसर, और अपने सपनों को साकार करने की बेचैनी। यह पीढ़ी न आपके शहरों के नाम बदलने से प्रभावित होती है, न वंदे मातरम पर छिड़ी बहसों से, न इतिहास की किस व्याख्या सही है इस विवाद से, न धर्म और जाति के नाम पर होने वाले टकरावों से। यह सब उन्हें दूर की, बासी और अप्रासंगिक बहसें लगती हैं, जबकि उनकी असली चिंताएं कुछ और हैं।

वे नौकरी मांगते हैं, आप उन्हें प्रतीक देते हैं।
वे पारदर्शिता मांगते हैं, आप उन्हें नारे देते हैं।

वे भरोसा मांगते हैं, और यहीं सबसे बड़ी दरार है।

आज का युवा राजनीति से डरता नहीं, बल्कि उससे थक चुका है। वह देख चुका है कि कैसे झूठे वादे किए जाते हैं, कैसे भ्रष्टाचार को सामान्य बना दिया जाता है, कैसे हर मुद्दे को धर्म या जाति के चश्मे से देखा जाता है ताकि असली सवाल पीछे छूट जाएं। वह चालाकी पहचानता है, भले ही वह उसे तुरंत चुनौती न दे।

यह पीढ़ी असहमति से नहीं डरती, पर पाखंड से चिढ़ती है। यह सीधी बात पसंद करती है, बिना घुमाव के, बिना झूठे आश्वासन के। जब कोई नेता ईमानदारी से कहता है मुझसे यह गलती हुई या यह अभी मुश्किल है, पर हम कोशिश कर रहे हैं, तो यह पीढ़ी उस पर भरोसा करने को तैयार रहती है। पर जब हर बात राजनीतिक चतुराई में लिपटी मिलती है, तो भरोसा टूटता चला जाता है।

यह पीढ़ी वैश्विक है, पर जड़ों से जुड़ी भी है। यह भारतीयता को गर्व से जीती है, पर संकीर्णता को नकारती है। यह प्रेम, समानता, स्थिरता, और एक शांतिपूर्ण भविष्य चाहती है। ऐसा भविष्य जहां धर्म और जाति पहचान का हिस्सा हों, हथियार नहीं। यह पीढ़ी बंटवारे की राजनीति से थक चुकी है और जुड़ाव की राजनीति की तलाश में है।

नेतागण, आप जिस देश का नेतृत्व कर रहे हैं, उसकी सबसे बड़ी पूंजी यही युवा शक्ति है। पर पूंजी तभी काम आती है जब उसे समझा जाए, उसका सम्मान किया जाए। प्रतीकों की राजनीति क्षणिक तालियाँ दिला सकती है, पर स्थायी भरोसा नहीं बना सकती। भरोसा बनता है ठोस काम से -शिक्षा में सुधार से, रोज़गार के अवसरों से, भ्रष्टाचार पर वास्तविक कार्रवाई से, और सबसे बढ़कर- सच बोलने के साहस से।

यह पीढ़ी आपसे नाराज़ नहीं है, वह आपसे निराश है। और निराशा गुस्से से ज़्यादा खतरनाक होती है, क्योंकि गुस्सा तो आवाज़ बनता है, पर निराशा चुप्पी बन जाती है और वह चुप्पी एक दिन मतपेटी में बदल जाती है।

हम आपसे विनम्र निवेदन करते हैं। बहसों को छोड़िए जो अतीत में उलझी हैं, और उन मुद्दों को अपनाइए जो भविष्य गढ़ते हैं। नामों की राजनीति छोड़िए, कामों की राजनीति अपनाइए। विभाजन की भाषा छोड़िए, जोड़ने की भाषा बोलिए। युवाओं से संवाद कीजिए- भाषण देकर नहीं, सुनकर।

यह देश प्रेम और शांति चाहता है। यह देश एक ऐसा भारत चाहता है जहाँ हर नागरिक को अवसर मिले, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या क्षेत्र से हो। यह जेन ज़ी की माँग नहीं, यह संविधान की भी भावना है और यही वह भारत है जिसे बनाने का सपना हमारे पूर्वजों ने देखा था।

समय आ गया है कि राजनीति प्रतीकों से आगे बढ़े, और सच्चाई, पारदर्शिता, और भरोसे की नींव पर खड़ी हो। यह देश की सबसे बड़ी पीढ़ी की आवाज़ है। इसे सुनिए, इससे पहले कि यह आवाज़ खामोश हो जाए।



यह पीढ़ी वैश्विक है, पर जड़ों से जुड़ी भी है। यह भारतीयता को गर्व से जीती है, पर संकीर्णता को नकारती है। यह प्रेम, समानता, स्थिरता, और एक शांतिपूर्ण भविष्य चाहती है। ऐसा भविष्य जहां धर्म और जाति पहचान का हिस्सा हों, हथियार नहीं। यह पीढ़ी बंटवारे की राजनीति से थक चुकी है और जुड़ाव की राजनीति की तलाश में है।

संवाद की खिड़की को खुला रखे सरकार



जेन-जी

डॉ. विजेंद्र कुमार

स्वतंत्र पत्रकार

लोकतंत्र की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें सोचने की और सवाल पूछने की आज़ादी होती है। लेकिन क्या हो जब ये सवाल सत्ता के कानों में चुभने लगें? क्या हो जब एक पूरी नई पीढ़ी, जिसे हम 'जेन-ज़ी' कहते हैं, पुरानी व्यवस्था से ऐसे सवाल पूछने लगे जिनके जवाब फाइलों और भाषणों में नहीं मिलते? आज के समय में ऐसे ही सवाल पूछने वाले युवाओं, विचारकों और आम नागरिकों को एक नया नाम दे दिया गया है, जिसे 'दिमागी नक्सल' कहा जा रहा है। यह शब्द जितना भारी है, इसके पीछे की राजनीति उतनी ही गहरी और मानवीय संवेदनाओं को झकझोरने वाली है। आज का युवा और उसके नए तरीके के आंदोलन वाक़ई व्यवस्था को असहज कर रहे हैं और इसी कारण येन-केन-प्रकारेण विरोध की हर आवाज़ को कुचलने की कोशिश की जा रही है। नक्सलवाद, अपने मूल रूप में, बंदूक और हिंसा के रास्ते सत्ता को उखाड़ फेंकने की एक विचारधारा रही है। लेकिन दिमागी नक्सल या अर्बन नक्सल एक बिल्कुल नई गढ़ी हुई शब्दावली है। इसका इस्तेमाल उन लोगों के लिए किया जा रहा है जिनके हाथों में बंदूक नहीं, बल्कि किताबें, कीबोर्ड और स्मार्टफोन हैं।

ये वो लोग हैं जो पर्यावरण की बात करते हैं, जो रोजगार मांगते हैं, जो परीक्षा के पेपर लीक होने पर सड़क पर उतर आते हैं, या जो किसी अन्याय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपना विरोध दर्ज करते हैं। जब सत्ता इन तर्कों का जवाब तर्कों से नहीं दे पाती, तो वह एक आसान रास्ता चुनती है, ठप्पा लगाने का। किसी को दिमागी नक्सल कह देना दरअसल उसकी आवाज़ को, उसकी पीड़ा को और उसके सच को खारिज करने का एक बेहद चालाक तरीका है। जब आप किसी युवा को यह तमगा दे देते हैं, तो आपको उसके उठाए गए असली मुद्दों पर जवाब नहीं देना पड़ता और वह समाज की नजरों में एक खलनायक बन जाता है। जेन-ज़ी यानी वो पीढ़ी जिसका जन्म नब्बे के दशक के आखिरी सालों और दो हजार दस के बीच हुआ, वह इंटरनेट की गोद में बड़ी हुई है। पुरानी पीढ़ियों के आंदोलन करने के तरीके अलग थे। लेकिन जेन-ज़ी के आंदोलनों ने दुनिया भर की सरकारों को गहरे असमंजस में डाल दिया है।

इस पीढ़ी का कोई एक चेहरा नहीं है और इनका आंदोलन केंद्रीकृत नहीं है। एक छोटी सी घटना का वीडियो वायरल होता है और रातों-रात लाखों युवा मीम्स, रील्स और स्टोरीज के जरिए एक डिजिटल सैलाब ला देते हैं। सरकारें परेशान हैं क्योंकि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि इस पीढ़ी से कैसे लड़ा जाए। जेन-ज़ी के पास न खोने के लिए कोई बड़ा राजनीतिक करियर है और न ही वे पुरानी विचारधाराओं के बंधनों में बंधे हैं। वे बहुत साफ, सीधे और बेबाक सवाल पूछते हैं। व्यवस्था इस बात से खौफजदा है कि जिस नैरेटिव को बनाने में वह करोड़ों रुपये और पूरा तंत्र लगा देती है, उसे एक युवा अपने छोटे से वीडियो से ध्वस्त कर देता है। सरकारें अब येन-केन-प्रकारेण विरोध को कुचलना चाहती हैं। अंग्रेजों के बनाए हुए या नए कड़े कानूनों का इस्तेमाल अब अपराधियों से ज्यादा उन युवाओं और विचारकों पर हो रहा है जो असहमत हैं। इंटरनेट सस्पेंड कर देना, सोशल मीडिया एकाउंट्स को ब्लॉक करवाना और पोस्ट को डिलीट करवाना आज के दौर की नई पुलिसिंग है। इस पूरी बहस को अगर हम राजनीति के चश्मे से हटाकर एक आम इंसान की नजर से देखें, तो तस्वीर बहुत भावुक कर देने वाली है। एक युवा जो दिन-रात पढ़ाई करता है, जिसका पिता कर्ज लेकर उसे शहर भेजता है, वह जब देखता है कि उसकी परीक्षा का पेपर बिक गया है, तो वह सड़क पर उतरता है। एक लड़की जो रात में सड़कों पर अपनी सुरक्षा की गारंटी मांग रही है, या वो व्यक्ति जो अपने जल, जंगल, जमीन को बचा रहा है, वे कोई दिमागी नक्सल नहीं हैं। जेन-ज़ी के पास बहुत ज्यादा अपेक्षाएं नहीं हैं। अगर सरकारें सचमुच देश का विकास चाहती हैं, तो उन्हें इन युवाओं से डरने या उन्हें कुचलने के बजाय, उनके सवालों के जवाब ढूंढने होंगे। उन्हें दिमागी नक्सल कहकर खारिज करने से समस्या हल नहीं होगी; बल्कि यह संवाद की उस खिड़की को हमेशा के लिए बंद कर देगा, जो एक बेहतर भविष्य के लिए बहुत जरूरी है।



व्यवस्था इस बात से खौफजदा है कि जिस नैरेटिव को बनाने में वह करोड़ों रुपये और पूरा तंत्र लगा देती है, उसे एक युवा अपने छोटे से वीडियो से ध्वस्त कर देता है। सरकारें अब येन-केन-प्रकारेण विरोध को कुचलना चाहती हैं। कड़े कानूनों का इस्तेमाल अब अपराधियों से ज्यादा उन युवाओं और विचारकों पर हो रहा है।

बिलासपुर

रविवार 23 अगस्त 2026

श्रावण शुक्ल पक्ष एकादशी

वर्ष : 26, अंक : 152

पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00***

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम

अधि. 25.6

न्यून. 24.2

5



3 साल बाद विदेशी जमीन पर सीरीज ...

राज्य में अब तक 780 मिमी. से ज्यादा वर्षा, पांच जिले पूरा कर चुके सीजनल कोटा

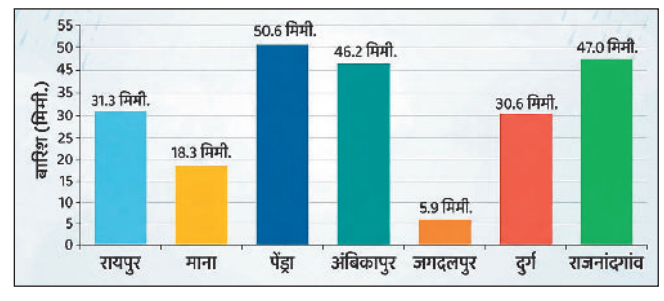
नहीं थमेगी बारिश... रायपुर और मध्य हिस्से में झमाझम, बंगाल की खाड़ी में नई हलचल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सारे अनुमानों को गलत साबित कर रहा मानसून आने वाले दिनों में भी नहीं थमेगा...। शनिवार को एक बार राजधानी समेत मध्य इलाके में करीब तीन घंटे तक झमाझम बारिश होती रही। कभी कम तो कभी ज्यादा पानी के प्रभाव से शहर के मुख्य मार्गों पर पानी भर गया।

खास खबर

इधर बंगाल की खाड़ी में मानसून को सक्रिय करने वाला नया सिस्टम तैयार हो गया है, जो वर्षा की गतिविधि में कोई खास कमी नहीं आने देगा। राज्य में इस सीजन तक 780 मिमी. बारिश हो चुकी है और पांच जिले अपना सीजनल कोटा पूरा कर चुके हैं। हवा की अनुकूल स्थिति और लगातार तैयार होने वाले सिस्टम के प्रभाव से प्रदेश में लंबा मानसून ब्रेक की स्थिति ⏭शेष पेज 6 पर



यहां हुई बारिश

रायपुर	31.3 मिमी.
माना	18.3 मिमी.
पेंड्रा	50.6 मिमी.
अंबिकापुर	46.2 मिमी.
जगदलपुर	5.9 मिमी.
दुर्ग	30.6 मिमी.
राजनांदगांव	47.0 मिमी.



राज्य में सामान्य से 8 फीसदी कम

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में अब तक 778 मिमी. बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से केवल 8 फीसदी कम है। अभी सारंगढ़-बिलाईगढ़ के साथ मुंगेली, महासमुंद, बलौदाबाजार और बलरामपुर अपनी सीजनल बारिश का कोटा पूरा कर चुके हैं। औसत वर्षा ज्यादा होने की वजह से सरगुजा, बेमेतरा, बस्तर, जशपुर, कांकेर, कोंडागांव, सुकमा जिले अभी औसत से 19 फीसदी कम बारिश का संकट झेल रहे हैं।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

तिरुत्तनी मंदिर में चढ़ावे में आया 1 करोड़ कैश

चेन्नई। तमिलनाडु में तिरुत्तनी के अरुलमिगु सुब्रमण्यस्वामी मंदिर में हाल में हुए 11 दिवसीय 'आदि' उत्सव के दौरान भक्तों की ओर से दिए गए चढ़ावे में भारी बढ़ोतरी देखी गई। इस अवधि में मंदिर को एक करोड़ रुपये से अधिक नकदी और बड़ी मात्रा में कीमती धातुएं प्राप्त हुईं। मंदिर को दान पेटियों से कुल 1,05,54,389 रुपए नकद, 293 ग्राम सोना और 7,153 ग्राम चांदी प्राप्त हुई है।

ट्रक से कार टकराने से तीन श्रद्धालुओं की मौत

बैतूल। मप्र के बैतूल जिले में शनिवार तड़के एक कार के खड़े ट्रक से टकराने से एक दंपति समेत तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हादसे में छह अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान दीपक रावत (52), पत्नी छाया (42) और प्रभा कवराटे (25) के रूप में हुई है। कार सवार लोग महाराष्ट्र के नागपुर जिले से हैं। सीहोर जिले के कुबेरेश्वर धाम जा रहे थे। हादसा तड़के करीब 3.15 बजे मुलताई-चार लेन मार्ग पर जीतू ढाबे के पास हुआ।

भाजपा मुख्यालय पहुंचे पीएम मोदी, नई टीम से की मुलाकात

वंदे मातरम को लेकर भाजपा देशभर में चलाएगी जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में शनिवार को नितिन नवीन की अध्यक्षता में 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय टीम की पहली बैठक हुई। वंदे मातरम को लेकर कांग्रेस के फैसले के खिलाफ प्रस्ताव पास किया गया। भाजपा ने कांग्रेस के कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के केवल दो पैरा गाने के फैसले की निंदा की। इस बीच, बैठक में वंदे मातरम का इतिहास और महत्व देशभर में पहुंचाने के लिए अभियान चलाने का निर्णय हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी की नई टीम से मुलाकात की।

भारतीय जनता पार्टी ने वंदे मातरम् के केवल दो अंतरे गाने के कांग्रेस के फ़ैसले की शनिवार को एक प्रस्ताव पारित करके निंदा की और कहा कि वह राजनीतिक सहूलियत या तुष्टिकरण के लिए राष्ट्रगीत के सम्मान से कोई समझौता स्वीकार नहीं करेगी। भाजपा ने यहां अपने नए पदाधिकारियों की बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा कि कांग्रेस देश के संवैधानिक संस्थानों या कानूनों को दरकिनार नहीं कर सकती। भाजपा ने ⏭शेष पेज 6 पर



युवा पीढ़ी के बीच जागरूकता

नवीन ने कहा कि सत्ताधारी पार्टी ने खासकर युवा पीढ़ी के बीच जागरूकता अभियान शुरू करने का भी संकल्प लिया है, ताकि छह अंतरों वाले पूरे राष्ट्रगीत और उसके इतिहास को भुलाया न जा सके तथा आने वाली पीढ़ियां वंदे मातरम से जुड़ी भारत की आजादी की यादों को समझ सकें। उन्होंने कहा, यह मामला सिर्फ किसी राजनीतिक पार्टी का नहीं है। यह भारत के सम्मान और देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने वाले अनगिनत देशभक्तों की विरासत से जुड़ा है।

आज हरिभूमि-आईएनएच का कोंडागांव में जिला संवाद



डॉ. हिमांशु द्विवेदी



नीलकंठ टेकाम



सुश्री लता उसेंडी



मोहन मरकाम

प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी करेंगे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोंडागांव

छत्तीसगढ़ सरकार के ढाई वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले में कराए जा रहे विकास कार्यों, शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जिले से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर हरिभूमि-आईएनएच द्वारा 'जिला संवाद 2026' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन रविवार को दोपहर 2 बजे से कोण्डागांव स्थित इंडोर ऑडिटोरियम, ऑफिसर्स हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में होगा। कार्यक्रम में जिले के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी जिले के प्रमुख राजनीतिक हस्तियों और प्रशासनिक अधिकारियों से विस्तार से चर्चा एवं मंथन करेंगे। जिला संवाद में कोण्डागांव विधायक एवं पूर्व मंत्री लता उसेंडी, पूर्व मंत्री मोहन मरकाम, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, भाजपा जिलाध्यक्ष देवकरन मरकाम सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग शामिल होंगे। इसके अलावा कलेक्टर आकांक्षा रिखी, एसपी पंकज झा सहित जिले के अन्य अधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले में संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति ⏭शेष पेज 6 पर

ट्रेन में कुत्तों की नहीं होगी लड़ाई, एक बॉक्स में दो की जगह एक ही बुकिंग

रायपुर। यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं वाली ट्रेनों के बाद अब रेलवे ने पालतू कुत्तों की यात्रा को भी अधिक आरामदायक बनाने की दिशा में कदम उठाया है।

रेलवे ने कुत्तों को ट्रेन से ले जाने से जुड़े दशकों पुराने नियम में बदलाव किया है। नए नियम के तहत अब एक डॉग बॉक्स में केवल एक ही कुत्ते की बुकिंग की जा सकेगी। इससे सफर के दौरान कुत्तों के बीच लड़ाई या असुविधा की स्थिति से बचने में मदद मिलेगी। संशोधित नियमों से संबंधित आदेश रेलवे बोर्ड ⏭शेष पेज 6 पर

बड़े कुत्तों के लिए विशेष वाहन

बड़े कद वाले कुत्तों को डॉग बॉक्स में बुक नहीं किया जा सकेगा। ऐसे कुत्तों को उपलब्धता के आधार पर विशेष वाहन में बुक करना होगा। इनके लिए रेलवे द्वारा घोड़े के बराबर दर से शुल्क लिया जाएगा। इस शुल्क व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है।



सर्दी-जुकाम की दवा को लेकर केंद्र सरकार का आदेश

मासूमों को न दें दो दवा का कॉम्बिनेशन



नई दिल्ली। अगर आपके घर में 4 साल से कम उम्र का बच्चा है और सर्दी-जुकाम के लिए दवा रखी हुई है तो यह खबर आपके काम की है। केंद्र सरकार ने कोल्ड मेडिसिन कॉम्बिनेशन को लेकर नियम और सख्त कर दिए हैं। केंद्र सरकार ने चार साल से छोटे बच्चों के लिए सर्दी-जुकाम की दवा को लेकर शनिवार को आदेश जारी किया है। क्लोरफेनिरामाइन मैलेट, फिनाइलेफ्राइन हाइड्रोक्लो राइड के कॉम्बिनेशन से बनने वाली सभी दवाएं चार साल से छोटे बच्चों को न दी जाएं।

सरकार ने दवा कंपनियों को इन दवाओं के पैकेट, अंदर की जानकारी और प्रचार सामग्री पर साफ चेतावनी लिखने का आदेश दिया है, ताकि छोटे बच्चों को इनके इस्तेमाल से होने वाले संभावित खतरे से बचाया जा सके। दवा के पैकेट पर लिखना होगा कि 4 साल से कम उम्र के बच्चों में इसका इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

सरकार ने कंपनियों को दिए निर्देश–सरकार ने दवा कंपनियों को इन दवाओं के पैकेट, अंदर की जानकारी और प्रचार सामग्री पर साफ चेतावनी लिखने का आदेश दिया है, ताकि छोटे बच्चों को इनके इस्तेमाल से होने वाले संभावित खतरे से बचाया जा सके। दवा के पैकेट पर लिखना होगा कि 4 साल से कम उम्र के बच्चों में इसका इस्तेमाल नहीं ⏭शेष पेज 6 पर



आपसी संवाद का बदलता मिजाज
खो ना जाए रिश्तों की मिठास



घर-परिवार हो, पड़ोसी, मित्र-मंडली, सहकर्मी हों या रिश्तेदार, सभी से संबंध, हमारे बातचीत के तरीके और शब्दों पर निर्भर करते हैं। समय के साथ शब्द, संबोधन, भाषा की चाल बदलना स्वाभाविक है, लेकिन भाषा से यदि सम्मान और मर्यादा का भाव कम होने लगे तो रिश्तों की ऊष्मा, उसकी मिठास खोने का डर मंडराने लगता है। ऐसे में हम सभी को सजग होने की जरूरत है।

कवर स्टोरी
यशोधरा भटनागर

भाषा केवल बोलने का माध्यम नहीं, मनुष्य के भीतर से दूसरे मनुष्य तक जाने वाली वह महीन डोर है, जिसमें समय, संस्कार, स्मृतियां और संबंध एक साथ बंधे रहते हैं। किसी समाज की भाषा को सुनकर उसके समय की धड़कन पहचानी जा सकती है। शब्द बदलते हैं तो केवल शब्द नहीं बदलते, उनके साथ हमारे व्यवहार, हमारी निकटताएं और कभी-कभी हमारी संवेदनाएं भी अपना रूप बदल लेती हैं।

भाषा में होता था माधुर्य

एक समय था, जब मोहल्ला एक परिवार जैसा होता था और मोहल्ले की अपनी एक लोकभाषा हुआ करती थी। वह किसी व्याकरण की पुस्तक में नहीं मिलती थी, फिर भी उसमें जीवन का पूरा व्याकरण समाया होता था। पड़ोस की चाची, गली के काका, सामने वाले घर की दादी, दूध वाले भैया, डाकिया चाचा। रक्त-संबंध न होते हुए भी भाषा ने सबको रिश्तों में बांध रखा था। किसी के घर से पकवान निकला तो कटोरी पड़ोस में पहुंची। किसी के यहां कोई दुःख-परेशानी आई तो अगले दरवाजे से आवाज आती, 'कुछ चाहिए तो बताना।' किसी बुजुर्ग को देखते ही बच्चे का स्वर अपने आप नीचे हो जाता था। 'आप', 'आइए', 'बैठिए', 'खाइए', 'कैसे हैं?...' ये केवल शब्द नहीं बल्कि दूसरे के अस्तित्व को स्वीकार करने के संस्कार हुआ करते थे। मोहल्ले की उस भाषा में एक सहज माधुर्य था। उसमें आत्मीयता थी, पर आत्मीयता की भी एक मर्यादा थी। मजाक था, मगर अपमान नहीं। असहमति थी, मगर संबोधन में सम्मान बचा रहता था। आज मोहल्ले सिकुड़कर अपार्टमेंट हो गए हैं और चौपालें स्क्रीन पर चली गई हैं। पड़ोसी का चेहरा कई बार वर्षों तक दिखाई नहीं देता, जबकि दूर देश में रहने वाला कोई डिजिटल मित्र प्रतिदिन बातचीत का हिस्सा बना रहता है। भाषा भी उसी के साथ बदल गई है।

नई पीढ़ी की बेलाग भाषा

आज जब हम नई पीढ़ी की भाषा की बात करते हैं, तो चर्चा केवल 'हाय', 'हैलो' 'ओके', 'कूल' 'ब्रो' या डिजिटल संक्षिप्तियों तक सीमित नहीं रह सकती है। इस भाषा का एक दूसरा, अधिक चिंताजनक पक्ष है बातचीत में बढ़ती बेलाग अशिष्टता, गाली-गलौज और अपशब्दों का सहज इस्तेमाल।

लेकिन इसे केवल 'आज के बच्चों के संस्कार खराब हैं' कहकर समझ लेना समस्या को बहुत छोटा कर देना होगा। आज युवाओं की



बातचीत में अपशब्दों का इस्तेमाल कई संदर्भों में सामान्य होता दिखाई देता है। शोध यह संकेत देते हैं कि युवाओं में अपशब्दों का प्रयोग केवल 'असंस्कारी' होने का परिणाम नहीं होता। कभी यह भावनाओं को तीव्रता से व्यक्त करने, कभी समूह में स्वीकार्यता पाने और कभी अपनी बात



गरिमा को चोट पहुंचाने वाली गाली और मित्रों के बीच भावनात्मक विस्मय व्यक्त करने वाला अपशब्द एक ही बात नहीं हैं। यहीं भाषा की नैतिकता का प्रश्न खड़ा होता है। आखिर यह भाषा आई कहां से? इस बदलाव के पीछे कई परतें हैं।

डिजिटल दुनिया: सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग, छोटे वीडियो और मीम संस्कृति में तीखी, उत्तेजक और चौंकाने वाली भाषा अकसर मनोरंजन का हिस्सा बन जाती है।

साथियों का प्रभाव: किशोरावस्था में समूह से जुड़ना बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। कोई शब्द मित्र-मंडली में सामान्य है तो उसे न बोलना कई बार 'अलग' दिखाई देना हो सकता है। इसलिए युवा भाषा केवल व्यक्तिगत पसंद नहीं, समूह की पहचान भी बन जाती है।



घर की भाषा: हम अकसर बच्चों की भाषा पर अंगुली उठाते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि भाषा सीखने की पहली पाठशाला घर है। यदि घर में क्रोध का पहला उत्तर गाली है, तो बच्चे के लिए गाली केवल निषिद्ध शब्द नहीं रह जाती, वह क्रोध व्यक्त करने का सीखा हुआ तरीका बन सकती है।

ध्यान खींचने की प्रवृत्ति: बेलाग भाषा कई बार 'कूल', 'बोल्ड' या 'बेबाक' दिखने का माध्यम बन जाती है। इसीलिए कुछ युवा जान-बूझकर ऐसी भाषा चुनते हैं।

संवाद का घटता धैर्य: जब बातचीत छोटी होती जाती है, तो भाव व्यक्त करने के लिए शब्दों की जगह तीव्र शब्द लेने लगते हैं। इन सभी कारणों को समझने के बाद विकृत होती भाषा के लिए केवल नई पीढ़ी को दोष देना उचित नहीं होगा, क्योंकि भाषा का यह परिवर्तन केवल युवाओं ने पैदा नहीं किया है। उन्हें यह भाषा समाज ने दी है।

को अधिक प्रभावशाली बनाने का माध्यम बन जाता है। सोशल मीडिया ने युवाओं को अपनी बात खुलकर रखने के बहुत अधिक अवसर दिए हैं और इसके साथ अशिष्ट भाषा की दृश्यता भी बढ़ी है। यानी समस्या केवल शब्दों की नहीं, शब्दों के सामान्य हो जाने की है। दरअसल, जब किसी शब्द को बार-बार सुना जाता है, तो उसका चौंकाने वाला प्रभाव कम होने लगता है। जो कल असभ्य माना जाता था, वह आज मजाक का हिस्सा बन जाता है। और जो मजाक में कहा गया था, वह धीरे-धीरे रोजमर्रा की भाषा में प्रवेश कर जाता है।

समझना होगा महत्वपूर्ण अंतर

हर अपशब्द हिंसा नहीं है और हर अपशब्द किसी व्यक्ति को अपमानित करने के लिए नहीं बोला जाता। भाषा-विज्ञान और मनोविज्ञान के अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि लोग कभी-कभी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल भावनात्मक तीव्रता, तनाव या आश्चर्य व्यक्त करने के लिए करते हैं। लेकिन किसी की

भाषा में बनी रहे मधुरता-मर्यादा

हमें पुरानी भाषा को हूबहू वापस लाने की आवश्यकता नहीं है। नई पीढ़ी की अपनी भाषा होगी ही। जरूरत केवल इतनी है कि आधुनिकता के साथ माधुर्य भी रहे और बेबाकी के साथ मर्यादा भी। प्रश्न शब्द का नहीं, उसके पीछे मौजूद मन का है। हम न भूलें कि शब्दों में अद्भुत शक्ति होती है। वे रिश्तों में मिठास घोल सकते हैं तो हमेशा के लिए खटास भी भर सकते हैं। *

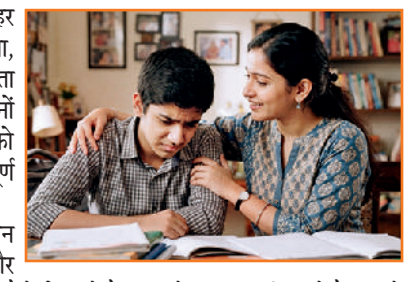
मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए
भाई-बहन का भावनात्मक संबल

हर परिवार में भाई-बहन का रिश्ता सबसे अनोखा और प्यारा होता है। उम्र के हर दौर में भाई-बहन का एक-दूसरे को दिया जाने वाला भावनात्मक संबल, मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने में भी बड़ी भूमिका निभाता है। इस बारे में आप विस्तार से जरूर जानना चाहेंगे।



पॉजिटिव इफेक्ट
नैंसी गुप्ता

बदलती जीवनशैली, बढ़ता काम का दबाव, सोशल मीडिया की तुलना और अकेलेपन की भावना आज मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारण बन चुके हैं। ऐसे समय में परिवार का भावनात्मक सहयोग, हर व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी ताकत साबित होता है। परिवार में भाई-बहन का रिश्ता सबसे अलग और प्यारा होता है, क्योंकि यह केवल बचपन की यादों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जीवन के हर पड़ाव पर भावनात्मक सुरक्षा, भरोसा और अपनापन भी देता है। भाई-बहन का रिश्ता दोनों के मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।



भावनात्मक सुरक्षा: बचपन के बाद टीनएज, यंगएज और मिडएज में भाई-बहन दोस्त जैसे हो जाते हैं, जिससे वे बिना किसी झिझक के अपनी भावनाएं साझा कर लेते हैं। जब जीवन में तनाव, असफलता या किसी तरह की परेशानी आती है, तो भरोसेमंद भाई या बहन का साथ मानसिक बोझ को काफी हद तक कम कर देता है। यह भावनात्मक सुरक्षा, चिंता और अकेलेपन की भावना को घटाने में मदद करती है।

तनाव होता है कम: मानसिक तनाव के दौरान किसी भरोसेमंद व्यक्ति से बात करना काफी राहत देता है। भाई-बहन एक-दूसरे की परिस्थितियों, स्वभाव और पारिवारिक पृष्ठभूमि को अच्छी तरह समझते हैं। इसलिए वे बिना जज किए सुनते हैं और व्यावहारिक सलाह भी देते हैं। यह सहयोग तनाव से बाहर निकलने में सहायक हो सकता है।

अकेलापन महसूस हो कम: आज के समय में अनेक युवक-युवतियां, परिवार से दूर रहकर पढ़ाई या नौकरी करते हैं। ऐसे में अकेलेपन की समस्या बढ़ सकती है। ऐसे में यदि भाई-बहन के साथ नियमित बातचीत होती रहे, तो दूरी के बावजूद भावनात्मक जुड़ाव कायम रहता है। फोन कॉल, वीडियो कॉल या संदेश भी मानसिक सुकून देने का काम करते हैं।

बढ़ता है आत्मविश्वास: हर व्यक्ति के जीवन में ऐसे पल आते हैं जब उसे अपनी क्षमता पर संदेह होने लगता है। ऐसे समय में भाई या बहन का प्रोत्साहन आत्मविश्वास को दोबारा मजबूत कर सकता है। बचपन से एक-दूसरे की खूबियों और कमजोरियों को जानने के कारण, उनका उत्साहवर्धन अधिक प्रभावी महसूस होता है।

कठिन समय में सहारा: मानसिक स्वास्थ्य केवल भावनाओं तक सीमित नहीं है। बीमारी, आर्थिक परेशानी या पारिवारिक संकट के समय भाई-बहन, भावनात्मक समर्थन के साथ-साथ व्यावहारिक मदद भी करते हैं। जिम्मेदारियां बांटना, निर्णय लेने में साथ देना और समस्याओं का समाधान ढूंढ़ना मानसिक दबाव को कम करने में मदद करता है।

मिलती है सकारात्मक ऊर्जा: बचपन की सुखद यादें मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। भाई-बहन के साथ बिताए गए खेल, त्योहार, शरारतें और पारिवारिक अनुभव कठिन समय में भी व्यक्ति को भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस कराते हैं। कहा जा सकता है कि भाई-बहन का रिश्ता केवल खून का रिश्ता नहीं, बल्कि जीवन भर साथ रहने वाला भावनात्मक सहारा भी है। बदलते समय में जब मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं, तब यह रिश्ता हमें अपनापन और आत्मविश्वास देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। * **(क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट निर्मल वर्मा से बातचीत पर आधारित)**

रिश्ता बनाए रखें मजबूत

भाई-बहन के बीच केवल रिश्ता होना ही पर्याप्त नहीं होता है, बल्कि मजबूती बनाए रखने के लिए उसे समय देना भी जरूरी है। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद नियमित बातचीत करें, एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना करें, मतभेद होने पर संवाद बनाए रखें और छोटी-छोटी बातों को लंबे समय तक मन में न रखें। स्वस्थ संवाद रिश्ते को मजबूत बनाता है और मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है। इसके साथ ही रक्षाबंधन, जन्मदिन या परिवार के छोटे-छोटे समारोह, भाई-बहन को फिर से करीब लाने का अवसर देते हैं। ऐसे अवसरों को मिस न करें। इस दौरान साथ समय बिताना, पुरानी यादें साझा करना, उल्लास के पल बिताना और एक-दूसरे का हाल-चाल जानना भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करता है। कई परिवारों में भाई-बहनों के बीच तुलना की जाती है, जिससे तनाव, ईर्ष्या और आत्मसम्मान से जुड़ी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके बजाय एक-दूसरे की सफलता का सम्मान करना और मुश्किल समय में सहयोग देना रिश्ते को अधिक सकारात्मक बनाता है। भाई-बहन के बीच स्वस्थ संबंध मानसिक स्वास्थ्य के लिए हमेशा लाभदायक होते हैं।



गजल
ओम निश्चल

राखी आ गई

फिर उमड़ आई बहन की याद राखी आ गई
फिर से पकवानों में आया स्वाद राखी आ गई

थाल में कुमकुम औ रोली सज गई
हृदय में उठ रहा है आह्लाद राखी आ गई

गुनगुनाने-सा लगा है फिर ये घर
फिर हुआ है मायका आबाद राखी आ गई

चैनलों पर गीत गाए जा रहे
छंट गया है जेहन से अवसाद राखी आ गई

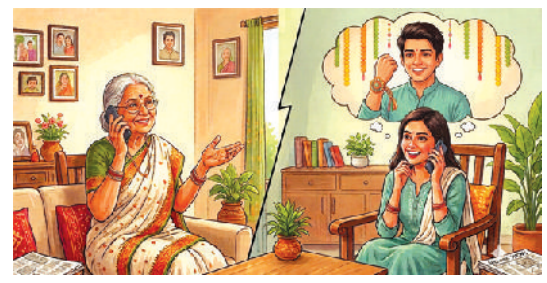
बंध गई हैं राखियां फिर हाथ में
बहन-भाई कर रहे संवाद राखी आ गई

एक धागे में जो चाहे बांध लो
भाईचारे का यही मरजाद राखी आ गई

लघुकथाएं

कच्ची डोर

शादी के कुछ दिन बाद ही विदेश जा बसी बहू ने, सुबह-सुबह फोन की घंटी बजते ही अनमने मन से अपनी सास का कॉल रिसीव किया, बोली, 'प्रणाम मां जी, कैसी हैं आप?' सासू मां बोलीं, 'अरे बहू, रक्षाबंधन पर अपने भाई को राखी भेजना मत भूलना। शादी के बाद पहली राखी है, तुम्हारे घर पर सब इंतजार करेंगे।' 'जी मां जी, भेज दूंगी, आप चिंता ना करें।' उसने सधी-सपाट आवाज में जवाब दिया और फोन रखते ही सोचने लगी, 'फोन, चैट, वाट्सएप सब तो चलता ही रहता है, मैं कौन-सी भाई से साल में एक बार मिलती हूं? इस साल ही तो दूर आई हूं। राखी भेजने की औपचारिकता करना ही क्या जरूरी है?' बाद में वह घर-ऑफिस के कामों में ऐसा उलझी कि यह भूल ही गई रक्षाबंधन है कब? रक्षाबंधन के दिन सुबह-सुबह भाई ने अपनी कलाई पर सजी सुंदर राखी की फोटो भेजी और एक प्यारा-सा संदेश भी। 'कितना खुश हूं मैं कि वहां जाकर भी तुम्हें राखी का त्योहार याद रहा, अपने भाई के लिए स्नेह की डोर भेजना न भूली। देख तो दूर रहकर भी हमारे बीच कभी दूरियां नहीं आएंगी। यह रेशमी धागा हमें हमेशा बांधे रखेगा।' फिर फोन पर बात हुई तो भाई-बहन दोनों का गला रुंध गया। आंखों में नमी लिए खुशी से कांपते हाथों से उसने सासू मां को फोन लगाया तो उन्होंने



चहकते हुए पूछा, 'राखी बांध ली भाई ने?'

'जी मां जी, पर...' बहू आगे कुछ पूछती, उधर से सास बोली, 'अरे बहू, राखी मैंने भेजी थी। चार दिन पहले ही राजेश ने बताया कि तुम राखी नहीं भेज पाई हो।' कुछ ठहरकर उन्होंने फिर कहा, 'बहू, कच्ची डोर से बंधे रिश्ते भी टूटते नहीं, बस यह डोर कच्ची ना पड़े, इतना ख्याल रखना जरूरी होता है।' * **-मोनिका शर्मा**

हस्ताक्षर



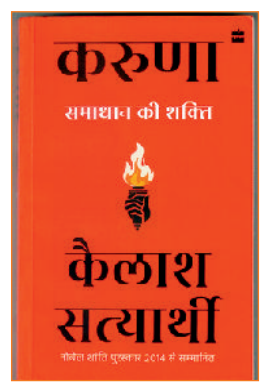
वृद्धाश्रम में रहने वाले एक बुजुर्ग रोज सुबह सबसे पहले वहां का उपस्थिति रजिस्टर खोलते और कांपते हाथों से अपने नाम के सामने हस्ताक्षर करते थे। एक दिन वहां मौजूद एक स्वयंसेवक ने उत्सुकता से पूछा, 'अंकलजी, यहां तो कोई रोज जांच भी नहीं करता, फिर आप हर दिन रजिस्टर में हस्ताक्षर क्यों करते हैं?' बुजुर्ग हल्का-सा मुस्कुराए और बोले, 'आदत है बेटा बरसों पुरानी आदत।' कुछ पल चुप रहने के बाद उनकी आंखें कहीं दूर टिक गईं, फिर धीमे स्वर में बोले, 'पूरी जिंदगी बैंक के कागजों पर, जमीन के दस्तावेजों पर, मकान के रजिस्ट्री पेपर्स पर, न जाने कितनी बार हस्ताक्षर करता रहा। हर हस्ताक्षर किसी न किसी जिम्मेदारी या अधिकार का प्रतीक था। लेकिन जिस दिन आखिरी मकान भी बेटे के नाम कर दिया, उसी दिन मेरे नाम का कमरा बदल गया और मैं इस वृद्धाश्रम में आ गया।' स्वयंसेवक के पास कोई शब्द नहीं बचे। वह केवल बुजुर्ग के चेहरे को देखता रह गया। बुजुर्ग ने धीरे से रजिस्टर बंद किया, गहरी सांस ली और बोले, 'अब यहां रोज इसलिए हस्ताक्षर करता हूं, ताकि कम से कम एक जगह तो हर दिन यह दर्ज होता रहे कि मैं अभी जिंदा हूं, मेरा अस्तित्व अभी पूरी तरह मिटा नहीं है।' यह सुनते ही रजिस्टर का वह साधारण-सा पन्ना अचानक बहुत भारी हो गया। उस दिन स्वयंसेवक ने पहली बार समझा- सबसे कठिन हस्ताक्षर वे नहीं होते जो संपत्ति बांटते हैं, बल्कि वे होते हैं, जो हर दिन खुद के अस्तित्व का प्रमाण देते हैं।*

-कृति आर.के. जैन

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

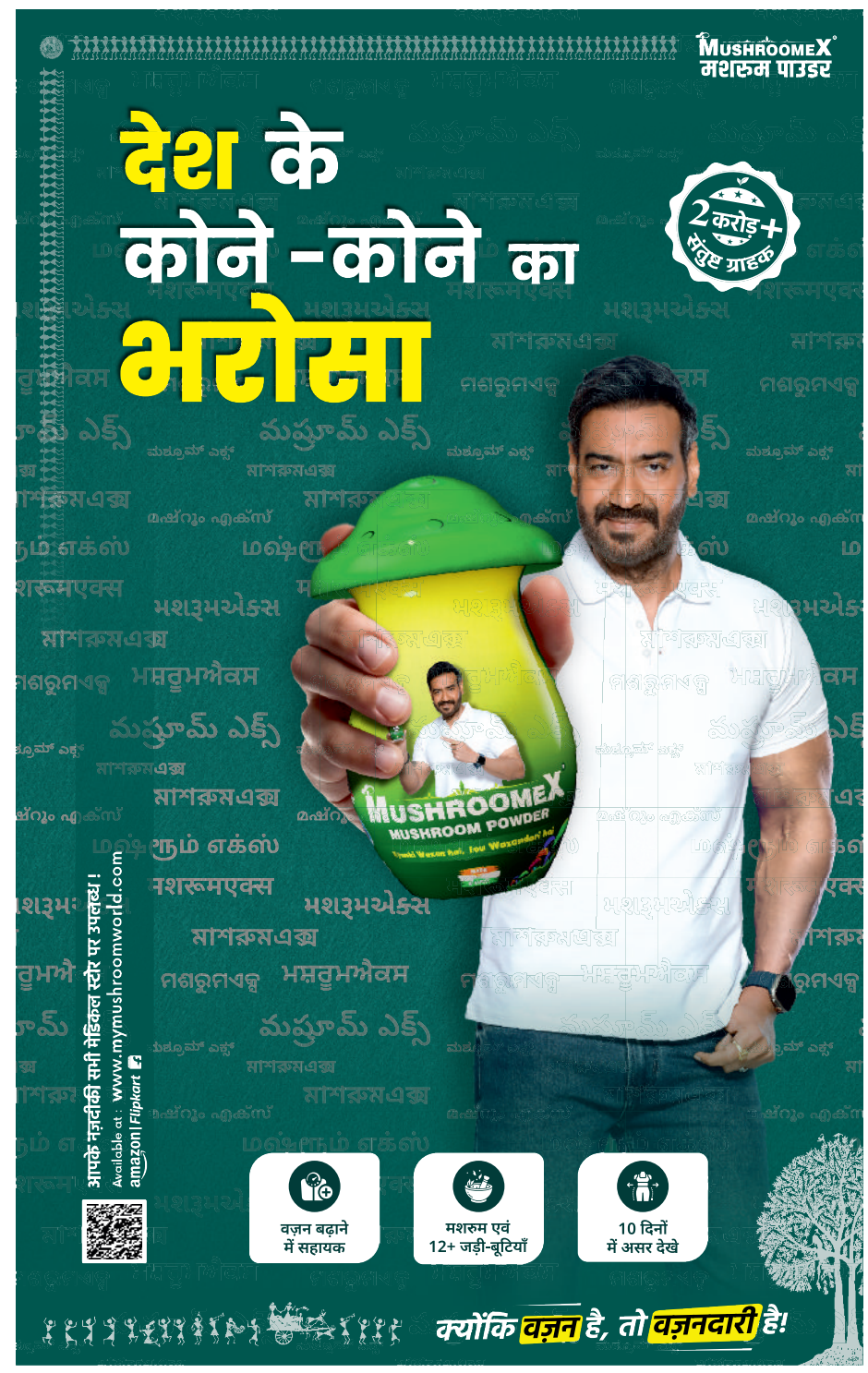
करुणा की शक्ति

वर्तमान समय का सबसे ज्वलंत सवाल यह है कि युद्ध, हिंसा, गैरबराबरी, अन्याय, शोषण जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान क्या हो सकता है? इस सवाल का मुकम्मल जवाब है नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी की किताब 'करुणा-समाधान की शक्ति।' आज हमारी सभ्यता जितनी तेजी से विकास के नए आयाम गढ़ रही है, उतनी ही तेजी से चुनौतियों के दलदल में फंसती भी जा रही है। मनुष्य तकनीकी रूप से जितना सक्षम हो रहा है, सामाजिक रूप से उतना ही विपन्न भी होता जा रहा है। यहां तक कि अपने आप से भी उसका संबंध



समाप्त होता जा रहा है। करुणा वही परिवर्तनकारी शक्ति है, जो हमें इन समस्याओं से उबार सकती है। किताब में करुणा की नई परिभाषा से हम रूबरू होते हैं। करुणा कोई मामूली भावना नहीं बल्कि हमें बड़ी से बड़ी समस्या के समाधान तक पहुंचाने वाली ताकत है। न्याय की आत्मा है, बुद्धि का सर्वश्रेष्ठ स्वरूप है। लेखक ने करुणा के इतने आयामों से हमारा परिचय कराया है, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। किस तरह जीवन के हर क्षेत्र में करुणा को लागू कर हम एक खुशहाल जिंदगी जी सकते हैं? किस तरह करुणा को मापा जा सकता है और किस तरह इसे अपने भीतर बढ़ाया भी जा सकता है? कुल मिलाकर करुणा में एक बेहतर दुनिया के निर्माण की शक्ति निहित है। *

किताब: करुणा-समाधान की शक्ति, **लेखक:** कैलाश सत्यार्थी, **अनुवाद:** आशुतोष गर्ग, **मूल्य:** 399 रुपए, **प्रकाशक:** हार्पर हिंदी, गुरुग्राम





'तेरा पापा से विवाद है, ले मैं मंगलसूत्र फेंक देती हूं, लेकिन मुझे छोड़कर मत जा'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

महाराष्ट्र के संभाजीनगर सुसाइड केस में शनिवार को एक नया वीडियो सामने आया है। वीडियो में बेटे के सुसाइड से पहले मां उसकी जान बचाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करती नजर आ रही। बेबस मां ने अपने बेटे के आगे हाथ जोड़े। उसके पैर तक पकड़ने की बात कही। यह तक कहा-'तुम्हारा पापा से विवाद है ना देखो, मैं अभी अपना मंगलसूत्र निकालकर फेंक देती हूं! तुम्हारे पिता को छोड़ देती हूं, तुम्हारे साथ चलूंगी हम दोनों साथ रहेंगे, लेकिन मुझे छोड़कर मत जाओ बेटा!' लेकिन बेटे का दिल नहीं पसीजा। उसने अपनी आंखों के सामने रोते-बिलखते छोड़ दिया और पहाड़ी से नीच कूद गया।

सामने आए नए वीडियो में साफ दिख रहा है कि कुणाल नाम का युवक सुसाइड करने के इरादे से एक ऊंची पहाड़ी पर खड़ा है। उसकी मां बदहवास हालत में उसे ऐसा करने से रोक रही है। मां चीख-चीखकर उसे पुकार रही है। मां बार-बार कह रही है कि बेटा मैं तेरे पैर पड़ती हूं, तू वापस आ जा, रुक जा ऐसा मत कर लेकिन बेटे नहीं माना। उसने कूदकर जान दे दी। बेटे को बचाने की कोशिश में पिता की मौत हो गई। अपनी आंखों के सामने पति-बेटे को गिरते देख मां सदमें में आ गई। उसने भी पहाड़ी से नीचे छलांग लगा दी।

बेबस मां ने हाथ जोड़े, पैर तक पकड़ने की बात कही, लेकिन बेटे का दिल नहीं पसीजा

महाराष्ट्र के संभाजीनगर सुसाइड केस में एक नया वीडियो सामने आया

आईफोन की जिद ने एक ही परिवार के तीन लोगों की चली गई जान







यह था विवाद

छत्रपति संभाजीनगर के तिसगांव इलाके में शुक्रवार को यह दर्दनाक घटना हुई थी। पुलिस के मुताबिक, 19 वर्षीय कुणाल चांदगुडे का अपने माता-पिता से आईफोन दिलाने को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद कुणाल परेशान होकर पहाड़ी पर चला गया। इसकी जानकारी मिलने पर पिता मुरलीधर चांदगुडे और मां संगीता उसे समझाने के लिए वहां पहुंचे। वालुज पुलिस के इंस्पेक्टर रामेश्वर गाड़े ने बताया कि घटना की शुरुआत सुबह करीब 10 बजे हुई। कुणाल आईफोन की मांग कर रहा था। माता-पिता से इसी बात को लेकर उसकी कहासुनी हुई, जिसके बाद वह खवड्या पहाड़ की तरफ चला गया। पहाड़ी काफी ऊंची और खड़ी चट्टानों वाली है, जिसके नीचे गहरी खाई है।

तीन घंटे तक समझाते रहे माता-पिता

कुणाल के पहाड़ी पर पहुंचने की जानकारी मिलने के बाद माता-पिता भी वहां पहुंच गए। मां संगीता लगातार बेटे को समझाती रहीं और उससे वापस घर चलने के लिए कहती रहीं. आसपास के गांव के लोग और सरपंच भी मौके पर पहुंच गए। सभी ने कुणाल को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह पहाड़ी से नीचे आने को तैयार नहीं था। हालात गंभीर होने पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने पहाड़ी के नीचे सुरक्षा जाल लगाने की कोशिश की। इसके बावजूद कुणाल लगातार अपनी जगह बदलता रहा. करीब तीन घंटे तक उसे समझाने और सुरक्षित नीचे लाने की कोशिश चलती रही।

ऐसे बिगड़ी बात

दोपहर करीब 1 बजे कुणाल के पिता मुरलीधर भी उसके करीब पहुंचे. उन्होंने बेटे को समझाने के साथ उसे पकड़कर सुरक्षित वापस लाने की कोशिश की। इसी दौरान कुणाल ने पहाड़ी से नीचे छलांग लगा दी। बेटे को बचाने के प्रयास में पिता ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान दोनों का संतुलन बिगड़ गया और दोनों पहाड़ी से नीचे गिर गए। पति और बेटे को अपनी आंखों के सामने गिरते देख मां संगीता सदमे में आ गईं। पुलिस के मुताबिक, कुछ ही देर बाद उन्होंने भी पहाड़ी से छलांग लगा दी. इस तरह कुछ ही मिनटों में परिवार के तीनों सदस्यों की मौत हो गई।

नहीं कुछ कर पाए पुलिस-फायर ब्रिगेड

घटना के दौरान मौके पर मौजूद गांव के लोगों, पुलिस और फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने पूरे घटनाक्रम को अपनी आंखों के सामने देखा। तीनों की मौत के बाद मौके पर मातम छा गया। मृतकों की पहचान 48 वर्षीय मुरलीधर चांदगुडे, उनकी पत्नी संगीता और 19 वर्षीय बेटे कुणाल चांदगुडे के रूप में हुई है। परिवार शहर के झाल्टा फाटा इलाके का रहने वाला बताया गया है। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुणे की यूनिवर्सिटी में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के पहले हिंसक झड़प

राहुल के कार्यक्रम के पहले बवाल, आपस में भिड़े एबीवीपी और एनएसयूआई कार्यकर्ता

पुणे में राहुल गांधी के चर्चित कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' के पहले राजनीतिक माहौल गरमा गया। भाजपा और कांग्रेस की स्टूडेंट यूनिट अभाविप और एनएसयूआई के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए हैं। इनके बीच जोरदार झड़प हुई है। हालांकि बाद में राहुल का यह कार्यक्रम हुआ। उन्होंने छात्रों से कई मसलों पर चर्चा की।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज'कार्यक्रम होने के पहले ही शनिवार को जमकर बवाल हो गया। कार्यक्रम स्थल पुणे के शिवाजीनगर इलाके स्थित सीईओपी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और कांग्रेस की छात्र इकाई नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए।

एबीवीपी के सदस्यों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ता कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे की छात्राओं पर शनिवार को होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराने का दबाव बना रहे थे। वहीं, कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम के समर्थन में बोलने वाली दो छात्राओं को एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने हॉस्टल के अंदर रोक लिया और उन्हें धमकी दी।

परिसर में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को किया गया तैनात

दोनों पक्षों ने लगाए एक-दूसरे पर अलग-अलग आरोप





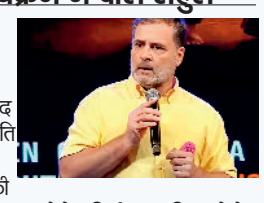
कांग्रेस का आरोप

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने घटना के बाद हॉस्टल का दौरा किया। उन्होंने दावा किया कि एबीवीपी कार्यकर्ता दोनों छात्राओं को धमका रहे थे। महाराष्ट्र प्रदेश यूथ कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष अक्षय जैन ने घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि दोनों छात्राओं ने अपनी छात्रवृत्ति से जुड़ी समस्याएं उठाई थीं और 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम का समर्थन किया था। हालांकि, एबीवीपी के प्रदेश मंत्री अथर्व कुलकर्णी ने आरोप लगाया कि एनएसयूआई के कार्यकर्ता हॉस्टल परिसर में प्रवेश कर रहे थे और छात्राओं पर शनिवार के कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराने का दबाव बना रहे थे।

60 एनएसयूआई कार्यकर्ता लिए गए हिरासत में

पुणे के डीसीपी हसन गौहर ने कहा, 'हमें दो गुटों के बीच झड़प की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर हमने कुछ लोगों को नारे लगाते और सड़क जाम करने की कोशिश करते हुए पाया; उन्हें हिरासत में ले लिया गया है।' पुणे पुलिस ने शनिवार को एबीवीपी के सदस्यों के साथ हुई हिंसक झड़प के बाद 50 से 60 युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया।

लड़कियों का आजाद होना बहुत जरूरी, कार्यक्रम में बोले राहुल



राहुल गांधी ने शनिवार को 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कहा- देश की लड़कियों का आजाद होना जरूरी है। पिता, पति और बेटे से आपका रिश्ता है, लेकिन आपकी पहचान उनसे नहीं है। राहुल बोले– सिर्फ 8% महिलाओं के पास खुद की प्रॉपर्टी है। मंच से लड़की बोली– एक महीने से ज्यादा बाहर रहे प्रेग्नेंसी टेस्ट कराने को कहा जाता है। उन्होंने कहा कि मनुस्मृति कहती है लड़की पिता, पति, बच्चों की संपत्ति है। यह शर्मनाक, महिलाओं को आजाद होना चाहिए। वे किसी पर आश्रित नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'महिलाओं के खिलाफ 3 तरह से हिंसा होती है। पहली- पैदा होते ही हत्या, दूसरी- शारीरिक अत्याचार, तीसरी- आर्थिक बंदिशें।' इस कार्यक्रम में सिर्फ छात्राओं को ही बुलाया गया था। इस दौरान इन्होंने राहुल-राहुल के नारे लगाए।

सज्जन को हीरो कहने पर नाराज सिखों ने राहुल के घर के बाहर किया प्रदर्शन

सिख नेताओं और 1984 के सिख विरोधी दंगों से प्रभावित परिवारों के सदस्यों ने शनिवार को 5, सुनहरी बाग रोड स्थित राहुल गांधी के घर के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए पुतला भी फूंका। प्रदर्शनकारी सिख कांग्रेस नेताओं की ओर से पूर्व पार्टी नेता सज्जन कुमार को हीरो और आदर्श बताने वाले बयान से नाराज हैं। प्रदर्शन का नेतृत्व दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कलका और महासचिव जगदीप सिंह कहलोन ने किया। डीएसजीएमसी के नेता ने कांग्रेस से साफ करने को कहा कि क्या दंगों से जुड़े मामलों में दोषी ठहराए गए सज्जन कुमार को हीरो माना जा रहा है।

23.51 लाख रक्षा सूत्र लेकर सेना मुख्यालय पहुंचा 'ऑपरेशन सिपाही रक्षासूत्र'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



देश के सैनिकों के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति का संदेश लेकर चल रहा 'ऑपरेशन सिपाही रक्षासूत्र-2026' नई दिल्ली स्थित सेना मुख्यालय पहुंचा। अभियान के तहत इस वर्ष छत्तीसगढ़ सहित देशभर से 23 लाख 51 हजार रक्षा सूत्र एकत्र किए गए हैं।

20 अगस्त को अभियान का कारवां सेना मुख्यालय, कर्तव्य भवन पहुंचा, जहां चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रक्षा सूत्र ग्रहण किए। 21 अगस्त को जीआर (गोरखा रेजीमेंट) में रिसीविंग सेरेमनी आयोजित हुई। रेजीमेंट के कमान अधिकारी कर्नल विनीथ वी. नायर ने रेजीमेंट के जवानों के साथ रक्षा सूत्र सम्मानपूर्वक ग्रहण किए। इस दौरान 'छत्तीसगढ़ महतारी की जय' का उद्घोष भी किया गया। अभियान के संयोजक एवं पूर्व सैनिक संगठन 'सिपाही' तथा पूर्व सैनिक महासभा के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह राणा के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में 27 लाख 92 हजार रक्षा सूत्र सैनिकों को समर्पित किए जा चुके हैं। वर्ष 2026 के रक्षा सूत्रों को भारतीय थल सेना, नौसेना, वायु सेना के साथ बीएसएफ, सीआरपीएफ और आईटीबीपी सहित विभिन्न सुरक्षा बलों तक पहुंचाया जाएगा। अभियान में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से करीब 11 लाख तथा शिक्षा विभाग और भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के माध्यम से करीब 5 से 6 लाख रक्षा सूत्र तैयार किए गए। महिला मोर्चा, स्व-सहायता समूहों और हजारों नागरिकों ने भी रक्षा सूत्र तथा सैनिकों के नाम संदेश भेजे। राणा ने कहा कि यह अभियान सैनिकों और नागरिकों के बीच भावनात्मक एकता तथा राष्ट्रीय सम्मान का सशक्त सेतु है। अभियान को छत्तीसगढ़ शासन, जनप्रतिनिधियों, पूर्व सैनिक संगठनों और नागरिकों का सहयोग मिला।

एग्जाम में बिजली गुल, हंगामा एनटीए का एक और एग्जाम रद्द



एजेंसी ▶▶| जयपुर

जयपुर में आयुर्वेदिक पीजी एंट्रेंस एग्जाम कई छात्रों की छूटी परीक्षा, जमकर बवाल

राजस्थान के जयपुर में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से करवाए जा रहे आयुर्वेदिक पीजी एंट्रेंस एग्जाम के दौरान लाइट चली गई। एग्जाम कंप्यूटर बेस्ड था।

ट्रांसपोर्ट नगर स्थित सत्य साईं पीजी कॉलेज का शनिवार सुबह 10:20 बजे कुछ स्टूडेंट्स के सिस्टम बंद हो गए। इसके बाद अभ्यर्थियों ने सेंटर के बाहर हंगामा कर दिया। ऐसे में यहां पहली पारी का एग्जाम रद्द कर दिया। वहीं एनटीए ने पहली शिफ्ट के आयुर्वेदिक पीजी एंट्रेंस एग्जाम में हुए टेक्विकनल एरर के बाद एग्जाम नहीं दे पाने वाले 49 स्टूडेंट्स के लिए 1 सितंबर को फिर से एग्जाम करवाने की घोषणा की है। यह एग्जाम राजस्थान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फॉर विमेन जयपुर के सेंटर पर होगा।

दूसरी शिफ्ट में भी गफलत

दूसरी शिफ्ट में 3 बजे से होम्योपैथिक पीजी का एग्जाम शुरू होने वाला था। इन स्टूडेंट्स की एंट्री 1 बजे तक थी, लेकिन 3 बजे एंट्री दी गई। लेकिन सेकंड शिफ्ट में बायोमेट्रिक सिस्टम काम नहीं करने कि वजह से स्टूडेंट ने एग्जाम हॉल के बाहर हंगामा कर दिया। बता दें, इससे पहले यूजीसी-नेट की इंग्लिश, कॉमर्स और सोशियोलॉजी विषयों की परीक्षाएं रविवार को रद्द कर गई थीं।

'आर्ट ऑफ लिविंग' पर लगा ₹5 करोड़ का जुर्माना रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 'आर्ट ऑफ लिविंग फउंडेशन' से जुड़ी संस्था 'व्यक्ति विकास केंद्र' की अपील को मंजूरी दे दी। इसके साथ दिल्ली में यमुना फ्लडप्लेन पर 2016 में हुए इवेंट के लिए संस्था पर लगाए गए 5 करोड़ के पर्यावरण मुआवजे को रद्द कर दिया।



इस मामले में, कोर्ट को 'आर्ट ऑफ लिविंग' के इवेंट और फ्लडप्लेन को हुए नुकसान को जोड़ने वाला कोई सीधा सबूत नहीं मिला। जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि किसी व्यक्ति को तभी पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है जब काम और पर्यावरण को हुए नुकसान के बीच सीधा संबंध साबित हो।

भगवंत मान की पत्नी पर 5 करोड़ की रिश्वत मांगने का आरोप



चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी पर एक गंभीर आरोप लगा है। आरोप है कि उन्होंने एक रेप केस को दबाने के लिए 5 करोड़ रुपये की मांग की। यह आरोप पंजाब के एक पूर्व जज जस्टिस रणजीत सिंह ने लगाया है। इस मामले को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग यानी एनएचआरसी ने संज्ञान लिया है और पंजाब सरकार को नोटिस भेज दिया है। आयोग ने पंजाब के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को दो हफ्ते के अंदर पूरे मामले की जांच करके एक्शन टेकन रिपोर्ट देने को कहा है। यह पूरा विवाद तब सामने आया जब लीगल राइट्स ऑब्जर्वेटरी नाम की संस्था ने एनएचआरसी में शिकायत दर्ज कराई।



अब प्याज पर महंगाई की मार, दाम रुलाने को तैयार, चिल्हर में 50 रुपए किलो

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आवक कम, डिमांड घटी, क्वालिटी भी अच्छी नहीं

महंगाई किसी भी तरह से थमने का नाम नहीं ले रही है। एक सामान की महंगाई से अभी आम आदमी उबर भी नहीं पाता है कि दूसरे सामान की महंगाई आफत बनकर सामने आ जाती है।

हरिभूमि सरोकार

अब प्याज की महंगाई रूलाने का काम करने वाली है। प्याज के दाम थोक में 43 और चिल्हर में 50 रुपए हो गए हैं। डिमांड कम होने के कारण आवक भी कम हो गई है। प्याज की क्वालिटी भी इस बार अच्छी न होने के कारण इसका स्टॉक भी करने में परेशानी हो रही है। यही वजह है ग्राहक इसकी खरीदी कम कर रहे हैं। प्याज के दाम बीते एक साल से कम ही थे। इसके दाम इस साल के प्रारंभ से ही चिल्हर में 20 रुपए रहे। लेकिन अब बीते करीब एक माह से इसके दाम में लगातार इजाफा हो रहा है। पहले इसके दाम चिल्हर में 25 फिर 30 और इसके बाद 40 रुपए पहुंचे और इसके दाम 50 रुपए हो गए हैं।



डिमांड कम, आवक आधी

राजधानी रायपुर के साथ ही प्रदेश के सभी मंडियों में प्याज की आवक कम हो गई है। कारोबारियों के मुताबिक बाजार में पूरी तरह से मंदी का दौर चल रहा है। एक तो प्याज के दाम ज्यादा हो गए हैं, दूसरे इस बार इसकी क्लाविटी खराब होने के कारण प्याज ज्यादा दिनों तक टिक नहीं रहा है। ऐसे में जो ग्राहक पहले एक से दो बोरी प्याज लेते थे, वो अब दस किलो भी नहीं ले रहे हैं। पांच से दस किलो प्याज लेने वाले एक से दो किलो ही ले जा रहे हैं। ऐसे में डिमांड बहुत कम हो गई है। पहले राजधानी के भनपुरी की थोक आलू-प्याज मंडी में 20 से 25 ट्रक प्याज की आवक होती थी, लेकिन अब मुश्किल से 12 से 15 ट्रक की आवक हो रही है। इसी तरह से प्रदेश की हर मंडी में आवक करीब आधी हो गई है।

आलू के दाम अब भी कम

एक तरफ जहां प्याज के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, वहीं आलू के दाम बहुत कम हैं। इस समय आलू थोक में 10 रुपए किलो है। इसके दाम चिल्हर में 15 से 20 रुपए किलो है। आलू के दाम बीते डेढ़ साल से कम ही चल रहे हैं। इसकी आवक और खपत भी भरपूर हो रही है।

डिमांड कम, कीमत ज्यादा

प्याज की लगातार डिमांड कम होने के कारण इसकी कीमत बढ़ रही है। इस समय आवक भी कम हो गई है।

- अजय अग्रवाल, अध्यक्ष, भनपुरी आलू-प्याज संघ

4.39 करोड़ के लेन-देन के मामले में दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग खारिज



बिलासपुर। हाईकोर्ट ने दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र में जमीन, क्रशर प्लांट और मशीनरी से जुड़े तकरीबन 4.39 करोड़ रुपए के लेन-देन के मामले में दर्ज एफआईआर रद्द करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि शिकायत में प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध के आरोप सामने आते हैं। इसलिए मामले की जांच को शुरुआती स्तर पर रोका नहीं जा सकता। हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए पुलिस को निष्पक्ष और व्यापक जांच जारी रखने का निर्देश दिया है।

भिलाई निवासी कांग्रेस की महिला पार्षद रीता सिंह उसके पति रमेशचंद्र सिंह और बेटे मानव चंद्र सिंह ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उतई थाने में बीते 2 अगस्त को तीनों के खिलाफ बीबी सिंह ने कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज कराया था। थाने में दर्ज एफआईआर को रद्द करने के लिए महिला पार्षद समेत तीनों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं के मुताबिक उन्होंने वर्ष 2008 में 15 जमीनों के टुकड़े खरीदे थे। इनमें से 7 का पंजीकृत बिक्री विलेख हुआ, जबकि 8 पर एग्रीमेंट के आधार पर कब्जा लिया गया था। बाद में 29 फरवरी 2024 को जमीन, मशीनरी और क्रशर प्लांट को लेकर दूसरे पक्ष से समझौता हुआ और कब्जा सौंपा गया। विवाद बिजली बिल, खनन संबंधी देनदारियों और भुगतान को लेकर बढ़ा।

आपराधिक जांच पर रोक लगाने का आधार नहीं

इस पर बीबी सिंह ने आरोप लगाया कि समझौते में शामिल कुछ जमीनें तीसरे पक्ष की थीं, कुछ सरकारी लीज की थीं और कुछ संपत्तियों पर याचिकाकर्ताओं को हस्तांतरण योग्य अधिकार नहीं था। शिकायत में करीब 4.39 करोड़ रुपए भुगतान करने और दस्तावेजों के साथ हस्ताक्षरों के कथित गलत इस्तेमाल के आरोप भी लगाए गए।याचिकाकर्ताओं ने इसे मूल रूप से सिविल और व्यावसायिक विवाद बताते हुए एफआईआर निरस्त करने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा है, किसी विवाद में सिविल मुकदमा लंबित होना अपने आप आपराधिक जांच पर रोक लगाने का आधार नहीं है। कोर्ट ने कहा है, आरोप सही है या गलत, इसका फैसला जांच और आवश्यकता पड़ने पर ट्रायल के दौरान होगा। कोर्ट ने पुलिस को जमीन के राजस्व व पंजीयन रिकॉर्ड, सरकारी लीज, खनन अनुमति, पावर ऑफ अटॉर्नी, बैंक लेन-देन और विवादित हस्ताक्षरों समेत सभी संबंधित दस्तावेजों की जांच करने का निर्देश दिया है।

मेरिट में पीछे... मगर एमबीबीएस सीट हासिल करने में आगे, एनआरआई कोटे की व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

प्रथम दौर की काउंसिलिंग के लिए अप्रवासी भारतीय कोटे के 32 पात्रों की सूची जारी



हरिभूमि न्यूज : रायपुर

■ दूर के रिश्तेदारों के सर्टिफिकेट के साथ नीट के न्यूनतम अंक भी प्रवेश के लिए मान्य

कड़ी मेहनत कर नीट की परीक्षा में प्रावीण्य सूची में अपना स्थान बनाने वाले कई छात्र-छात्राओं से एनआरआई कोटे का सर्टिफिकेट रखने वाले अभ्यर्थी आगे हो गए। प्रथम दौर की काउंसिलिंग के संबंध में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने पात्र 32 लोगों की सूची जारी की है, जिनका राज्य की मेरिट लिस्ट में 3700वां स्थान भी नहीं है। वहीं दूर के रिश्तेदारों के अप्रवासी होने के सर्टिफिकेट की बदौलत प्रवेश में परीक्षा में 40 से 50 फीसदी अथवा न्यूनतम अंक के नियम में भी पात्र हो गए। करीब दो साल पहले काउंसिलिंग के दौरान निजी मेडिकल कालेजों में अप्रवासी भारतीय कोटे में एडमिशन लेने वालों की पात्रता पर सवाल उठे थे।

मामला कोर्ट तक पहुंचा था और इस कोटे की सीट पर एडमिशन के लिए अपनी नीति तैयार कर नियम लागू करने के निर्देश चिकित्सा शिक्षा विभाग को दिए गए थे। पिछले साल जारी संशोधित नियम में अप्रवासी भारतीय की सीटों के लिए दूर के रिश्तेदारों के सर्टिफिकेट को मान्य करने का नियम यथावत रखा गया। इस साल भी उसी नियम यानी नाना, मामा, बुआ, मौसी के विदेश में रहने के प्रमाणपत्र को मान्य करते हुए एनआरआई कोटे से एडमिशन दिया जा रहा है। राज्य के शासकीय और निजी मेडिकल कालेजों में पहले दौर की काउंसिलिंग होनी है, इसके लिए जल्द ही आवंटन सूची जारी की जाएगी। इस आवंटन सूची में पात्र पाए गए उन 32 लोगों का नाम भी शामिल होगा, जो छत्तीसगढ़ के मेरिट लिस्ट में काफी पीछे अपनी जगह बना पाए हैं, यानी इस एनआरआई कोटे की सीट प्राप्त करने वालों के सामने कड़ी मेहनत के बाद परीक्षा दिलाकर अपनी जगह बनाने वालों का महत्व कम है।

टॉप-5 पात्र अभ्यर्थियों का सीजी रैंक

1. नीट स्कोर 265061, राज्य में रैंक 3778
2. नीट स्कोर 362751, राज्य का रैंक 4968
3. नीट स्कोर 486845, राज्य का रैंक 6250
4. नीट स्कोर 512526, राज्य का रैंक 6478
5. नीट स्कोर 6000698, राज्य का रैंक 7292

डोमिसाइल, जाति प्रमाणपत्र की जांच के लिए ज्ञापन

इधर एनएसयूआई ने जारी मेरिटल सूची की निष्पक्षता पर सवाल खड़ा किया है। एनएसयूआई के प्रभारी महामंत्री हेमंत पाल ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर डोमिसाइल, जाति प्रमाणपत्र एवं श्रेणी संबंधी दस्तावेजों के सत्यापन की मांग की है। साथ ही सवाल उठाया गया कि यदि किसी छात्र के पास दो अलग-अलग राज्यों के निवास प्रमाणपत्र हैं तो वह दोनों राज्यों की प्रवेश प्रक्रिया में पात्रता का लाभ कैसे ले सकता है? हेमंत पाल ने कहा कि सामने आए मामलों को केवल कुछ नामों तक सीमित न रखते हुए पूरी मेरिट सूची और सभी अभ्यर्थियों के पात्रता दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच की जाए।

जांच में यदि कोई अपात्रता सामने आती है तो नियमानुसार कार्रवाई कर संशोधित मेरिट सूची जारी की जाए। इस दौरान अनुज शुक्ला, पुनेश्वर लहरे, अंकित बंजारे, शेख अर्सलान समेत अनेक छात्रनेता उपस्थित थे।

जीजीयू की छात्रा नकल में पकड़ाई, सजा की समीक्षा के निर्देश

बिलासपुर। गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में एमएसडब्ल्यू की छात्रा के हाथ पर मिले कथित निशान को अनुचित साधन के इस्तेमाल का आधार मानकर उसका पूरा सेकंड सेमेस्टर रद्द करने के मामले में हाईकोर्ट ने सजा की समीक्षा के निर्देश दिए हैं। जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद ने कहा कि पूरे सेमेस्टर की परीक्षा रद्द करने का परिणाम गंभीर है और इससे छात्रा की पढ़ाई प्रभावित होगी। ऐसे मामलों में कथित मिसकंडक्ट, उसके प्रमाण, अनुचित साधन के वास्तविक इस्तेमाल और सजा की आनुपातिकता पर विचार जरूरी है। विश्वविद्यालय ने छह जुलाई 2026 के आदेश में उसे कथित नकल के मामले में श्रेणी 9(आई)(सी) में वर्गीकृत करते हुए पूरे सेकंड सेमेस्टर की परीक्षा निरस्त कर दी थी। साथ ही उसे अगले सत्र में संबंधित सेमेस्टर की पूरी परीक्षा दोबारा देने का निर्देश दिया गया था।

10वीं-12वीं के छात्रों ने जाने रोजगार के अवसर

रायपुर। मिशन उत्कर्ष 2.0 के अंतर्गत जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से विद्यालयों का निरीक्षण कर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने के साथ-साथ शिक्षण कार्य की गुणवत्ता का जायजा लिया जा रहा है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मठपारा में जिला रोजगार अधिकारी केदार पटेल ने निरीक्षण कर कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा की तैयारी, नियमित अध्ययन तथा भविष्य में उच्च शिक्षा एवं रोजगार के बेहतर अवसरों के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों को कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बाद उपलब्ध रोजगार एवं उच्च शिक्षा के अवसरों, अग्निवीर भर्ती, कौशल प्रशिक्षण, ई-रोजगार पोर्टल तथा कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं रोजगार अवसरों की जानकारी दी गई।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। माता का सानिध्य मिलेगा। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं।

वृष — आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में कार्यभार में वृद्धि हो सकती है। आय में भी वृद्धि होगी। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे।

मिथुन — आत्मसंयत रहें। आय में वृद्धि होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी परिवर्तन होगा। ऑफिस में उच्चाधिकारियों का सहयोग रहेगा।

सिंह — मन परेशान रहेगा। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी पैतृक सम्पत्ति से धन की प्राप्ति हो सकती है। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — परिवार का साथ मिलेगा। कुछ पुराने मित्रों से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी। भाइयों का सहयोग रहगा।

तुला — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों में अड़चनें आ सकती हैं।

वृश्चिक — धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु — वाणी में मधुरता रहेगी। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। कार्यभार में भी वृद्धि होगी। धनलाभ के अवसर मिलेंगे।

मकर — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। नौकरी में विदेश जाना हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन परेशान हो सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें।

मीन — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। खर्च भी बढ़ेंगे। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत रहें।

टेट मुक्ति रैली 25 को

रायपुर। टेट उत्तीर्ण नहीं होने पर पदोन्नति प्रदान नहीं किए जाने संबंधित फैसले के विरोध में शिक्षक संघर्ष मोर्चा 25 अगस्त को प्रदेश व्यापी रैली निकालेगा। प्रत्येक जिले में शिक्षकों द्वारा रैली निकालकर मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री व शिक्षासचिव ने नाम से ज्ञापन सौंपा जाएगा। शालेय शिक्षक संघ की ऑनलाइन बैठक में इसे लेकर विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई। प्रांताध्यक्ष वीरेंद्र दुबे ने कहा, टेट की समस्या से शिक्षकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। शासन को शिक्षकों की समस्याओं पर भी ध्यान देना चाहिए।

यूपीएससी में शामिल हुए 98% अभ्यर्थी

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा शुक्रवार से प्रारंभ हुई। राजधानी रायपुर में बनाए गए एकमात्र परीक्षा केंद्र में 185 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से मात्र 3 अभ्यर्थी ही अनुपस्थित रहे। राजधानी के दानी गर्ल्स स्कूल में यह केंद्र बनाया गया है। प्रथम दिन केवल एक ही विषय की परीक्षा की थी। फेस आइडेंटिफिकेशन के बाद परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया।

ट्रक और पिकअप में भिड़ंत तीन मजदूरों की गई जान

रेवटी से महुआडीह जा रहे थे 11 मजदूर



हरिभूमि न्यूज ⏭ राजपुर

बीती रात राजपुर-कुसमी मार्ग पर ग्राम सेवारी में मजदूरों से भरी पिकअप और बॉक्साइट लोड ट्रक के बीच आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पिकअप चालक समेत नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया गया। बताया जा रहा है कि सभी मजदूर सूरजपुर जिले के चंदौरा-रेवटी क्षेत्र के रहने वाले थे और शंकरगढ़ क्षेत्र के ग्राम महुआडीह में खेत में काम करने जा रहे थे।

हादसा देर रात करीब 2 बजे ग्राम सेवारी स्थित हाईस्कूल के पास हुआ। ग्राम नरौला निवासी 11 मजदूर पिकअप क्रमांक यूपी 64 बीटी 7080 में सवार होकर महुआडीह जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे बॉक्साइट लोड ट्रक क्रमांक सीजी 15 ईबी 3111 से उनकी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए, जबकि ट्रक के आगे के दोनों पहिए क्षतिग्रस्त हो गए। एक मजदूर पिकअप में बुरी तरह फंस गया था। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम राजपुर देवेंद्र प्रधान, तहसीलदार प्रतीक जायसवाल, थाना प्रभारी भारद्वाज सिंह सहित पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। कटर की मदद से पिकअप को काटकर अंदर फंसे मजदूर को बाहर निकाला गया। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। मामले की जांच जारी है।

108 की टीम ने संभाला मोर्चा

घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन (ईएमटी) संतोष यादव ने कार्यक्रम प्रबंधक शैलेश इंदौरिया से संपर्क कर अतिरिक्त एंबुलेंस की व्यवस्था कराई। राजपुर और शंकरगढ़ की 108 एंबुलेंस ने दो-दो चक्कर लगाकर घायलों को राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल सात लोगों को बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया गया। इसके लिए राजपुर, शंकरगढ़ और प्रतापपुर से अतिरिक्त एंबुलेंस की व्यवस्था की गई। ईएमटी संतोष यादव और पायलट दुष्यंत महंत ने राहत एवं बचाव कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इनकी हुई मौत

हादसे में नरौला निवासी 34 वर्षीय रन साय पिता राम प्रसाद, 25 वर्षीय उदय कुमार पिता देव साय और 35 वर्षीय अमर साय पिता दशरथ गोड़ की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों में अन्नू कुजूर (58), देव कुमार मरावी, भानु प्रताप (38), प्रेम साय (30), अजय कुमार (30), लक्ष्मण कुमार (32), प्रदीप (30), राम सिंह (48) और पिकअप चालक अन्नू कुजूर शामिल हैं। चालक का उपचार राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है, जबकि अन्य घायलों को बेहतर उपचार के लिए अंबिकापुर भेजा गया।

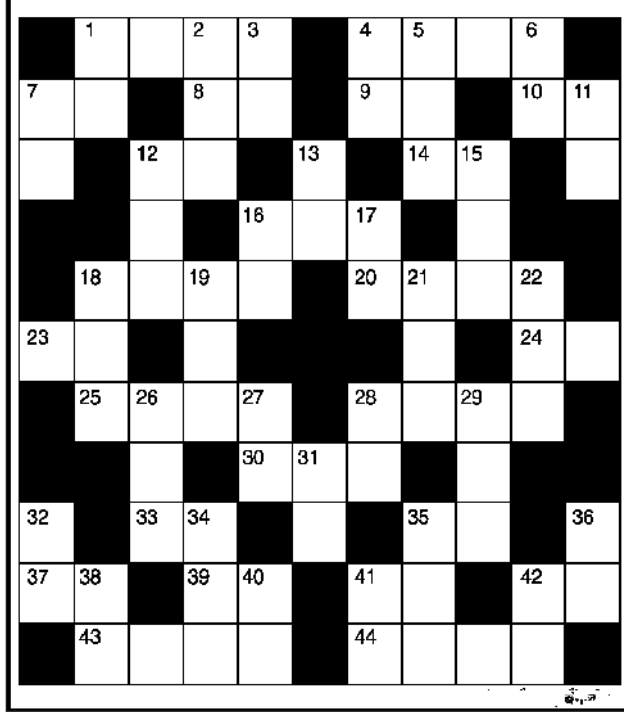
वॉश एंड वॉश, ब्लैक करेंसी स्कैम, सात जालसाज गिरफ्तार, चार करोड़ बरामद

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

कम समय में ज्यादा पैसे कमाने वालों को ठगने वाले इंटरस्टेट गिरोह के सात जालसाजों को पुलिस महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर रायपुर लाई है। जालसाजों ने बालोद में सालिक ग्रीन रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर उमेश कुमार सिन्हा से रायपुर में 1.13 करोड़ रुपए की ठगी की थी। इस मामले में पुलिस पूर्व में दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने साढ़े चार करोड़ रुपए ठगी की रकम जब्त की है। ठगी के आरोप में पुलिस ने मुंबई निवासी ज्ञानप्रकाश श्रीवास्तव उर्फ योगी, उत्तरप्रदेश के वाराणसी निवासी प्रवीण कुमार श्रीवास्तव उर्फ कैप्टन उर्फ शेट्टी उर्फ रेड्डी, मनोज कुमार श्रीवास्तव उर्फ बड़े सर, विवेक सिंह, मुंबई निवासी शुभम पांडेय, उत्तरप्रदेश के जौनपुर निवासी योगेंद्र चौहान, बालमुकुंद दीक्षित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी को पुणे खंडाला स्थित एक फार्म हाउस में एक व्यक्ति से ठगी की रकम लेते रंगे हाथों पकड़ा। ठगी के मास्टर माइंड ज्ञानप्रकाश, प्रवीण तथा मनोज कुमार हैं। यह गिरोह पिछले दो दशक से सक्रिय होकर ठगी कर रहा है। ज्ञानप्रकाश पूर्व में भी ठगी के आरोप में जेल जा चुका है। प्रारंभिक पड़ताल में पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक, जालसाज वर्ष 2005 से ठगी कर रहे हैं। जालसाजों द्वारा छत्तीसगढ़, नोएडा, पुणे, बड़ौदा, उदयपुर, दिल्ली सहित देश के विभिन्न राज्यों एवं शहरों में सौ से ज्यादा दो सौ करोड़ रुपए की ठगी करने की जानकारी मिली है। पूर्व में गिरफ्तार महिला आरोपियों से मिले डिजिटल साक्ष्य की मदद से पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। रकम दोगुनी करने के झांसे में आकर पूर्व में ज्ञानप्रकाश, प्रवीण तथा मनोज ठगी का शिकार हो चुके हैं। तब ठगी करने की ट्रेनिंग लेने के बाद अपना खुद का नेटवर्क तैयार कर केमिकल की मदद से नोट बनाने का झांसा देकर लोगों को ठगी का शिकार बनाने लगे। असली नोट को काले रंग के केमिकल में रंगकर लोगों को नकली नोट बनाकर देने का झांसा देकर ठगी करते थे।

■ जल्द पैसे कमाने की लालच करने वालों को बनाते थे ठगी का शिकार

शब्द पहेली - 6325



बाएँ से दाए-
1. सुरक्षित-4
4. माहुर, आलता-4
7. कार्य, काज-2
8. रांझे की प्रेमिका-2
9. स्याही, कालिख-2
10. भूमि, धरा-2
12. ठाठ-बाट-2
14. अधर, होठ-2
16. विशाल, श्रेष्ठ-3
18. आदेश, आज्ञा-4
20. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23. काका की पत्नी-2
24. कामदेव की पत्नी-2
25. जनवासा, हरम-4
28. हमसफर-4
30. कपड़े धोने वाला-3
33. आनंद, मौज-2
35. संदेह-2
37. सरूर, खुमार-2
39. मृत्यु का देवता-2
41. पुण्य का विलोम-2
42. परछाई, छाया-2
43. शिव, रुद्र, शंकर-4
44. सराबोर, सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1. समान, एक जैसा-2
2. बारीक-3
3. भीगा हुआ-2
4. मेरा (संस्कृत-2)
5. पाना, प्राप्त-3
6. घोड़ागाड़ी, गाड़ी-2
7. कहवा-2
11. उद्देश्य-2
12. गजल लिखनेवाला-3
13. उस जगह-2
15. बारिश, वर्षा-3
16. जी, चित-2
17. मर्द, आदमी-2
18. दरवेश-3
19. मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21. साजन, प्रेमी-3
22. मुलायम-3
26. कायदा, कानून-3
27. महोदय (अंग्रेजी)-2
28. अधिकार-2
29. खटखटाना-3
31. जगत, दुनिया-2
32. प्राण, जीव-2
34. स्वाद-3
35. प्रतिज्ञा-3
36. शरीर, तन-2
38. संध्या, सांझ-2
40. अवशिष्ट पदार्थ-2
41. मस्तूल, नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42. संग, संगत-2

शब्द पहेली -6324 का हल



सूडोकु नवताल - 6335

कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

MANGAL SEVACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 6334 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

श्रीलंका के खिलाफ दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच आज सुबह 10 बजे से

3 साल बाद विदेशी जमीन पर सीरीज जीतने उतरेगा भारत

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

पहले टेस्ट मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में अपना विजय अभियान जारी रखकर विदेशी धरती पर 3 साल में पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने की कोशिश करेगी जबकि कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की निगाह बड़ा स्कोर बनाने पर होगी।

2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती थी सीरीज

भारत ने विदेश में अपनी आखिरी टेस्ट श्रृंखला जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती थी। उसके बाद से भारत को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ उनके घरेलू मैदान पर श्रृंखला बराबर की थी। इस बीच उसे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से घरेलू धरती पर हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में 165 रन की शानदार जीत के साथ कुछ हद तक वापसी की है, जिससे कप्तान गिल और मुख्य कोच गौतम गंभीर को राहत मिली होगी।



कप्तान के रूप में गिल का प्रदर्शन शानदार

भारत को इस मैच में गिल और जायसवाल से बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। गिल अच्छी फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपनी पिछली छह पारियों में दो शतक बनाए हैं। लेकिन पिछले मैच में उनका बल्ला नहीं चल पाया था। उन्हें विशेषकर बाएं हाथ की स्पिनर के सामने दिक्कत हो रही है। गॉल में दोनों पारियों में उन्हें खब्बू स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने आउट किया। इसके अलावा कप्तान के रूप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। गिल ने कप्तानी संभालने के बाद 10 टेस्ट मैचों में 73 से अधिक के औसत से 1100 रन बनाए हैं। वह कप्तान के रूप में विदेश में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने के लिए भी प्रतिबद्ध होंगे।

डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचने की उम्मीद

भारत अगर इस श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लेता है, तो वह 57.58 प्रतिशत अंकों के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच सकता है। लेकिन यह बांग्लादेश की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में हार पर ही संभव हो पाएगा। डार्विन में पहले टेस्ट में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाला बांग्लादेश अभी चौथे स्थान पर है।

सारांश को मिल सकता है पदार्पण का मौका

इस पर भी सब की नजर रहेगी कि कुलदीप यादव अंतिम एकादश में जगह बना पाते हैं या नहीं। पहले मैच में पिच से काफी मदद मिलने के बावजूद उन्होंने दो पारियों में 25 ओवरों में सिर्फ एक विकेट लिया था। कुलदीप पहले टेस्ट मैच में गेंदबाजों में सबसे महंगे साबित हुए, उन्होंने प्रति ओवर चार से अधिक रन लुटाए। श्रीलंका की टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजों को देखते हुए ऑफ स्पिनर सारांश जैन को पदार्पण का मौका मिल सकता है। लेकिन सिर्फ एक मैच के बाद किसी सीनियर गेंदबाज को टीम से बाहर करना गलत संकेत दे सकता है।

श्रीलंका टीम में सकारात्मक बदलाव

श्रीलंका को अगर श्रृंखला में वापसी करनी है तो उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को धैर्य के साथ खेलना होगा। उन्हें उम्मीद होगी कि शानदार फॉर्म में चल रहे कामिल मिशारा और साहन अरच्चिगे को टीम में शामिल करने से सकारात्मक बदलाव आएगा।

मैच का समय : सुबह 10 बजे



सिनसिनाटी ओपन

सेमीफाइनल में पहुंची कोको गॉफ

एजेंसी ▶▶| मेसन

कोको गॉफ ने नंबर 10 सीड मार्टा कोस्तयुक को 6-2, 6-2 से हराकर सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वह ओपन एरा में 23 साल की उम्र से पहले सिनसिनाटी ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी भी बन गई हैं। कोको गॉफ ने मार्टा कोस्तयुक को आसानी से हरा दिया। मुकाबले के दौरान गॉफ का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने अलग-अलग तरह के शॉट चुने और टूर पर किसी से भी बेहतर कोर्ट कवर किया। सेमीफाइनल में कोको गॉफ का सामना सारा बेजलेक से होगा।

बेजलेक ने मैडिसन कीज को दी मात

सारा बेजलेक ने एक सेट से पिछड़ने के बाद और आखिर में तीसरे सेट के टाईब्रेक में 4-2 से पिछड़ने के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज को 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची हैं। बेजलेक ने फरवरी में अबू धाबी ओपन में क्वालीफायर के तौर पर अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर टाइटल जीता था। बेजलेक की अब तक की शानदार जीत में उनकी हमवतन कैरोलिन प्लिसकोवा और बारबोरा क्रेजसिकोवा भी शामिल हैं, जो सबालेंका और कीज के साथ पहले डब्ल्यूटीए 1000 चैंपियन बन चुकी हैं। 2009 के बाद से, बेजलेक डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में ऐसी चार खिलाड़ियों को हराने वाली सिर्फ दूसरी खिलाड़ी हैं, इससे पहले प्लिसकोवा ने आठ साल पहले मैड्रिड में ऐसा किया था।

टियाफो-नाकाशीमा ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट

टियाफो ने इटली लोरेंजो मुसेटी को 7-6 (2), 7-5 से और नाकाशीमा ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 4-6, 6-3 से हराया। अंतिम चार में यह दोनों खिलाड़ी आमने-सामने होंगे। यह 2010 के बाद पहला अवसर है जबकि अमेरिका के दो खिलाड़ी पुरुष एकल के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। पुरुष एकल के दूसरे सेमीफाइनल में इटली के फ्लेवियो कोबोली का मुकाबला फ्रांस के आर्थर फिल्स से होगा।

खबर संक्षेप



एडवेंटहेल्थ गोल्फ चैंपियनशिप संयुक्त बढ़त पर रेहान

कंसास सिटी। दुबई में जन्मे भारतीय गोल्फर रेहान थॉमस ने पहले राउंड में 64 का स्कोर बनाने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरे राउंड में सात अंडर 65 का स्कोर बनाया, जिससे उन्होंने एडवेंटहेल्थ गोल्फ चैंपियनशिप में 7 खिलाड़ियों के साथ संयुक्त बढ़त हासिल कर ली। थॉमस दो राउंड के बाद 15-अंडर के स्कोर के साथ टेलर डिक्सन, जोसेफ ब्रैमलेट, डेविस शोर, जॉन मार्शल बटलर, क्रिस फ्रैंकोयर और पहले राउंड में शीर्ष पर रहने वाले एंड्रयू कोज़ान के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। थॉमस ने दसवें होल पर दो बर्डी के साथ शुरुआत की लेकिन उन्होंने 12वें होल में बोगी कर दी। उन्होंने 13वें होल पर ईगल लगाया जबकि 16वें होल पर बोगी करने बाद अगले दो होल पर बर्डी बनाई। थॉमस ने दूसरे होल पर एक शॉट गंवाया, लेकिन तीसरे होल पर बर्डी लगाई। इसके बाद उन्होंने पांचवें से सातवें होल तक लगातार तीन बर्डी लगाईं। इस तरह से उन्होंने आठ बर्डी और एक ईगल के अलावा तीन बोगी की।

नेक्सो चैंपियनशिप: शुभंकर ने कट में बनाई जगह



एबरडीनशर। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने पिछली चार प्रतियोगिताओं में कट से चूकने बाद नेक्सो चैंपियनशिप के अंतिम दो राउंड में जगह बनाकर यह सिलसिला तोड़ दिया। उन्होंने दूसरे राउंड में इवन-पार का स्कोर बनाया। इस दौरान उन्होंने छठे होल में होल इन वन (पहले शॉट में गेंद को होल में डालना) के साथ दिन का सबसे बेहतरीन शॉट लगाया। पहले राउंड में 73 का स्कोर बनाने वाले शुभंकर ने दूसरे दौर में 72 का स्कोर बनाया। इस तरह से 36 होल के बाद उनका कुल स्कोर एक ओवर 145 हो गया है और वह 22वें स्थान पर हैं। इस टूर्नामेंट में खेल रहे दूसरे भारतीय खिलाड़ी युवराज संधू (75-79) कट से चूक गए। इंग्लैंड के मैथ्यू साउथगेट ने लगातार दूसरी बार दो-अंडर 70 का स्कोर बनाकर टूर्नामेंट में अपना कुल स्कोर चार-अंडर कर लिया और इस तरह एक स्ट्रोक की बढ़त हासिल कर ली।

प्रीमियर लीग : डिफेंडिंग चैंपियन आर्सेनल का विजयी आगाज

एजेंसी ▶▶| लंदन

आर्सेनल ने कोवेंट्री सिटी को 3-0 से दी मात

आर्सेनल ने एमिरेट्स स्टेडियम में प्रमोटेड कोवेंट्री सिटी को 3-0 से हराकर अपने प्रीमियर लीग खिताब को डिफेंड करने की शानदार शुरुआत की। आर्सेनल की सामरिक रणनीति में सबसे उल्लेखनीय बात नए खिलाड़ियों का शानदार तालमेल है। क्रिस्टोस त्जोलिस ने लगातार आक्रामक करते हुए बाएं विंग पर अपनी काबिलियत साबित कर दी, जिससे विरोधी टीमों के डिफेंस सतर्क हो गए।

ग्रीक खिलाड़ी ने शुरुआती दो गोलों में अहम योगदान दिया। खास तौर पर, उनके खतरनाक क्रॉस ने गोलकीपर रशवर्थ को मुश्किल बचाव करने पर मजबूर कर दिया, जिससे बुकायो साका को बढ़त को दोगुना करने का शानदार मौका मिल गया। मिकेल आर्टेटा और उनके खिलाड़ियों ने फ्रैंक लैम्पार्ड की कोवेंट्री टीम पर आसानी से अपना दबदबा बना लिया।



मैनेजर मिकेल आर्टेटा की लीग में 150 जीत

कप्तान मार्टिन ओडेगार्ड ने खेल में जगह और गति को व्यवस्थित करने में अहम भूमिका निभाई। नॉर्वेजियन मिडफील्डर के उस गोल ने, जिसने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही 3-0 की जीत सुनिश्चित कर दी, टीम की लगातार उच्च दबाव वाला खेल बनाए रखने की क्षमता का स्पष्ट प्रमाण दिया। मैनेजर मिकेल आर्टेटा लीग में 150 जीत हासिल कर ली है। उन्होंने पेप गार्डियोला या सर एलेक्स फर्ग्यूसन जैसे शीर्ष रणनीतिकारों की बराबरी कर ली है। वह पेप गार्डियोला (204 मैच), जोस मोरिन्हो (231), जुर्गन क्लॉप (237), और सर एलेक्स फर्ग्यूसन (247) के बाद 250 से कम मैचों में यह मुकाम हासिल करने वाले सिर्फ पांच मैनेजरों में से एक बन गए।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप

मेडल का रंग बदलने से चूकी त्रिसा-गायत्री



एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा है।

विमेंस डबल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में शनिवार को भारतीय जोड़ी को चीन की ल्यू शेंगशू और तान निंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 71 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में चीनी जोड़ी ने त्रिशा-गायत्री को 18-21, 21-13, 21-8 से शिकस्त देते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया। इस हार के साथ ही त्रिशा और गायत्री की जोड़ी विमेंस डबल्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी बनने की उपलब्धि हासिल करने से भी चूक गई। त्रिशा और गायत्री की हार के साथ ही भारत का टूर्नामेंट में सफर भी समाप्त हो गया है। भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और देश की झोली में सिर्फ एक ब्रॉन्ज मेडल आया।

त्रिशा-गायत्री ने चीनी जोड़ी को दी कड़ी टक्कर

सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत त्रिशा और गायत्री की जोड़ी ने शानदार अंदाज में की। त्रिशा-गायत्री ने चीनी जोड़ी को लगातार कड़ी टक्कर दी और 7-2 की बढ़त बना ली। हालांकि, इसके बाद ल्यू शेंगशू और तान निंग की जोड़ी ने वापसी की और 9 प्वाइंट हासिल करते हुए ब्रेक तक स्कोर को 11-7 से अपने पक्ष में कर लिया।

दूसरा टेस्ट

पहले दिन गिरे 18 विकेट स्टार्क-शोरिफुल का दबदबा



एजेंसी ▶▶| मैकाय

मिचेल स्टार्क ने मैच की पहली ही गेंद पर बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम को आउट किया और फिर 6 विकेट लिए, जिससे आस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन विकेटों के पतझड़ के बीच अपना पलड़ा भारी रखा। बाद में शोरिफुल इस्लाम ने भी अपना जलवा दिखाया तथा 6 विकेट लेकर स्टार्क की बराबरी की। पहले दिन कुल 18 विकेट गिरे। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और पहले टेस्ट मैच में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाले बांग्लादेश को केवल 64 रन पर ढेर कर दिया।

- ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 64 रन पर किया ढेर

आस्ट्रेलिया ने 165 रन पर गंवाए 8 विकेट

इसके बाद भी बल्लेबाजी करनी आसान नहीं रही क्योंकि आस्ट्रेलिया ने दिन का खेल समाप्त होने के समय 165 रन पर 8 विकेट गंवा दिए थे। इस तरह से उसने पहली पारी में बांग्लादेश पर 101 रन की बढ़त हासिल कर ली है। शोरिफुल इस्लाम ने अभी तक 35 रन देकर 6 विकेट लिए हैं। दिन का खेल समाप्त होने के समय कैमरन ग्रीन 51 और नाथन लियोन 10 रन पर खेल रहे थे।

स्टार्क ने 12 रन देकर चटकाए 6 विकेट

इससे पहले स्टार्क ने 10 ओवर में 12 रन देकर 6 विकेट लिए। उन्हें मैच की पहली गेंद पर ही सफलता मिली जब उनकी गेंद शादमान इस्लाम के बल्ले के बाहरी किनारे से लगकर गली में कैच में बदल गई। स्टार्क ने रिकॉर्ड चौथी बार मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया। स्टार्क ने इसके बाद तंजीद हसन और कप्तान नजमुल हुसैन शंटो को आउट करके बांग्लादेश को मुश्किल में डाल दिया। ग्रीन ने स्टार्क की गेंद पर मोमिनुल हक (09) का शानदार कैच लिया। मोमिनुल बांग्लादेश के पहले चार बल्लेबाजों में खाता खोलने वाले एकमात्र खिलाड़ी थे। स्टार्क ने लंच के बाद लिटन दास को एलबीडब्ल्यू आउट करके अपना पांचवां विकेट लिया।

दलीप ट्रॉफी में सूर्यवंशी पर रहेगी नजर

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

टी20 क्रिकेट में धूम मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी को रविवार से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में पूर्वी क्षेत्र की तरफ से उत्तर पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपने रिकॉर्ड को सुधारने का मौका मिलेगा।

इस 15 वर्षीय खिलाड़ी ने बिहार के लिए आठ प्रथम श्रेणी मैचों की 12 पारियों 17 से अधिक के औसत से रन बनाए हैं, जो कि आकर्षक नहीं हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 93 रन है। इस तरह से देखा जाए तो सूर्यवंशी लाल गेंद के क्रिकेट में अभी भी एक अनुभवहीन खिलाड़ी हैं, लेकिन दलीप ट्रॉफी में सबसे कमजोर मानी जाने वाली उत्तर पूर्व की टीम के खिलाफ उन्हें प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कुछ रन बनाने और आत्मविश्वास हासिल करने का मौका मिलेगा।



पूर्वी क्षेत्र की टीम में अनुभवी खिलाड़ी

पूर्वी क्षेत्र की टीम में कप्तान ईशान किशन, तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, अभिमन्यु ईश्वरन, कुमार कुशाग्र, शाहबाज अहमद और मुकेश कुमार जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं, लेकिन हमेशा की तरह सूर्यवंशी ही सबका ध्यान अपनी तरफ खींचेंगे। क्षेत्रीय चयन समिति ने उन्हें उप-कप्तान नियुक्त किया है। कभी भारत की टीम में जगह बनाने की चाह रखने वाले खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण टूर्नामेंट रहे।

कंगारुओं के खिलाफ आर-पार का महामुकाबला आज



एम्सटेलवीन। ओलंपिक और विश्व चैंपियन नीदरलैंड से पिछले मैच में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद पराजय का सामना करने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम को अब सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए रविवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले को 'क्वार्टर फाइनल' की तरह खेलना होगा। दूसरे दौर के पहले मुकाबले में भारत को दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड ने शुक्रवार को 2-0 से हराया, जो इस विश्व कप में उसकी पहली हार थी। डिफेंस और खासकर गोलकीपरों ने शानदार प्रदर्शन किया वरना सह मेजबान टीम की जीत का अंतर और अधिक हो सकता था।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विद्युत कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक: 29-सीईई-सी-एसईसीआर-2026, दिनांक: 18.08.2026. कार्य का नाम: "दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मण्डल में नागपुर रोड–चिरमिरी के बीच नई BG लाइन के लिए इलेक्ट्रिकल बाधाओं को हटाना और नागपुर रोड–चिरमिरी सेक्शन के बीच CSPDCL की 33KV, 11KV और LT ओवरहेड लाइन को अंडरग्राउंड केबल में बदलना।" निविदा मूल्य: ₹ 1,76,59,111.02 (₹ एक करोड़ छिहत्तर लाख उनसठ हजार एक सौ ग्यारह और शून्य दो पैसे मात्र)। बयाना राशि: ₹ 3,53,200/- (₹ तीन लाख तिरपन हजार दो सौ मात्र)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: 11.09.2026 को 15:30 बजे। निविदा खुलने की तिथि व समय: 11.09.2026 को 15:45 बजे। कार्य पूर्ण होने की अवधि: स्वीकृत का पत्र जारी होने की तारीख से 12 (बारह) माह।

वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान: उपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ ई–निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई–निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर/देख सकते है।

उप मुख्य विद्युत अभियंता(निर्माण)/ सीपीआर/10/डीएच/357 बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना

निविदा क्रमांक: 28-सीईई-एसईसीआर-सी-2026 दिनांक: 14.08.2026

कार्य का नाम: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर और बिलासपुर डिवीजन में इन कामों के लिए इलेक्ट्रिकल सामान्य निर्माण कार्य: (i) भिलाई में सेंट्रलाइजड सिक लाइन और उससे जुड़े विकास कार्य; (ii) बिलासपुर-दाद्यापारा के बीच चौथी लाइन के निर्माण के सिलसिले में 02 नग ऑटो गुमटी की व्यवस्था और (iii) अभनपुर-धमतरी सेक्शन के बीच गेज कन्वर्जन के काम के सिलसिले में आर. पी. एफ. बैरक - 01 नग, एस. एस. ई का ऑफिस 04 नग, ओ. आर. एच. - 01 नग, रेलवे क्वार्टर (टाइप-II - 12 नग, टाइप-III - 05 नग, टाइप - IV- 01 नग और टाइप-V - 01 नग) का निर्माण।"

निविदा मूल्य: रू. 3,54,31,655.78 (तीन करोड़ चौवन लाख इक्तीस हजार छः सौ पचपन रुपये एवं अठहत्तर पैसे) मात्र । बयाना राशि: 7,08,600/- (सात लाख आठ हजार छः सौ रुपये मात्र) । निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक: 11.09.2026 को 15:30 बजे । निविदा खुलने का समय एवं दिनांक: 11.09.2026 को 15:45 बजे । कार्य पूर्णता की अवधि: 12 (बारह माह) एल. ओ. ए. जारी होने के तारीख के बाद से ।

वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान: उपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ ई-निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई-निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइड www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर/ देख सकते है ।

सहायक कार्यापालन विद्युत अभियंता/निर्माण सीपीआर/10/353 द.पू.मध्य रेलवे, रायपुर

South East Central Railway @secrail

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड
नवरत्न कम्पनी
(भारत सरकार का उपक्रम)
वेबसाइट : www.ircon.org, CIN - L45203DL1976GOI008171

ई-निपटान सूचना

ई–निविदा सूचना सं. : इरकॉन/मेक/पी एण्ड ई/निपटान/यूनिमैट/आरईटी/766
इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड की ओर से योग्यता प्राप्त बोलीदाताओं से "जैसा है जहाँ है आधार पर खरसिया–धरमजयगढ़ खण्ड में घरघोड़ा में स्थित 01 ट्रैक टैम्पिंग मशीन यूनिमैट-8255 (मेक–प्लासर इंडिया) की बिक्री" के कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय	14.09.2026 को 15.00 बजे तक

अधिक जानकारी के लिए, वेबसाइट https://etenders.gov.in/eprocure/app देखें। शुद्धि पत्र, यदि कोई होगा तो, केवल वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा।
कार्यकारी निदेशक/परियोजना
इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, सी–4, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, साकेत, नई दिल्ली–110017

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड

क्र. कार्यको/विज्ञा./क्रय / 1769 कटघोरा, दिनांक: 22.08.2026

बिजली बन्द की सूचना

संचा./संधा. संभाग, छ.स्टे. पॉ. डिस्ट्री. कं. लिमि, कटघोरा के सर्व संबंधित सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि, ईरकान रेल्वे क्रासिंग की गेवरा रोड से पेंड्रा रोड रेल्वे लाईन परियोजना अंतर्गत एईएसएमएल की 400 के.व्ही. महान बिलासपुर ट्रांसमिशन लाईन के स्थानांतरण / संशोधन / मोडन कार्य किये जाने के कारण निम्नलिखित फीडर में उसके समक्ष दर्शाये तिथि एवं समय तक सम्बंधित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

क्रं.	फीडर का नाम	दिनांक / दिन	समय	प्रभावित क्षेत्र
01	33 केव्ही फीडर छुरी–कोरबी	23.08.2026 एवं 25.08.2026	प्रातः 08.00 बजे से दोपहर 03.00 बजे तक (7 घंटे)	33 केव्ही फीडर कोरबी से संबद्ध ग्राम चोटिया, कोरबी पाली, झिनपुरी, बूढ़पारा, दुल्लापुर, सरमा, रोदे, लाद, घुचापुर, सेन्हा, पोड़ीखुर्द, लमना, परला एवं 33 केव्ही फीडर कोरबी से संबंद्ध आसपास के समस्त ग्राम।
02	11 केव्ही जटगा–घुमानी डांड फीडर (going to sasin)			11 केव्ही घुमानीडांड फीडर से संबंद्ध ग्राम घुमानीडांड, मातिन, हडमोर, आमाटिकरा, सासिन, बासिन, मातिन, अमहवा, तलमलीडांड एवं 11 केव्ही घुमानीडांड फीडर से संबंद्ध आसपास के समस्त ग्राम।

नोट:- आवश्यकतानुसार समय-सीमा में परिवर्तन किया जा सकता है। सम्माननीय उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिये खेद है।

कार्यपालन यंत्री (सं/सं) संभाग
सं- छ.रा.वि.वि.कं. मर्या., कटघोरा

प्रथम पृष्ठ का शेष

गुड़ फैक्ट्रियां दे...

रुझान लगातार कम हो रहा है। इसका एक बड़ा कारण गन्ने के कुल मूल्य में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं होना बताया जा रहा है। 2019-20 से 2025-26 तक एफआरपी और राज्य प्रोत्साहन को मिलाकर गन्ने का कुल भुगतान करीब 355 रुपए प्रति क्विंटल के आसपास रहा है। वहीं राज्य प्रोत्साहन राशि में लगातार कमी आई है। वर्ष 2019-20 में यह राशि 93.75 रुपए प्रत

ि क्विंटल थी, जो 2024-25 में घटकर 39.90 रुपए और 2025-26 में अनुमानित रूप से 25.95 रुपए प्रति क्विंटल रह गई।

अंबिकापुर में गन्ने...

पूरे सत्र में एक दिन भी क्षमता के अनुसार कारखाना का संचालन नहीं हो सका। प्रशासन एवं कारखाना प्रबंधन ने गन्ने की आवक बढ़ाने के लिए लगातार कोशिशें भी की लेकिन किसानों पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा। शक्कर कारखाना की क्षमता 4 लाख क्विंटल शक्कर उत्पादन की है लेकिन कम गन्ने की आवक होने के कारण गत सत्र में 1 लाख 5 हजार 667 क्विंटल शक्कर का ही उत्पादन हो सका। उत्पादित शक्कर को कारखाना प्रबंधन द्वारा शासन के निर्देशानुसार राशन के लिए प्रदाय किया जा रहा है। इस संबंध में मां महामाया शक्कर कारखाना के प्रबंधन निदेशक राजेंद्र राठिया ने बताया कि कारखाना द्वारा उत्पादित शक्कर शासन को प्रदाय की जा रही है।

शक्कर चढ़ी तो...

से 28 और चिल्हर में 30 रुपए किलो हो गया है।

शक्कर के दाम बीते माह जुलाई से बढ़ने प्रारंभ हुए हैं। जून के अंत में शक्कर के दाम थोक में 38 रुपए थे और चिल्हर में 40 रुपए किलो थे। जुलाई के प्रारंभ में शक्कर के दाम थोक में 39 रुपए से 42 रुपए और चिल्हर में 45 रुपए किलो हुए। इसके बाद इसके दाम में तेजी से इजाफा तक हुआ, जब केंद्र सरकार ने एक अगस्त से स्टॉक की सीमा तय की। अगस्त के प्रारंभ में शक्कर के दाम थोक में 48 रुपए और चिल्हर में 50 रुपए थे। लेकिन इसके बाद अगस्त में ही शक्कर के दाम 16 रुपए तक बढ़े और इसके दाम थोक में 64 और चिल्हर में 70 रुपए हो गए। इसके बाद केंद्र सरकार ने शक्कर के कच्चे माल का आयात करने का ऐलान किया तो इसके दाम पर कुछ लगाम लगी है, लेकिन अब भी दाम ज्यादा है। अब थोक में शक्कर के दाम 61 रुपए और चिल्हर में 65 रुपए हैं।

पहली बार शक्कर के इतने दाम-

इतिहास में पहली बार शक्कर के इतने दाम गए हैं। कभी भी शक्कर के दाम 40 रुपए से ज्यादा नहीं रहते थे। थोक में इसके दाम 64 रुपए तक गए हैं। अब दाम कुछ कम होने लगे हैं।

- प्रेम पाहूजा, अध्यक्ष, डूमरतराई थोक बाजार

चावल की ऐतिहासिक कीमत-

चावलों की कीमत कभी भी इतनी नहीं हुई है जितनी अब हो गई है। कनकी और मोटे चावलों के दाम में भी इजाफा हुआ है। मक्के के दाम भी बढ़े हैं।

- गोविंद माहेश्वरी, अनाज के थोक कारोबारी

मिठाइयां भी महंगी...

रुपए कर दिए गए हैं। देशी घी से बनने वाली मिठाईयों के दाम में भी इजाफा किया गया है। इसके दाम 600 से 640 रुपए किलो हो गए हैं। स्वीट इंडिया के संचालक संजय विरानी के मुताबिक शक्कर के साथ ही देशी घी के दाम भी 800 से 1000 रुपए तक टिन पर बढ़ गए हैं। श्री विरानी के मुताबिक मिठाई के काम आने वाली जीबीएल और और मधुर शक्कर के दाम थोक में 71 सौ रुपए हैं। पहले इसके दाम 51 सौ रुपए थे।

एम-टेक की...

प्रोफेसर 17 अगस्त को जोरा में उत्तरपुस्तिका जमा करने आया था। इसके बाद उसने 20 तथा 24 अगस्त को होने वाला पेपर साथ लेकर वापस दुर्ग लौटा। दूसरे दिन प्रोफेसर ने 24 तारीख को आयोजित परीक्षा का प्रश्नपत्र कालेज में जमा कर दिया। कीटशास्त्र का पेपर जमा करने के बजाय अपने घर ले गया था। पूछताछ करने पुलिस ने योगेश की कोर्ट से दो दिन की पुलिस रिमांड हासिल की है।

सेवा संकल्प अभियान...

के साथ चार अन्य सदस्य हैं। इसमें छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी को भी शामिल किया गया है। बैठक में प्रदेश के संगठन महामंत्री पवन साय के साथ ही राष्ट्रीय महिला मोर्चा की नवनियुक्त अध्यक्ष महासुमंद सांसद रूपकुमारी चौधरी, सोशल मीडिया के राष्ट्रीय संयोजक दीपक म्हस्के और अन्य नेता शामिल हुए।

स्कूल से लौट...

जायसवाल, 9 वर्षीय स्तुति जायसवाल और 8 वर्षीय शिक्षा जायसवाल स्कूल से छुट्टी के बाद नदी पार कर अपने घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि नदी में पानी कम था, लेकिन अचानक आए तेज बहाव की चपेट में आने से तीनों बच्चे नदी में बह गए। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और बच्चों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस प्रशासन की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के साथ मिलकर घंटों तक सर्च ऑपरेशन चलाया। इसी दौरान एक बच्चे का शव बरामद कर लिया गया, जबकि दो मासूम अभी भी लापता हैं।

बड़े उद्योग के...

है। यह कैसे पूरा होगा? इस पर कलेक्टर ने कहा कि दंतेवाडा जिले में जिला पंचायत के सीईओ रहते समय 2021-22 में ऐसी स्थिति रही कि कटेकल्याण ब्लॉक में कोई अधिकारी रात को रूकते नहीं थे। दौरा कर लौट आते थे उस समय यदि कोई कहता कि 31 मार्च 2026 को नक्सल समस्या पूरी तरह समाप्त हो जाएगी, इस पर शंका होती। उन्होंने कहा आज कि स्थिति में समूचे बस्तर में डर खौफ का कोई माहौल नहीं है। अंदरूनी गांव तक शांति और सुकून है। अधिकारी और कर्मचारी बिना किसी डर के दौरा कर रहे हैं।

0 सवाल - स्थानीय युवाओं और व्यापारियों को आगे बढ़ाना है या बाहर से बुलाकर उद्यमियों को अवसर देना है?

0 जवाब - बस्तर जिले के सात ब्लॉक में स्थानीय युवाओं को यहां कि वन और खनिज संपदा सहित अन्य उत्पाद को वेल्यू एडिशन बनाकर अधिकतम लाभ दिलाने का प्रयास चल रहा है। जिसमें स्थानीय लोग सम्मिलित हो रहे हैं।

0 सवाल -किन- किन क्षेत्र में विशेष संभावनाएं और अनुकुल वातावरण की स्थिति है?

जवाब - बस्तर में विशेष रूप से कृषि, उद्यानिकी, वनोपज, पर्यटन और खनिज पर आधारित उद्योग और यूनिट से स्थानीय रहवासियों को आत्मनिर्भर बनाकर उनका सर्वांगीण विकास करना है। शासन प्रशासन का विजन क्लीयर है पर्यटन पर यहां अपार संभावनाएं है। चित्रकोट में ग्लास ब्रज के अलावा आसपास के क्षेत्र में पर्यटन विकास के लिए 6 करोड का प्लान बना है। इसमें आदिवासी संस्कृति, सभ्यता, डान्स, वेशभूषा, आवास सहित सभी तरह के उनके कल्चर पर बादल संस्था में कार्य हो रहे हैं।

सवाल - उद्योग के लिए जमीन की उपलब्धता की क्या स्थिति है?

जवाब - शासन के निर्देश पर औद्योगिक विकास के लिए एरिया डेवलप करने पर काम हो रहा है। नियानार में 1191 एकड़ लैंड बैंक है, वहीं दो तीन माह में इंडस्ट्रियल एरिया का काम पूरा होगा। बस्तर में जमीन के मामलें में इस तरह की कुछ चुनौतियां है, लेकिन नियमानुसार इसे दूर करने का प्रयास होता है।

सवाल - जगदलपुर जंक्शन होने से मास्टर प्लॉन पर सरकार का कितना ध्यान है?

जवाब - मास्टर प्लॉन का काम अर्ली स्टेज में है, उसमें औद्योगिक क्षेत्र नगरनार को भी शामिल किया गया है। सुविधाओं और व्यवस्थाओं पर भी काम हो रहा है।

सवाल -जमीन के दाम बढने से अवैध कार्य की संभावना रहती है?

जवाब - जगदलपुर व्यवस्थित शहर है, यहां के कारोबारी नियम कायदों का पालन करते हुए व्यापार उद्योग के लिए पहल करते हैं।

सवाल - यहां वन और खनिज संपदा भरपूर है, पिछले तीस साल से वेल्यू एडिशन की बात सुन रहें है, लेकिन ऐसा कुछ दिखता नहीं है?

जवाब - जिन क्षेत्रों में वन उपज और खनिज है। वह इलाका नक्सल समस्या से जूझ रहा था। अब शांति का मार्ग प्रशस्त होने से वहां की संपदा का वेल्यू एडिशन तैयार करने में दिक्कत नहीं होगी।

डॉ. हिमांशु द्विवेदी को कलेक्टर आकाश छिकारा ने भरोसा दिलाया कि आनेवाले समय में जिस तेजी से काम हो रहा है, उसका परिणाम दिखने लगेगा और केन्द्र और राज्य सरकार की यह मंशा कि बस्तर संभाग देश का सर्वाधिक समृद्ध आदिवासी इलाका होगा यह पूरा हो सकेगा।

जमशेदपुर से अधिक जगदलपुर में संभावनाएं-

छत्तीसगढ़ के सफल उद्योगपति रमेश अग्रवाल, विजय झंवर और संजय जैन ने डॉ. हिमांशु द्विवेदी के सवालों पर विचार रखते कहा कि जमशेदपुर में टाटा ने यह सोचकर औद्योगिक विकास शुरू किया कि वहां अधिक संभावनाएं और खर्च कम होगा। साथ ही एक्सपोर्ट के लिए नजदीक में बंदरगाह होगी, लेकिन अब जगदलपुर में जमशेदपुर से अधिक औद्योगीकरण की संभावनाएं है। राजधानी रायपुर नजदीक होने, विशाखापट्टनम बंदरगाह अधिक दूर नहीं है। साथ ही यहां संपदा के अलावा मैन पॉवर भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि रायपुर जब विकास की दौड़ में आगे बढ़ रहा था, तब क्षेत्र के स्थानीय उद्यमियों ने आगे बढकर जोखिम उठाया और खुद का व्यापार और उद्योग लगाकर कडी मेहनत की। इसलिए वे विकास और समृद्धि में अपनी नींव मजबूत किए। इसी तरह बस्तर के स्थानीय व्यापारियों और उद्यमियों को भी खुद का व्यापार और उद्योग लगाने आगे आना पड़ेगा। व्यापार में कड़ी मेहनत के साथ अनुशासन और धैर्य जरूरी है।

100 प्रतिशत बढ़ा सकते हैं व्यापार-

स्वागत भाषण चेंबर अध्यक्ष श्याम सोमानी और संचालन विमल बोथरा ने किया। दूसरे सत्र में एआई ट्रेनर लक्षित सेठिया और बिजनेस कोच अखिल एम ने किस तरह व्यापार को 100 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता, उस पर स्थानीय व्यापारियों को आधुनिक तकनीक अपनाकर आगे बढ़ने और सफल उद्योगपति बनने का उपाय बताए। इस मौके पर पूरे संभाग से पदाधिकारी एवं व्यापारी सदस्य पहुंचे।

आवापल्ली में स्कूल...

से ईंट खराब होने से नुकसान हुआ। पैसा नहीं था, काम जरूरी था। साइकिल से जाते थे। एक बाइक में तीन पार्टनर सवार होकर पहुंचते थे। इस काम से पैसा तो नहीं कमाया लेकिन जो अनुभव मिला वह आज के इस सफल यात्रा में उपयोगी रहा। पढ़ाई के बाद 600 रुपए की छोटी से नौकरी से जीवन की शुरुआत की बस्तर की हवा और मिटटी में काफी अपनापन है। आवापल्ली से लौटकर रायपुर में 1991 में छोटे स्तर पर स्टील का व्यापार शुरू किया। इस यात्रा में लोगों का भरोसा काफी काम आया, उस समय 2002 में 2 करोड़ 15 लाख से फैक्टरी लेकर काम शुरू किया। तीन भाइयों के शुरू हुए इस व्यवसाय में आज भी विश्वास और सामंजस्य है। पिता की सीख पर व्यापार में मिली सफलता और आमदनी से परमार्थ का कार्य भी कर रहे हैं। हमारे प्लांट के गांव में युवाओं के स्किल डेवलपमेंट के लिए ट्रेनिंग सेंटर शुरू किए। इसमें जॉब पाकर और खुद का काम शुरू कर युवा सफल हो रहे हैं।

जोरा माल लेना...

द्विवेदी के सवाल पर कि बंद पडे कारखाने को खरीदकर घाटे का सौदा से डर नहीं लगता? इस पर उन्होंने कहा बस्तर के आरापुर में भी जो प्लांट खरीदा हूं इसमें भी ऐसी स्थिति आई लेकिन सोचा जमीन और लोहा तो है काम तो आएगा। उन्होंने यह भी कहा कि व्यापारी कभी रिटायर नहीं होता उसके लिए हर अवस्था में सम्भावना रहती है। अवसर आने पर पीछे नहीं हटना चाहिए।

आईएएस में दो...

पहली बार तीन सामान का निर्यात दुबई में किया। बेसन 5 टन, इमली 10 टन और चिरौंजी 2 टन जिसमें बेसन खराब हो गया, इमली का पैसा मिला नहीं और चिरौंजी वापस आ गया। चिरौंजी खराब होने से फेंक दिया गया इस तरह व्यापार में पहला ही प्रयास घाटे का रहा। उन्होंने कहा कि रायगढ से बंबई ट्रेन में अखबार बिछाकर लगातार यात्रा करता रहा कभी भी मन में निराशा जैसी बात नहीं आई। बल्कि यात्रा में इंजाय करता रहा। 2008 में रमतिल का एक्सपोर्ट किया। अमेरिका और यूरोप में कंट्रेक्ट का बाइबल जैसे मानता है जबकि चीन और वियतनाम में फायदा देखा जाता है। इस तरह काम आगे बढ़ता रहा। तेजी से के दौर में पैसा आने लगा और व्यापार बढ़ता गया। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत और अनुशासन से काम करते रहने पर सफलता जरूर मिलती है। चुनौतियां हर जगह है इसलिए व्यापार में निरन्तर काम करते रहना चाहिए। बस लोगों का भरोसा बना रहना चाहिए।

जब उद्योगपति ने डॉ. हिमांशु से पूछ लिया सफलता का राज-

उद्योगपति संजय जैन ने प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम के बीच डॉ. हिमांशु द्विवेदी से कहा कि जब किसी पत्रकार का फोन आता है तो डर जाता है। लेकिन आपका व्यक्तित्व एक शुभचिंतक और मित्र की तरह है। सभी के बीच संबंध का तालमेल बनाकर आपने सफलता अर्जित की है। इस सफलता के बारे में कुछ बताएं। इस पर उन्होंने कहा कि सबसे पहले ईश्वर की कृपा है। नियत ठीक रहेगा तो सब कुछ अच्छा चलेगा। जीवन के अनुभव में यही सीख है। क्या मिल सकता है। इसके बजाय क्या दे सकते हैं, यह महत्वपूर्ण है। ईश्वर ने केवल मनुष्य को ही अपने और परिवार के अलावा किसी और का भला करने का गुण दिया है, इसलिए जीवन में इस मौके को गंवाना नहीं चाहिए।

यह सरकारी दादागिरी...

कुम्हारी में दो अलग अलग टोल प्लाजा संचालित किए। लगभग 10 साल चलाने के बाद जब इस कंपनी की टेंडर अवधि समाप्त हुई तो भिलाई का टोल प्लाजा बंद कर दिया, लेकिन कुम्हारी के टोल को नहीं बंद किया गया। हर दो साल में अलग अलग कारणों से इसके टेंडर अवधि को एनएचएआई के द्वारा बढ़ा दिया जाता है।

जानकारी के मुताबिक इस समय एनएचएआई ने इस टोल प्लाजा का टेंडर पुणे की कंपनी जसप्रीत सिंह रघुवीर सिंह को दिया है। इन्हें यह टेंडर 8 अप्रैल 2026 से 8 अप्रैल 2027 तक के लिए मिला है। कंपनी के डीजीएम फूलसिंह राठौर ने बताया कि कुम्हारी टोल प्लाजा को एनएचएआई और एनएच पीडब्ल्यूडी दो अलग-अलग एजेंसी काम देख रही हैं। एनएचएआई फंड कलेक्शन और एनएच पीडब्ल्यूडी पेंशनबाड़ा रायपुर मेंटिनेंस का काम देख रहा है। उन्होंने बताया कि उन्हें जो टेंडर दिया गया है, वो केवल टोल वसूली के लिए मिला है। रोड मेंटिनेंस या अन्य कार्यों से उनका कोई लेना देना नहीं है। बाकी का काम एनएच पीडब्ल्यूडी देखेगी।

हर दिन 50 हजार से अधिक गाड़ियों का आवा-गमन-

कुम्हारी टोल प्लाजा से गुजरने वाली गाड़ियों की संख्या की बात करें तो यह आंकड़ा हर दिन घटता बढ़ता है, लेकिन महीने का औसत निकाला जाए तो टोल संचालन करने वाली कंपनी के मुताबिक हर दिन औसत 50 हजार से अधिक छोटी और बड़ी ऐसी गाड़ियां गुजरती हैं, जिनसे टोल की वसूली की जाती है। वहीं दुर्ग ट्रैफिक पुलिस के दावे को माने तो यहां से हर दिन 70-80 हजार छोटे बड़े वाहन गुजरते हैं।

टाटीबंध फ्लाईओवर ब्रिज के लागत की हो रही वसूली-

टोल प्लाजा कंपनी के संचालक ने बताया कि कुम्हारी में जो फ्लाई ओवर ब्रिज बनाया गया है वह 125 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। उस लागत की वसूली के लिए इस टोल प्लाजा की टेंडर अवधि को बढ़ा दिया गया है। इतना ही नहीं केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जब तक भारतमाला का प्रोजेक्ट पूरा नहीं होता कुम्हारी टोल प्लाजा से टोल वसूली लगातार जारी रहेगी। उसे बंद नहीं किया जाएगा।

18 लाख प्रतिदिन...

कंपनी का कहना है कि उन्हें हर दिन एक से डेढ़ लाख रुपए का घाटा हो रहा है।

पहले से डबल...

बड़ी गाड़ियों से 185 रुपए की टोल वसूली की जा रही है। भिलाई से रायपुर रोजाना आने जाने वाले लोगों के लिए मंथली पास की सुविधा भी दी गई है। लोग 350 रुपए मंथली देकर पास बनवा सकते हैं , जिससे उन्हें एक महीने तक एक भी टोल नहीं देना होगा।

नहीं थमेगी बारिश...

नहीं बन पाई है। आने वाले दिनों में इसकी संभावना भी ना के बराबर है। रायपुर में वर्षा का मौसम शुक्रवार से बन गया था और शनिवार को इसका जोरदार असर नजर आया। दोपहर होने के बाद आसमान में छाए काले मेघ अचानक बरसने लगे, जो अनवरत रूप से कभी कम तो कभी ज्यादा रूप में अपना असर दिखाते रहे। रायपुर के अलावा बारिश का प्रभाव दुर्ग और राजनांदगांव और अंबिकापुर में जमकर नजर आया। शहर में लगातार बारिश के कारण तापमान पांच डिग्री नीचे जाकर 25.6 पर अटक गया। अनुमान है कि एक निम्नदाब उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश और उसके आसपास हवा के चक्रवाती घेरे के साथ मौजूद है। इसके प्रभाव से होने वाली भारी वर्षा का प्रभाव मध्य छत्तीसगढ़ और बस्तर संभाग का क्षेत्र रहने की संभावना है। इतना ही नहीं, इस सिस्टम का असर कम होने के बाद बंगाल की खाड़ी में तैयार मौसम तंत्रिका बारिश को थमने नहीं देने का कारण बनेगी। यह सिस्टम अभी ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण के रूप उत्तर बंगाल की खाड़ी-पश्चिम बंगाल तट-बांग्लादेश तक अस्तित्व में आ चुका है।

वंदे मातरम को...

घोषणा की कि वह 'वंदे मातरम' की महत्ता को देश के हर कोने तक पहुंचाने के लिए एक अभियान शुरू करेगी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने बैठक की अध्यक्षता की तथा बाद में 'एक्स' पर प्रस्ताव साझा किया।

भाजपा का प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने बुधवार को अपने 1937 के प्रस्ताव को मानने का फैसला किया। इसके तहत अब पार्टी के सभी कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' के सिर्फ दो ही अंतरे गाये जायेंगे। नवीन ने कहा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज, 22 अगस्त 2026 को, 'वंदे मातरम' के सम्मान और उसकी ऐतिहासिक विरासत को संजोकर रखने के संबंध में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस कार्य समिति के 19 अगस्त, 2026 के उस फैसले की 'कड़ी निंदा और स्पष्ट तौर पर विरोध' करती है, जिसमें 1937 के प्रस्ताव को दोहराते हुए कांग्रेस के कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' के सिर्फ शुरुआती दो अंतरे को गाने तक सीमित कर दिया गया है।

नवीन ने कहा कि भाजपा राष्ट्र गीत को 'सांप्रदायिक दबाव, राजनीतिक तुष्टीकरण या संकीर्ण वोट-बैंक की राजनीति' का शिकार बनाने की किसी भी कोशिश का विरोध करेगी। उन्होंने कहा, राजनीतिक सहूलियत या तुष्टीकरण के लिए 'वंदे मातरम' के सम्मान और विरासत से कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। नवीन ने कहा कि कांग्रेस कार्य समिति का कोई प्रस्ताव देश की संवैधानिक संस्थाओं या कानूनों से ऊपर नहीं हो सकता।

आज हरिभूमि-आईएनएच...

पर संवाद स्थापित करना तथा स्थानीय स्तर की समस्याओं और विकास की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करना है।

ट्रेन में कुत्तों...

के संयुक्त निदेशक यात्री विपणन रोहित कुमार ने सभी रेलवे जोन को जारी किया है। पहले के नियमों के अनुसार दो या उससे अधिक कुत्तों को एक ही डॉग बॉक्स में रखने की स्थिति में उन्हें जंजीर से बांधकर ले जाना पड़ता था, ताकि वे आपस में लड़ न सकें। अब नए नियम के तहत एक डॉग बॉक्स में सिर्फ एक कुत्ते की बुकिंग होगी। यदि कोई यात्री दो कुत्तों को साथ लेकर यात्रा करना चाहता है, तो उसे दोनों के लिए अलग-अलग डॉग बॉक्स की बुकिंग करानी होगी। इससे कुत्तों को यात्रा के दौरान अधिक जगह और आराम मिलने की उम्मीद है।

फर्स्ट एसी में ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा-

रेलवे के नियमों के अनुसार फर्स्ट एसी कूपे में यात्रा करने वाले यात्री अपने साथ कुत्ते को ले जाने के लिए ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। वहीं, डॉग बॉक्स में कुत्ते की बुकिंग ऑफलाइन करानी होगी। नए नियम का उद्देश्य पालतू कुत्तों की यात्रा को अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाना है, ताकि यात्रियों के साथ-साथ बेजुबान जानवरों को भी सफर के दौरान बेहतर सुविधा मिल सके।

रेलवे ने डॉग के सफर से जुड़े नियम में बदलाव किया है, ताकि सफर के दौरान कुत्तों के बीच लड़ाई या असुविधा की स्थिति न बने।

- शेख समी उर रहमान, सीपीआरओ, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

मासूमों को न...

किया जाना चाहिए। क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलेफ्राइन हाइड्रोक्लोराइड का कॉम्बिनेशन आमतौर पर सर्दी-जुकाम और नाक बंद होने के बाद दी जाने वाली दवाओं में इस्तेमाल होता है।

इधर, 280 दवाइयों के सैंपल फेल-

केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने जुलाई महीने के अपने मासिक औषधि अलर्ट में विभिन्न कंपनियों द्वारा निर्मित दवा के 40 नमूनों को मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया है। राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने भी 240 दवा नमूनों को मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया है। नियमित विनियामक निगरानी गतिविधि के मुताबिक केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के पोर्टल पर हर महीने मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाई गई और नकली दवाओं की सूची जारी की जाती है।

बोर्ड की सिफारिश के बाद फैसला-सरकार ने एक्सपर्ट कमेटी और ड्रग्स टेक्नीकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश के बाद यह फैसला लिया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस दवा कॉम्बिनेशन से छोटे बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी जोखिम हो सकते हैं, जबकि इस उम्र के लिए सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं। क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलेफ्राइन हाइड्रोक्लोराइड का कॉम्बिनेशन आमतौर पर सर्दी-जुकाम और नाक बंद होने के बाद दी जाने वाली दवाओं में इस्तेमाल होता है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids
• दंत रोग
• मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» सभी प्रकार के ऑपरेशन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चो के ऑपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756



epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- डिस्ट्रीब्यूटर के यहां कार्य करने हेतु सेल्स/ मार्केटिंग, डिलीवरी ब्वॉय एवं एकाउण्टेंट की अति शीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। तुरन्त सम्पर्क करें- 9981137187 **(41695)**

आवश्यकता है- अनुभवी सिविल कंस्ट्रक्शन साइड सुपरवाइजर स्मार्ट रोड़ उसलापुर पुल के पास की साइड में फिनिशिंग कार्य हेतु आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7987581185, 7898748446 **(1325)**

आवश्यकता है- ऑफिस में महिला/ युवती कम्प्यूटर आपरेटर असिस्टेंट, पार्ट टाइम या फुल टाइम के लिए अतिशीघ्र आवश्यकता है। वेतन 8000 से 10000 तक तुरन्त सम्पर्क करें- 7898952462 **(41696)**

Required - Required an experience graduate D.Ed., B.E.d Science and Maths, Hindi, English teachers fluncy in English class 1st to 9th Contact- Golden Nursery Public School Near SBI, Shanti Nager Bilaspur 9893650193 **(41693)**

Required- Staff required having knowledge of accounting in tally, GST and TDS. The candidate having work experience for minimum two years will be preferred. Contact- 9302235101, 8818989007 **(41692)**

आवश्यकता है- राव लॉण्ड्री सभी प्रकार के कपड़े, साड़ी प्रेस हेतु पता- RKN चन्दन आवास 3/85 बिलासपुर 9617577892 घर पहुँच सेवा, एक बार सेवा का मौका देंवे। कार्य हेतु दो लड़के चाहिए **(41684)**

आवश्यकता है- दुकान/ ऑफिस में हाउस कीपिंग साफ सफाई कार्य हेतु बॉय/ गर्ल्स चाहिए। सम्पर्क करें- 12-6 बजे तक, एंबियंस बिजनेस पार्क, सीएमडी कॉलेज के सामने, सीएमडी चौक, लिंक रोड, बिलासपुर 9897265611 **(41689)**

आवश्यकता है- शारदा बजाज शोरूम, सर्विस सेन्टर (थ्रीव्हीलर) में कार्य हेतु EV टेक्नीशियन- 1, फ्लोर इंचार्ज- 1 (बिलासपुर), स्पेयर पार्ट्स इंचार्ज-1 (कम्प्यूटर अनुभवी), सर्विस एडवाइजर- 2 (बिलासपुर), मैकेनिक-1 (मुंगेली), मैकेनिक-1 (पेंड्रा), फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव- 4, वॉशिंग स्टाफ-2, की आवश्यकता है बायोडाटा व्हाट्सएप्प करे- 90390 91740 **(41682)**

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी असिस्टेन्ट एकाउन्टेन्ट (बीकॉम ग्रेजुएट) अनुभवी सेल्समैन, पैकिंग कार्य, लोकल में छोड़ने, दुकान कार्य हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जगत एजेन्सीज, जगत ट्रेडर्स तेलीपारा बिलासपुर **(41688)**

आवश्यकता है- ऑफिस/ घरेलु देखभाल अलग अलग कार्यों, पार्लर संबंधी कार्य हेतु युवकों, युवतियों महिलाओं (लड़के/ लड़कियों) की आवश्यकता है। फुल/ पार्ट टाइम अनुभव आवश्यक नहीं शानदार 12000/- वेतन सम्पर्क करें- 9893076853 **(41694)**

आवश्यकता है- कम्प्यूटर आपरेटर लड़कियों की आवश्यकता है NGO ग्रुप को प्राथमिकता संपर्क करें मो. 8461886239 **(830)**

आवश्यकता है- फेब्रिकेशन कार्य हेतु 3 वेल्डर, रोलिंग शटर कार्य हेतु 2 शटर मिस्त्री 2 हेल्पर चाहिए। फोन करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे, पता- उमेश इंजीनियरिंग धुरीपारा, मंगला बिलासपुर 90982 20011, 8085888288 **(41660)**

आवश्यकता है- ई रिक्शा ड्राइवर, रिसेप्शन हेतु महिला रिसेप्शनिस्ट और फील्ड सुपरवाइजर की तत्काल आवश्यकता है तुरन्त सम्पर्क करें- अग्रसेन चौक बिलासपुर 6263077177 **(41680)**

आवश्यकता है- ढाबा में सप्लायर, हेल्पर, तन्दूर मास्टर, हेड मिस्त्री, बर्तन धोने वाले की आवश्यकता है सम्पर्क करे- सुबह 11 से रात 11, रायपुर रोड, हाईकोर्ट के आगे, बोदरी बिलासपुर 7000942962, 90989 76666 **(41679)**

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड (उम्र 45वर्ष से कम) एवं अनुभवी इलेक्ट्रीशियन की अति शीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार तत्काल सम्पर्क करें- बिलासपुर 7694006583 **(41677)**

आवश्यकता है- एक युवक हाइवा मेंटेनेंस हेतु एवं एक युवक की वसूली कार्य हेतु आवश्यकता है वेतन योग्यता+ कार्य अनुसार। बिलासपुर निवासी अनिवार्य, बाइक वाहन अनिवार्य। फील्ड वर्क हेतु पेट्रोल कम्पनी द्वारा दिया जाएगा। सम्पर्क करें- 91093 95522 **(41670)**

आवश्यकता है- अस्तित्व प्रकाशन, कोनी, बिलासपुर में ग्राफिक डिज़ाइनर एवं वीडियो एडिटर की आवश्यकता है। उम्मीदवार को बुक कवर डिजाइनिंग एवं वीडियो एडिटिंग का अनुभव हो तथा फोटोशॉप, After Effects और Premiere Pro में अच्छी जानकारी एवं विशेषज्ञता हो। सम्पर्क करें- अस्तित्व प्रकाशन, कोनी, बिलासपुर 7898160321, 8109883496 **(41674)**

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड गनमैन, फिल्ड ऑफिसर, सिक्युरिटी सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000- 20000 पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जेजे हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 98930 41578, 8085233213, 72238 21623, 7440981254 **(41602)**

आवश्यकता है- ऑफिस ब्वाय- 3 पद तथा समान पैकेजिंग, लोडिंग, अनलोडिंग, ऑटो चालक एवं सफाई कार्य हेतु व्यक्तियों की आवश्यकता है। वेतन- 9000 से 12000 प्रतिमाह। सम्पर्क करें- 9754938010 **(41672)**

आवश्यकता है- जॉब वेकेन्सी अनुभवी माजदा ड्राइवर- 2पद, एवं अनुभवी पिकअप ड्राइवर- 2पद की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- प्रतीक ऑटोमोबाइल्स ए.एस. फन वर्ल्ड के सामने सिरगिट्टी, बिलासपुर 9425530065, 8827773222 **(41675)**

आवश्यकता है-नौकरी की जगह खाली है पदः 10-15 ट्रकों के लिए फ्लीट/ट्रक मैनेजर जगहः तहसील आरंग, ज़िला रायपुर, छत्तीसगढ़ सैलरीः अनुभव के आधार पर 25,000 या उससे ज़्यादा What sApp: 9948417000 **(828)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है-(1) सिविल साइट सुपरवाइजर (अनुभवी साइट चलाने योग्य) (2) ऑटोमैटिक कार हेतु अनुभवी लाइसेंसी, मेहनती, नशामुक्त ड्राइवर की आवश्यकता है सैलरी योग्यता अनुसार। अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9770770000, 98270 72000 **(41659)**

आवश्यकता है- रूम सर्विस हेतु अनुभवी वेटर्स एवं सिक्युरिटी गार्ड की तुरंत आवश्यकता है संपर्क हॉटल शिवनेरी लिंकरोड बिलासपुर **(41676)**

आवश्यकता है- होटल रिसेप्सन के लिए 12 वीं पास लड़की की जरूरत है रूम सर्विस के लड़के की जरूरत है रहने खाने की व्यवस्था होटल मनेजर अनुभवी संपर्क करें जानकी विहार भाठागांव मो. 8719082151 **(827)**

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 22000 फील्ड अधिकारी 16000 कंप्यूटर ऑपरेटर 20000 योग्यतानुसार मेस सुविधा ,आवास फ्री संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 77470 00016, 77470 00019 **(815)**

बेचना है

बेचना है- जीवन विहार कॉलोनी, हाईकोर्ट के पास बोदरी बिलासपुर में 60 फ्रंट× 29 गहराई= 1740 वर्गफिट, उत्तर, पूर्व, पश्चिम तीन तरफ सीसी रोड सहित प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें- 8319755938, 8085387123, 91111 69686 **(41691)**

बेचना है-टाटीबंध में प्राइम कमर्शियल प्रॉपर्टी बिक्री हेतु 10,000 वर्गफीट का विशाल पूर्वमुखी प्लॉट 210 फीट फ्रंट एवं 48 फीट डेप्थ, बिजनेस के लिए प्राइम लोकेशन में शानदार अवसर यूनियन बैंक के पीछे, शिवनाथ Hyundai के पास, Showroom, Office, Warehouse, Commercial Use हेतु संपर्कः- श्री बालाजी प्रॉपर्टीज़, रायपुर Roshan Agrawal 88780 08500 **(057)**

बेचना है- टाटीबंध रायपुर प्राइम लोकेशन में 41,000 वर्गफीट प्रॉपर्टी बिक्री हेतु बाउंड्री वॉल, गेट, दो रोड फ्रंट, वेस्ट फेसिंग, टाटीबंध चौक लोकेशन में इस्कॉन मंदिर के मेनरोड पर GE Road से डायरेक्ट कनेक्टिविटी, शोरूम, वेयरहाउस, ऑफिस, एवं अन्य कमर्शियल उपयोग के लिए उपयुक्त संपर्कः- श्री बालाजी प्रॉपर्टीज़, रायपुर Roshan Agrawal 9340018159 **(058)**

बेचना है- रिंग रोड नं.-2 में 240 वर्गफुट मे निर्मित डबल डेकर शॉप, 27खोली में 2500 वर्गफुट, यदुनंदन नगर तिफरा बाजार चौक के पास 2480 वर्गफुट प्लाट बेचना है संपर्क करें 7000957476 **(41671)**

बेचना है- मकान बेचना है विद्या नगर शिव मन्दिर के पीछे डीपूपारा स्थित पुराना मकान प्लॉट एरिया 2307 वर्गफुट तत्काल बेचना है। सम्पर्क करें- 9425512067 **(41685)**

बेचना है- ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल के सामने बहतराई मेन रोड पर 50×60 3000 वर्गफुट एवं सकरी बटालियन तिराहे पर चिचिरदा- अमसेना रोड पर 184×300 वर्गफुट जमीन बेचना है सम्पर्क करें- 8878820110, 83190 30278 **(41690)**

बेचना है- एक परिसर 32×97 का मेन रोड तखतपुर में 3 मंजिला ग्राउंड फ्लोर में SBI बैंक किराए में है एवं फर्स्ट फ्लोर में एक शानदार फैमिली रेस्टोरेंट व सेकंड फ्लोर में 1BHK का 2 फ्लैट और 2BHK का 2 फ्लैट बेचना है। सम्पर्क करें- 8770546668, 9893317888 **(1501)**

किराया

किराया- हॉल किराए से देना है टिकरापारा मेनरोड में ऑफिस/ बैंक/ कोचिंग क्लास/ लाइब्रेरी/ अन्य उपयोगी हेतु सम्पर्क- 98279 70097, 9827170097 लगरा में कृषि भूमि 20 डिसमिल, 75 डिसमिल बिक्री हेतु उपलब्ध। **(41683)**

किराया - रायपुर रोड स्थित मंडपम शादी भवन के बाजू में पूर्ण विकसित कॉलोनी में प्रथम तल पर दो स्वतंत्र 2BHK मकान किराये से देना है। सम्पर्क करें- 9111072222 **(41686)**

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

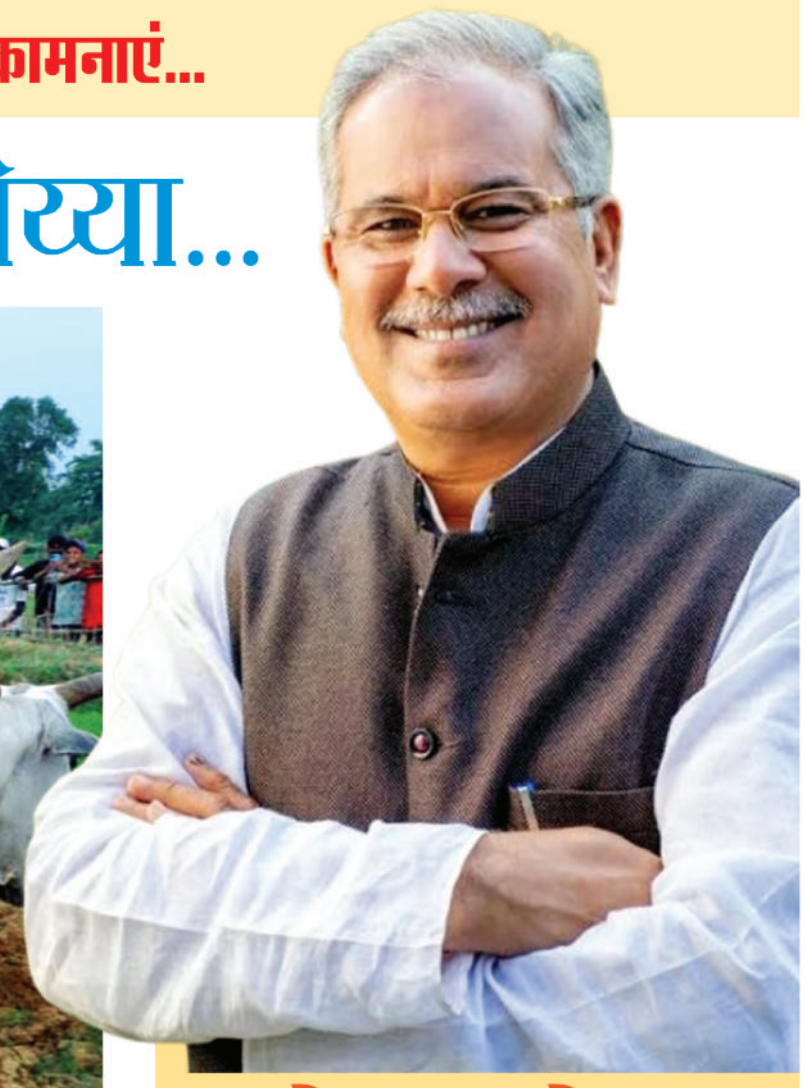
हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

➡जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
➡जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
➡शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
➡ एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
➡श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
➡रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
➡जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
➡रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
➡भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
➡श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
➡एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
➡श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
➡अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
➡विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
➡माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
➡बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
➡ हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय **श्री भूपेश बघेल जी** को **जन्मदिन** की बधाई एवं **शुभकामनाएं...**

छत्तीसगढ़ के एके खेवइया भूपेश भैय्या...





भूपेश बघेल ने 2018 से 2023 तक छत्तीसगढ़ के तीसरे मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसान कल्याण और क्षेत्रीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए। उनके कार्यकाल के प्रमुख कार्यों और योजनाओं को छत्तीसगढ़ की जनता आज भी याद करती है...

किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था



कर्ज माफीः लगभग 18 लाख से अधिक किसानों का कृषि ऋण माफ किया।



राजीव गांधी किसान न्याय योजना : फसलों पर प्रति एकड़ इनपुट सब्सिडी प्रदान की गई



गोधन न्याय योजनाः गाय का गोबर खरीदने की अनूठी योजना शुरू की।



नरवा, गरवा, घुरवा, बारीः : जल संरक्षण, पशु संवर्धन, जैविक खाद निर्माण और घरेलू बाड़ियों के विकास के लिए यह ग्रामीण विकास योजना लागू

सांस्कृतिक पुनरुत्थान (छत्तीसगढ़िया अस्मिता)



राम वन गमन पर्यटन परिपथः
भगवान राम के छत्तीसगढ़ में वनवास काल के ऐतिहासिक स्थलों को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया, जिसमें चंदखुरी का कौशल्या माता मंदिर प्रमुख है।

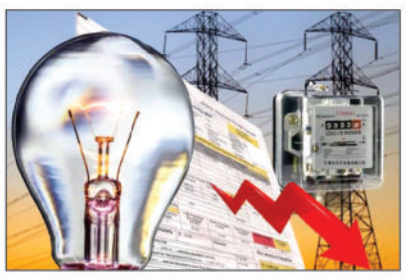


स्थानीय त्योहारों पर अवकाश :
हरेली, तीजा, कर्मा जयंती और विश्व आदिवासी दिवस जैसे छत्तीसगढ़ के पारंपरिक त्योहारों पर पहली बार शासकीय अवकाश घोषित किया गया।



छत्तीसगढ़िया ओलंपिकः
पारंपरिक स्थानीय खेलों (जैसे गिल्ली-डंडा, भौंरा, बाटी) को बढ़ावा देने के लिए राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं की शुरुआत की।

'बिजली बिल हाफ योजना'



400 यूनिट तक आधा बिल :
योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं द्वारा प्रति माह 400 यूनिट तक की बिजली खपत करने पर उनके बिजली बिल की राशि आधी (50% छूट) कर दी जाती थी।

शिक्षा और स्वास्थ्य



स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलः
गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को मुफ्त में उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम शिक्षा देने के लिए सरकारी स्तर पर इन स्कूलों की श्रृंखला शुरू की गई।



मुख्यमंत्री हाट-बाज़ार क्लिनिक योजनाः
दूरदराज और आदिवासी अंचलों के साप्ताहिक बाजारों में मोबाइल मेडिकल वैन के जरिए मुफ्त इलाज और दवाइयां पहुंचाईं।



दाई-दीदी क्लिनिकः
महिलाओं के लिए विशेष रूप से महिला डॉक्टरों और स्टाफ वाली मोबाइल क्लिनिक सेवा की शुरुआत

आदिवासी और वनवासी कल्याण



तेंदूपत्ता संग्रहण दर में वृद्धिः
आदिवासियों की आय बढ़ाने के लिए तेंदूपत्ता की मानक बोरा दर ₹2500 से बढ़ाकर ₹4000 की गई।



लघु वनोपज की खरीदीः
राज्य में समर्थन मूल्य पर खरीदी जाने वाली लघु वनोपजों की संख्या 7 से बढ़ाकर 65 से अधिक की गई।



वन अधिकार पत्रः
वन भूमि पर आश्रित आदिवासियों को सामुदायिक और व्यक्तिगत वन संसाधन अधिकार पत्र बांटे गए।

शुभेच्छु : नीरज पाल, महापौर भिलाई

भूपेश बघेल

पूर्व मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

संघर्ष से सफलता तक

भूपेश बघेल एक भारतीय राजनेता हैं। उन्होंने दिसंबर 2018 से दिसंबर 2023 तक छत्तीसगढ़ के तीसरे मुख्यमंत्री के रूप में काम किया। उनका जन्म 23 अगस्त 1961 को दुर्ग जिले के पाटन में एक किसान परिवार में हुआ था। वे कांग्रेस पार्टी के प्रमुख नेता हैं।

शुरुआती जीवन और परिवार जन्म तिथि : 23 अगस्त 1961

स्थानः दुर्ग जिला, छत्तीसगढ़ (तत्कालीन मध्य प्रदेश)

माता-पिताः बिंदेश्वरी बघेल और नंद कुमार बघेल

विवाहः मुक्तिश्वरी बघेल के साथ हुआ और उनके बच्चे हैं।

राजनीतिक सफर शुरुआत : 1980 के दशक में यूथ कांग्रेस से राजनीति शुरू की।

विधायकः साल 1993 में पहली बार मध्य प्रदेश विधानसभा के लिए पाटन सीट से चुने गए।

मंत्री पदः छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद वे पहले राजस्व, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और राहत कार्य मंत्री बने।

प्रदेश अध्यक्षः साल 2014 में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बने और पार्टी को मजबूत किया।

मुख्यमंत्रीः वर्ष 2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को बड़ी जीत दिलाई और 17 दिसंबर 2018 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बने।

मुख्य विशेषताएँ :- किसानों और ग्रामीण संस्कृति से उनका विशेष जुड़ाव रहा है। उन्हें छत्तीसगढ़ में ओबीसी समुदाय का एक बड़ा नेता माना जाता है।

भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ विधानसभा में दुर्ग जिले के पाटन निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने 1985 में भारतीय युवा कांग्रेस के सदस्य के रूप में अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की और 1993 में पाटन निर्वाचन क्षेत्र से मध्य प्रदेश विधानसभा के लिए अपना पहला चुनाव जीता। 1998 में वे इसी निर्वाचन क्षेत्र से दोबारा विधायक चुने गए। उन्हें दिग्विजय सिंह के नेतृत्व वाली मध्य प्रदेश सरकार में लोक शिकायत विभाग के राज्य मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया और बाद में परिवहन मंत्री के पद पर पदोन्नत किया गया।

बाद में, जब 2000 में छत्तीसगढ़ को राज्य का दर्जा मिला, तो बघेल नए राज्य में राजस्व मंत्री के रूप में नियुक्त होने वाले पहले व्यक्ति थे।

उन्होंने छत्तीसगढ़ विधानसभा में विपक्ष के उपनेता के रूप में भी कार्य किया है। 2018 में आदिवासी राज्य के मुख्यमंत्री बनने से पहले, उन्होंने छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और डेढ़ दशक बाद राज्य में कांग्रेस को सत्ता में वापस लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।भूपेश बघेल सामाजिक सेवाओं में गहरी रुचि रखते हैं। अपने विद्यार्थी जीवन से ही वे अनेक राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं।

वे समाज में सामाजिक सुधारों के पैरोकार रहे हैं। विवाह समारोहों में होने वाली फिजूलखर्ची से बचने के लिए उन्होंने कम खर्च में विवाह को बढ़ावा देने वाला एक अभियान शुरू किया। वे लगभग हर साल सामूहिक विवाह समारोह आयोजित करते हैं, जिससे उन्हें अपार लोकप्रियता और सम्मान प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री बघेल को समाज में समानता लाने के प्रयासों और सक्रियता के लिए 'महात्मा फुले समता पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया है।

भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ को समृद्धि की ओर ले जाने के लिए समर्पित हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यों को व्यापक मान्यता मिली है, क्योंकि उनके नेतृत्व में राज्य को कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। हाल ही में प्राप्त पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा प्रदान किया गया 'सर्वश्रेष्ठ राज्य पुरस्कार' है।

मैथ्यू पेरी की 'फ्रेंड्स' की स्क्रिप्ट और बैटमैन घड़ी जैसी वस्तुएं होंगी नीलाम

लॉस एंजिल्स। मैथ्यू पेरी अमेरिकी-कनाडाई अभिनेता और निर्माता थे, जिन्हें मुख्य रूप से टीवी सिटकॉम 'फ्रेंड्स' में चैंडलर बिंग की भूमिका के कारण अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली। 54 वर्षीय मैथ्यू का साल 2023 को लॉस एंजिल्स में निधन हो गया था। मैथ्यू की संपत्ति से कई अनमोल वस्तुओं को एक चैरिटी नीलामी में बेचा जा रहा है, जिनकी कीमत 8 लाख डॉलर से अधिक (7 करोड़ रुपये से ज्यादा) होने की उम्मीद है। नीलामी अमेरिका के शहर डलास में स्थित हेरिटेज नामक नीलामीघर द्वारा अगले माह आयोजित की गई है, जिससे मैथ्यू पेरी फाउंडेशन को लाभ होगा। इस फाउंडेशन की स्थापना मैथ्यू की मृत्यु के बाद लोगों को नशे की आदत से मुक्ति दिलाने के लिए की गई थी। पिछले दिनों जुलाई में एक 100 साल पुराने मूरक्रॉफ्ट के फूलदान की नीलामी हुई है, जो 53 लाख रुपये में बिका है।

9.33 करोड़ की पेंटिंग बिकी 11 हजार रुपये में

नई दिल्ली। स्पेन में जन्में महान पेंटर पाब्लो पिकासो की कला ने पूरी दुनिया को अपना मुरीद बना रखा है। आज भी उनकी एक-एक पेंटिंग की कीमत करोड़ों में होती है। दुनियाभर के संग्रहालयों और प्रदर्शनियों में उनकी कलाकृतियां प्रदर्शित की जाती हैं, लेकिन हाल ही में उनकी 9.33 करोड़ रुपये की पेंटिंग लगभग 11 हजार रुपये में बिकी है। आइए जानते हैं कि क्यों इतनी महंगी पेंटिंग इतने कम रुपये में बेची गई है। पिकासो की पेंटिंग इतने कम रुपये में बिकने का कारण है कि इसे एक लॉटरी में बेचा गया है, जिसका आयोजक पेरिस में स्थित क्रिस्टी नीलामी घर था। 100 यूरो में 1 पिकासो' लॉटरी का तीसरा संस्करण पिकासो की पेंटिंग 'हेड ऑफ अ वुमन' के लिए था।

BALCO Medical Centre
बालको मेडिकल सेंटर
मध्यभारत का अत्याधुनिक व विश्वसनीय कैंसर हॉस्पिटल
NABH व NABL से मान्यता प्राप्त
आयुष्मान भारत योजना से निःशुल्क ईलाज एवं सभी PSUs व बीमा कंपनियों से अनुबंधित
- सभी प्रकार की कैंसर सर्जरी (रोबोटिक/लेप्रोस्कोपिक).
- पेट, स्पैक्ट स्कैन, HDT, LDT थेरेपी
- कीमोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी
- रक्त-सम्बन्धी सभी बीमारियाँ एवं बोन मेरो ट्रांसप्लांट
- आधुनिक रेडियोलॉजी, लेबोरेटरी एवं ब्लड सेंटर
- अत्याधुनिक टू-बीम लिनक एवं हैल्सीऑन मशीन द्वारा रेडिएशन थेरेपी व ब्रैकिथेरेपी की सुविधा

बीएमसी सिटी कैंसर डेकेयर - कलर्स मॉल के बाजू, धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.) 9201966330
मेन हॉस्पिटल: सेक्टर 36, नया रायपुर, (छ.ग.) 8282823333/4444

आयुष्मान योजना से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मित्तल हॉस्पिटल रायपुर - भिलाई
कैंसर सर्जरी विशेषज्ञ (कैंसर विभाग)
Dr. Jasvant Jain MS, MCH
Dr. Naveen Verma MS, MCH
Dr. Shashank Saraf MBBS, DNB, DrNB
Dr. Riddhi Gupta MOS, FHNO.
Deepak Ad./111
रायपुर: अवंति बाई चौक, पंडरी 9343079151, 91313 99570
भिलाई: टी.आई. मॉल के पास 7722880844, 0788-2294440

सर्वप्रथम अत्याधुनिक (अल्ट्रामॉडर्न) बर्न यूनिट
10 इंटेंसिव आइसोलेशन केयर ग्लास केबिन, हेपा फिल्टर/लेमिनर फ्लो 100% जीवाणु रहित ग्लास केबिन.
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल: 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

PRADIKSHA HERBAL दर्द अनेक, उपचार एक!
प्रदिक्षा आर्थो ऑयल
Ortho Oil 50 ML
घुटने का दर्द, साइटिका, गाठिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन, जकड़न, आमवात, संधिवात और मोच में भी लाभदायक एक बार अवश्य आजमायें।
Custmer Care -9112637000, 9823286830

ओम हॉस्पिटल
मूत्र एवं किडनी रोग विभाग
- गुर्दे का कैंसर
- गुर्दे की पथरी
- मूत्राशय का कैंसर
- मूत्रनली की पथरी
- अंडकोष का कैंसर
- पेशाब में जलन होना, पेशाब में रूकावट,
- प्रोस्ट्रेट का बढ़ना
- लिंग कैंसर
- गुर्दे की सूजन व इन्फेक्शन

महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.) 8370008551
खरोरा रोड,तिल्दा (छ.ग.) 9302734809
सरायपाली (छ.ग.) 8370008558
जगदलपुर (छ.ग.) 8435908123
#Rajesh

THE BEST TREATMENT FOR KIDNEY STONES WITH LITHOTRIPSY
- No incisions
- No pain
- No bleeding
- No hospital stay

Get back to your normal life
Get the best treatment for kidney stones
(NABH से मान्यता प्राप्त) सुयश हॉस्पिटल
24 Hours Helpline 9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

OM NETRA KENDRA & LASER VISON
आँखें अनमोल है, अनुभवी हाथों में ही सौपें
चश्मे से छुटकारा
17 वर्षों का अनुभव
15000+ लेज़र सर्जरी
देश-विदेश के मरीज़ों का ईलाज (UK/US)
सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे
लेसिक ICL RLE रोबोटिक लेजर
PIONEERS AND LEADERS IN EYE CARE
1800 8911 898 | 70900-17559 |0771-3510700
omnetrakendralaservision.com
सी-108, टैगोर नगर, बैंक ऑफ बडौदा के पास, रायपुर (छ.ग.)
AdPRAYAS

स्त्री रोग कैंसर हेतु कुशल टीम
डॉ. दिव्या खटोरे MS, DrNB कैंसर सर्जन 88841 86676
डॉ. नेहा जायसवाल DGO, DNB, FMAS स्त्री रोग कैंसर सर्जन 87190 62082
कैंसर उपचार एवं सर्जिकल सेवाएँ
- कैंसर सर्जरी
- मिनिमली इनवेसिव एवं रोबोटिक
- ओवेरियन एवं अन्य स्त्री रोग कैंसर
- स्तन कैंसर सर्जरी
- गर्भाशय एवं सर्वाइकल कैंसर
- जटिल कैंसर का प्रबंधन

संजीवनी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389905010, 7389904010

B-TEX SINCE 1942
बी-टेक्स लोशन
B-TEX LOTION An effective remedy for ringworm itches and dry eczema. B Tex Ointment Mfg. Co. C16-17, Udyog Nagar, Navsari-396445, Gujarat, INDIA. STORE AT ROOM TEMPERATURE. 15 ml when packed
दाद, खाज और खुजली के लिए असरदार इलाज बी-टेक्स लोशन
SAIKRIPA TRADING, RAIPUR. Ph.: 9522584000
PANKAJ MEDICO, BILASPUR. Ph.: 07752401271
Now available on Flipkart HEALTHMUG JioMart img shopbtex.com

बवासीर के मुख्य कारणों में एक है कब्ज़ और बवासीर से असरदार राहत के लिए ज़रूरी है
डबल एक्शन
कब्ज़ और बवासीर दोनों पर
अभयामृत कब्ज़ के लिए कब्ज़ और पाचन सुधारने में सहायक
सिड्पाईल्स® टॅबलेट पाईल्स के लिए प्राकृतिक रूप से पाएँ राहत दर्द, सूजन, खुजली
सिध्दायु - बैद्यनाथ का भरोसा
मुफ्त वैद्यकीय सलाह के लिए संपर्क करे : 844 844 4935

Hero
HF Deluxe
बाइक दमदार दाम शानदार
नई एक्स-शोरूम कीमत ₹59 999/~
₹7 635/-* की बचत
कम डाउन पेमेंट | ₹5 999/^
Hero GoodLife चांदी का सिक्का जीतने का मौका*
pine labs कैशबैक ₹5 000/- तक#
टोल फ्री 1800 266 0018

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply
Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II. New Delhi-110070, India. ICIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *Offer valid only on purchase of new Hero Two Wheeler & Hero GoodLife Enrollment on the corresponding purchase till 31st Aug. 2026. #The Cashback of 5% upto ₹5000 is applicable on the transaction between ₹30 000 to ₹1 00 000. The new revised ex-showroom price is valid for a limited period only. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. ~Ex-showroom price of HF Deluxe Canvas variant applicable in Chhattisgarh.*Terms & Conditions apply.

अधिकृत डीलरः बिलासपुरः सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो, 9289922706, अंबिकापुरः आनंद हीरो, 9289922359, सरगुजा हीरो, 9289923110, कोरबाः शांति हीरो, 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो, 9289923057, रायगढ़ः गोयल हीरो, 9289922373, आदित्य हीरो, 9289923091, जांजगीरः आनंद हीरो, 9289922772, बैकुंठपुरः आर.के. हीरो, 9289922812, जशपुरः आकाश हीरो, 9289922909, एसोशिएट डीलरः खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415, चौराः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सरियाः अग्रवाल ऑटो सेण्टर, 9993121909, गौरेलाः श्री माँ नर्मदा मोटर्स, 7587796622/7587796611, सनावलः सोनी ऑटोमोबाइल्स, 9479235816, रतनपुरः माँ महामाया मोटर्स, 9754240437/8839972027, बलोदाः श्री कमला ऑटो, 9926515216, मरवाहीः राहुल ऑटोमोबाइल्स, 8889467369/8719087320, मुंगेलीः महावीर, 9993855199, मनेन्द्रगढ़ः विवेक ट्रेडर्स, 6261178785, कटघोराः श्री शारदा एंटरप्राइज, 9809809925, शिवरीनारायणः सुल्तानिया ऑटो केयर, 9407600319, सक्तीः गोयल ऑटो, 9303571001/7000490324, खरसियाः विजय ऑटो एजेंसी, 9993093829, सीतापुरः श्रीराम हीरो, 7000043001, पत्थलगांवः ज्योति ऑटो, 9406399000, सारंगढ़ः गोपाल ऑटो सेंटर, 9827893203, सूरजपुरः आशा ऑटोमोबाईल्स, 9826440096, अकलतराः श्री ऑटो, 9424174274, कोटाः उर्मिला मोटर्स, 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्स, 6268000180/8718888789, रामानुजगंजः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 8827674000, बाराद्वारः दुर्गा ऑटो एजेंसी, 8319982160, उदयपुरः बंसत ऑटोमोबाईल्स, 9406022927, तपकराः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 7354334545/7999851514, प्रतापपुरः तायल ऑटोमोबाईल्स, 9617218005, पटनाः आयुश ऑटोमोबाईल्स, 8839141926, पालीः आनंद ऑटोमोबाईल्स, 7089519999, राजपुरः महामाया एजेंसी, 9516209272/9340726288, मदनपुरः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सीपतः मेसर्स गणेश मोटर्स, 9993194005, महापालीः साहू ऑटोमोबाईल्स, 7746028455, लखनपुर : पीएन ऑटोमोबाइल्स, 8839193005, बटौली : इक्छा ऑटोमोबाइल्स, 8770232677, कुसमीः बोल्बम ऑटो, 8120191597, विश्रामपुरः खुशी ऑटोमोबाइल, 9826775718, झरगांवः ऐबानी मोटर्स, 7849000000, रामानुजनगर : जयसवाल ऑटो , 9926015773, बलंगीः नमो ऑटोमोबाईल्स, 9977876863, भैयाथानः आनंद ऑटोमोबाइल्स, 9977221111, प्रेमनगरः मानस ऑटोमोबाइल्स, 9131301594, लोरमीः महेश मोटर्स, 7974700929, खैरागढ़ः पुष्पक बिक्री, 9425554343, भानपुरीः अपराशा ऑटोमोबाइल्स, 9981009491, ऐडिशनल वर्कशॉपः अम्बिकापुरः आनंद ऑटोमोबाईल्स, देवीगंज, 7771008601/9289922359, जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः ओरियन ऑटोव्हील्स, 07752-252088, अधिकृत सिटी वर्कस्: उरगाः बालाजी सर्विस स्टेशन, 279600, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः बिलासपुर (सकरी): सत्या सर्विसेज़, 9111107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, चम्पाः आनंद हीरो, 7909901444, कोरबाः शांति हीरो, 7440299000, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बिलासपुरः सत्या हीरो, 9289922464, खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com